मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	21.0	9.0
जमशेदपुर	24.4	15.0
डालटनगंज	22.8	10.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

सोमवार, 22 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 275

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

* * * * *

पेज 14

इंतजार विकास योजनाओं का : बूढ़ा पहाड़ से पहले बहेराडीह में है स्कूल, लेकिन खुलता ही नहीं

जहां हांफ रहा था विकास, वहां मुस्कुराहट देख मिल रहा सुकून

बूढ़ा पहाड़ से लौट कर प्रवीण कुमार

पार्ट-3

झारखंड के बूढ़ा पहाड़ का नाम सुनते ही पहले रूह कांप जाती थी. जहां विकास की बात करना भी बेमानी थी. विकास पूरी तरह से हांफता था. आज वहां के लोगों की सूरत और सीरत बदल रही है. ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान है. 22 साल बाद नक्सलियों की इस मांद में सीएम हेमंत सोरेन ने पिछले साल 27 जनवरी को खुद वहां जाकर लोगों से बात की थी. और विकास की धारा से क्षेत्र को जोड़ने का एलान किया था.

सीएम की योजना काम आई : सीएम हेमंत ने अपने विजन से वहां के लोगों की तस्वीर और तकदीर बदलने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी. सीएम के ई विजन को लेकर अधिकारियों ने वहां की छह पंचायतों का गहन सर्वेक्षण करा कर कार्य योजना तैयार की. जिसमें बूढा पहाड़ पर जेरडा के द्वारा सोलर पावर प्लांट लगाए गए. सोलर पावर प्लांट लगाने वाली कंपनी वैष्णवी इंजीनियर के प्रबंधक संदीप पाटिल कहते हैं कि जब प्लाट लगाने का काम मिला, तो वहां सोलर प्लांट का समान ले जाने में काफी कठिनाई हुई. इलाका दुर्गम है. बूढ़ा पहाड़ के आदिम जनजातियों का दैनिक जीवन भी कठिनाइयों से भरा है.

ग्रामीणों की हैं शिकायतें : उधर कोरवाडीह गांव के बिगन कोरवा की शिकायत है कि उसने राजू कोरवा के मेढबंदी निर्माण में कार्य किया था, उसकी मजदूरी उनको आधी अधूरी ही मिली. उसकी रोजगार कार्ड में काम की कोई प्रविष्टि नहीं है. इधर काम किए हुए मजदूरगण मजदूरी मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं, उधर ऑनलाइन रिकॉर्ड में 38 हजार की योजना में मात्र 26 हजार खर्च दिखा कर पूर्ण दिखा दिया गया है. अब इसमें मजदूरी भुगतान की कोई गुंजाइश नहीं रही.

बहेराडीह में स्कूल हैं, लेकिन खुलते ही नहीं

कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति नक्सलियों के प्रभुत्वकाल में जितनी बुरी थी, आज भी कमोबेश वैसी ही है. बहेराडीह गांव में स्कूल खुले लगभग 23 साल हो गए लेकिन गांव में दीपक कोरवा, प्रभु कोरवा, अशोक कोरवा, मनोहर कोरवा, बिगन कोरवा सरीखे युवा हैं, जो शिक्षा से कोसों दूर हैं क्योंकि गांव में स्थित स्कूल में शिक्षक नियुक्त तो रहे हैं, लेकिन वे सिर्फ वेतन, मानदेय उठाते रहते हैं, स्कूल कभी आते नहीं हैं. आज भी यहां दो पारा शिक्षक नियुक्त हैं, वो हेसातू गाँव में रहते हैं लेकिन वे स्कूल खोलते नहीं हैं. ग्रामीण बताते हैं कि शिक्षक 2-3 महीने में एक दिन के लिए आते हैं और हाजिरी बना कर चले जाते हैं. इससे शिक्षण कार्य तो नहीं ही चलता है. साथ में स्कूलों में मिलने वाला दोपहर का भोजन भी बच्चों को नहीं मिलता है. जबकि यह विद्यालय सीआरपीएफ कैंप प्रवेश द्वार के बिल्कुल साथ में स्थित है. बहेराडीह के वाशिंदों को आज भी महज बिजली ट्रांसफ़ॉर्मर नहीं लगने की वजह से बिजली मयस्सर नहीं हो रही है, जबकि बिजली गांव में पहुंच चुकी है और सीआरपीएफ कैंप में ही बिजली है.

जब ग्रामीणों को हटाया था बूढ़ा पहाड़ इलाके से

नक्सली गतिविधियों और विस्थापन की घटना को याद करते हुए ग्रामीण बलदेव बिरजिया और विफा बिरजिया बताते हैं, उनको प्रति परिवार 5-5 एकड़ जमीन देने का प्रलोभन दिया गया था. लेकिन वहां 4 – 4 डिसमिल ही जमीन मिली. उसी जमीन में बने मकानों में बसाया गया था. जब उन्हें गांव से ले जाया जा रहा था, तब जानेवाले दिन 15 – 16 कमांडर जीप गाड़ी नीचे पुंदाग तक आई हुई थी. उसी में हम अपने जरूरत के सामान यथा बर्तन और कपड़े वगैरह ले गए थे. हमारे घरों में रह रहे पशुओं को भी हमें बेचने संभालने का मौका नहीं दिया गया. संगठन (नक्सली संगठन) के लोग यहां आस – पास जमीन खोद कर मांद बना कर रहते थे. मांद के अवशेष अभी भी देखे जा सकते हैं.

बूढ़ा पहाड़ पर ऐसे घर में रहते हैं बिरजिया परिवार.

बहेराडीह गांव का स्कूल पिछले 20 सालों से कागजो पर ही चल रहा.

बुनियादी सवालों का अब तक जवाब नहीं

हालांकि सीएम दौरे के एक साल बाद भी ग्रामीणों के कई बुनियादि सवाल बिना जवाब के ही हैं. नक्सली उन्मूलन के नाम पर उस गांव के सभी आदिम जनजाति परिवारों को 7 साल तक अपनी जमीन से बेदखल होकर गांव से दूर मदगड़ी (च) में अर्द्धसैनिक बलों की निगरानी में समय काटना पड़ा आदिवासी जातीय भेदभाव के शिकार भी हुए. पिछले एक साल से आदिवासी परिवार अपने वतन (बूढ़ा पहाड़) को लौटने लगे हैं और अपने जीवन की दूसरी पारी की शुरुआत कर रहे हैं. इस दूसरी पारी के लिए ग्रामीणों का कहना है कि सरकार के सहयोग बिना यह संभव नहीं है.लेकिन अधिकारी विकास योजना लागू करनें में सुस्त रफ्तार में नजर आते हैं.

सीआरपीएफ कैंप के लिए आदिम जनजातियो को हटना पड़ा था अपनी जमीन से : जगवा कोरवा जो वर्षों से खेत, खलिहान, घर द्वार बना कर जमीन पर काबिज था, उसको अपने घर और जमीन से भरी बरसात व ठंड के सीजन में सीआरपीएफ कैंप निर्माण के नाम हटना पड़ा था. क्योंकि उसके पास जमीन के कागजात नहीं थे.

'हम सब विकसित भारत में प्रतिबद्ध होकर अपना योगदान दें'

हम सब एक रहेंगे: राज्यपाल

संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि हमारा देश विविधताओं से भरा है लेकिन विविधता में एकता है. हम सब एक हैं और एक रहेंगे. देश के विभिन्न प्रदेशों में मनाए जाने वाले पर्व, त्योहार एवं उत्सव की अवधारणा एवं उद्देश्यों में भी समानता है. पोंगल पर्व फसल पैदावार वाले के लिए प्रकृति, किसान एवं पशु के प्रति आभार प्रकट करने का पर्व है. हमारे किसान बिना किसी लोभ-लालच के सूर्य की भांति नियत समय पर खेत की ओर निकाल जाते हैं. सोहराई एवं टुसु पर्व के केंद्र बिंदु में भी प्रकृति, कृषि एवं पशु की पूजा ही हैं, जो हमारे जीवन के आधार हैं.

राज्यपाल रविवार को राजभवन में संयुक्त रूप से पोंगल, सोहराई एवं टुसु पर्व के साथ-साथ त्रिपुरा, मेघालय एवं मणिपुर के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि त्रिपुरा, मेघालय एवं मणिपुर प्रकृति के गोद में बसे हैं. इनका गौरवशाली इतिहास रहा है एवं गरिमामयी विरासत रही है. ये सांस्कृतिक विविधताओं से भरे पड़े हैं.

एक-दूसरे की संस्कृति से हो रहे हैं अवगत

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत हम एक दूसरे के संस्कृति से अवगत हो रहे हैं. आपसी सौहार्द एवं समन्वय की भावना भी प्रगाढ हो रही है. राज्यपाल ने देश के विकास के लिए सभी से साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया. कहा कि हम सभी का दायित्व है कि हम सब 'विकसित भारत 2047' में प्रतिबद्ध होकर अपना योगदान दें. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रदेशों के लोगों द्वारा लोक नृत्य व गीत भी पेश किए गए. इससे पूर्व राज्यपाल राज भवन के मूर्ति गार्डेन में आयोजित पोंगल उत्सव में सम्मिलित हुए एवं पूजा अर्चना की. उन्होंने सभी के सुख समृद्धि की कामना की.

राज्यपाल ने तपोवन मंदिर में साफ-सफाई की

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को रांची स्थित तपोवन मंदिर जाकर अपने साफ-सफाई की. उन्होंने वहां पूजा-अर्चना भी की व सभी के सुख समृद्धि की कामना की.

सरना कोड की मांग को लेकर 4 फरवरी को रैली

रांची। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के लोगों ने कांके रोड प्रधान कार्यालय में बैठक की. अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि 4 फरवरी को आदिवासी एकता महारैली मोरहाबादी में बुलायी गयी है. आदिवासी समाज की विभिन्न मुद्दों का आवाज उठायी जाएगी. आदिवासियों की हक अधिकार की बात होगी. केंद्र सरकार से आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग की जाएगी. मौके पर सती तिर्की, अनिता उरांव, संगीता गाड़ी, बसंती कुजूर, कुईली उरांव, मनोज उरांव, भानु उरांव समेत अन्य शामिल हैं.

राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन शीघ्र हो : दीपेश

रांची। द रांची प्रेस क्लब, रांची में फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन की बैठक अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में हुई, जिसमें संगठन के सभी सदस्यों सहित राज्यभर के व्यापारियों, उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और सर्विस प्रोवाइडरों ने भाग लिया. संगठन के नए सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र और आईकार्ड प्रदान किया गया. बैठक में संगठन के कार्यों की आगामी रूपरेखा और वर्तमान व्यापारिक हालात और व्यापारियों के समक्ष आ रही चुनौतियों पर व्यापक चर्चा विमर्श किया गया, जिसमें मुख्य रूप से राज्य की विधि-व्यवस्था पर व्यापक चर्चा हुई.

रांची के 39 परीक्षा केंद्रों पर सीटेट की परीक्षा संपन्न

रांची। रांची सहित झारखंड के पांच शहरों में रविवार को सीटेट की परीक्षा संपन्न हुई. रांची के 39 परीक्षा केंद्रों में भी परीक्षा हुई. परीक्षा सुबह 9:30 बजे से शुरू हुई जो दोपहर 12.30 बजे तक चली. इस परीक्षा में करीब 40,000 अभ्यर्थी शामिल हुए. सीटेट की परीक्षा दो लेवल प्राइमरी और एलिमेट्री में आयोजित की गयी. दोनों लेवल में 150-150 प्रश्न पूछे गये. परीक्षा में पास

करने के लिए अभ्यर्थियों को कम से कम 60 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है. बता दें कि रांची के अलावा झारखंड के हजारीबाग, जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद में परीक्षा केंद्र बनाया गया था.

डीलिस्टिंग आंदोलन : देश के सभी सांसदों का होगा घेराव

विशेष संवाददाता। रांची

धर्मांतरण कर चुके पूरे देश भर के आदिवासियों को डीलिस्टिंग करने की मांग अब तेज हो गयी है. झारखंड के बाद जनजाति सुरक्षा मंच की बैठक रविवार को छत्तीसगढ़ के जशपुर में राष्ट्रीय संयोजक गणेण राम भगत के आवासीय कार्यालय में हुई. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक धर्मांतरित आदिवासियों को आरक्षण से वंचित करने के लिए आंदोलन तेज होगा. जनजाति सुरक्षा मंच दिल्ली कूच करने की तैयारी में जुट गया है. अब देश के सभी सांसदों का होगा घेराव और सभी राज्यों में जन आंदोलन होगा. मंच की बैठक छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा के संयुक्त कार्यकर्ताओं की बैठक होगी. बैठक में रौशन प्रताप सिंह, पिंकी खोया, सन्नी उरांव, हिंदुआ उरांव, जगरन्नाथ भगत, करूण भगत, मनोज भगत, हरि नागवंशी, अनिता भगत सहित अन्य हिस्सा लिया.

धर्मांतरण की चपेट में है झारखंड : गणेश

जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत ने कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा चलाए जा रहे डीलिस्टिंग अभियान पूरे भारत देश में वृहद आंदोलन का रूप ले चुका है. छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड धर्मांतरण की चपेट में है. यह एक गंभीर चिंता है. सभी राज्यों के सामाजिक कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर आने वाले समय में एक नए संघर्ष की ओर आगे बढ़ना है.

आदिवासियों की समस्या में धर्मांतरण भी : संदीप

जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि जनजाति समाज में बहुत सारी समस्याएं हैं, जिसमें प्रमुख समस्या धर्मांतरण हैं. धर्मांतरण के कारण जनजाति समाज का अस्तित्व अस्मिता और उनकी पहचान खतरे में है.

CLASSIFIED

AMRITA HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
7870865821
Dr. Sumedha Gargy
MBBS, MD (Obs 'n' Gynae)
ECFMG (Certified USA)
MRCOG (London) & ESGO
Certified in Gynaecological Oncology (Europe)
Fellowship in Gynae Oncology TATA Medical Centre, Kolkata
Ex. Sr. Resident, Dept. of Surgical Oncology, RIMS, Ranchi
Shyamli, Kali Mandir Road
Burdwan Compund, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob : 8271505819, E-mail : gargysumedha@gmail.com

श्री गणेश नर्सिंग होम
लोअर चुटिया, रांची, फोन : 9835588850
सुविधाएं : सभी तरह के ऑपरेशन, नॉर्मल डिलीवरी, अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसील बवासीर एवं हड्डी की पोट समेत सम्पूर्ण जांच की व्यवस्था उचित दर पर उपलब्ध
Dr. Randhir Kumar
M.B.B.S., D. Ortho
Ms (General Surgery), FIAGES
Ex-Resident (Neurosurgery) RIMS
24 Hours Emergency Pathology Service
(Home Collection also available here)
Vaccination Facility Child
इशानी मेडिकल हॉल
यहां सभी तरह की दवाएं उचित मूल्य पर दी जाती है।

होटल द कार्निवाल्स
शादी-विवाह, बर्थ डे, शादी सालगिरह आदि के लिए एक बेहतर जगह
वातानुकूलित बड़ा हॉल
एक मिनी हॉल और कमरे
एक बड़ा लॉन
वाटर फाउंटेन के साथ
जुबली चौक, लातेहार
सम्पर्क करें
9939410052

F9 होटल्स एंड इंडिया ट्रेवल
में आपका स्वागत और अभिनंदन!
आपके यात्रा को सुखद और सुविधाओं के आकांक्षा के लिए अयोध्या धाम श्रीराम नगरी, दिल्ली, पहाड़गंज नोएडा, गुड़गांव, देहरादून मसूरी, मुक्तेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, नैनीताल, अमृतसर, जम्मू, कतरा, वैष्णो देवी, जयपुर, उदयपुर, पुष्कर, अजमेर, आगरा, मथुरा, वृंदावन समेत पूरे भारत मे होटल और रूम मे ठहरने की उचित सुविधा और बस, ट्रेन और हवाई जहाज की टिकट की सुविधा निरंतर उपलब्ध है।
FLIGHT TICKETS
CRUISE BOOKING
HOTEL BOOKING
TRAIN TICKET
TAXI SERVICE
CURRENCY EXCHANGE
HOLIDAY PACKAGES
GROUP BOOKINGS
E VISA SERVICE
INTERNATIONAL TOUR PACKAGES
BOOKING
Call 8527271652-ved

INDU BHUSHAN MEMORIAL SCHOOL
Class:- Nursery to XIIth
Co-Education, English Medium
Our Features
Reasonable Fee Structure
Qualified and Trained Teachers
Innovative Teaching
Appropriate Student- Teacher Ratio
No Heavy Bags
Pre-Primary Play Area
Attentin Towards Every Child
Parenting Classes (For Parents)
CCTV Monitoring
Transport Facility
Admission is going on
Contact : 9430370823, 9955449958
Kawatu, Ichak, Hazaribag (Jharkhand)

Estd. : 2014
Under the Management of Shanti Seva Trust
R.C. Mission Residential School
(A Co-educational, English Medium, CBSE Board School)
Baba Path, Hurhuru, Hazaribagh | M-9162890238, 9113709641
Admission Open
छात्रावास में सुविधाएं :
लाइब्रेरी की सुविधा
सुबह-शाम ट्यूशन
सीसी टीवी कैमरा
24 घंटे सिक्योरिटी
24 घंटे बिजली-पानी
कम्प्यूटर लैब
मेनू अनुसार भोजन
Minku Kumar
Director
School Building

SRI RSR RESIDENTIAL SCHOOL
नि:शुल्क नामांकन
पता : एन एच 33 बोंगा रांची पटना रोड हजारीबाग
सम्पर्क करें :7645082349, 9471166830

SHARDA SCHOOL
Run by:S. E. T., Reg No.:4/223,SI No. 4729, U.Dise -20050115504
Email:info@shardaschoolkoderma.com,
Website:www.shardaschoolkoderma.com
Near Durga Mandap
Maduatand
Jhumari Telaiya
PIN- 825409
(Jharkhand)
Mob: 8210034302

EDUCATION
TO-LET
BUSINESS
REAL ESTATE
RECRUITMENT
MATRIMONY
& Many More
Book your CLASSIFIED ADS IN
हिन्दी दैनिक शुभम संदेश
एक राज्य-एक अखबार
Contact : 9835511272, 9905709361, 9546277001, 7004715743

सोमवार, 22 जनवरी 2024 • पौष शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 • पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 • वर्ष : 1, अंक : 275

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

राममय हुई है अयोध्या
दुल्हन की तरह सजी नगरी

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

आ रहे हैं राम

शुभम संदेश नेटवर्क

अयोध्या में रामलला के आगमन की घड़ी नजदीक है. सोमवार को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. अयोध्या को आध्यात्मिक रंग से सजाया गया है. मंदिर परिसर की छंटा देखती ही बनती है. इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी, लोकप्रिय क्रिकेटर, मशहूर हस्तियां, उद्योगपति, संत और विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों न्योता मिला है. अब भारत समेत दुनिया की नजरें प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक घड़ी पर टिकी हुई हैं.

10 बजे सुबह से गूंजेगी **मंगलध्वनि**

84 सेकेंड के शुभ मुहूर्त में प्राण-प्रतिष्ठा

प्राण प्रतिष्ठा का पूरा कार्यक्रम क्या है?

सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के लिए न्यूनतम विधि-अनुष्ठान रखे गए हैं. श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रातः काल 10 बजे से मंगल ध्वनि का भव्य वादन होगा. विभिन्न राज्यों से 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र लगभग दो घंटे तक इस शुभ घटना के साक्षी बनेंगे.

10:30 बजे तक मेहमानों को करना होगा प्रवेश

मेहमानों को 10:30 बजे तक परिसर में प्रवेश करना होगा. तीर्थ क्षेत्र द्वारा जारी की गई प्रवेशिका के जरिए ही प्रवेश संभव है. निमंत्रण पत्र से आगंतुक प्रवेश नहीं कर पाएंगे. प्रवेशिका पर बने क्यूआर कोड के मिलान के बाद ही प्रवेश मिलेगा. सोशल मीडिया पर प्रवेशिका का एक प्रारूप भी साझा किया गया है.

प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे से

प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू होगी. मुख्य पूजा अभिजीत मुहूर्त में होगी. प्राण प्रतिष्ठा का समय काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने निकाला है. यह कार्यक्रम पौष माह के द्वादशी तिथि को अभिजीत मुहूर्त, इंद्र योग, मृगशिरा नक्षत्र, मेष लग्न एवं वृश्चिक नवांश में होगा.

84 सेकेंड का शुभ मुहूर्त

शुभ मुहूर्त दिन के 12.29.8 सेकेंड से 12 बजकर 30 मिनट और 32 सेकेंड तक का है. यानी शुभ मुहूर्त केवल 84 सेकेंड का है. यजमान पीएम मोदी के हाथों श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी. अनुष्ठान काशी के आचार्य गणेश्वर द्रविड़ और लक्ष्मीकांत दीक्षित के निर्देशन में संपन्न होगा.

4 घंटे रहेंगे पीएम मोदी

पीएम मोदी सोमवार को चार घंटे अयोध्या में रहेंगे. सुबह 10:25 बजे एयरपोर्ट और 10:55 पर राम जन्मभूमि पहुंचेंगे. प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के बाद 1 बजे सभा को संबोधित करेंगे. 2:10 पर कुबेर टीला के दर्शन कर दिल्ली लौट जाएंगे.

शाम में होगा दीप प्रज्ज्वलन

समारोह के बाद राम ज्योति प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनेगी. शाम को अयोध्या 10 लाख दीपों से जगमगाएगी. मकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर 'राम ज्योति' प्रज्ज्वलित होगी. रामलला, कनक भवन, हनुमानगढ़ी, गुप्तारघाट, सरयू तट, लता मंगेशकर चौक, मणिराम दास छावनी समेत 100 मंदिरों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,500
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

मोदी ने वेड इन इंडिया का नारा दिया

अहमदाबाद। पीएम नरेंद्र मोदी ने भारतीयों द्वारा विदेशों में जाकर शादी रचाने के बढ़ते चलन का मुद्दा उठाया और कहा कि लोगों को भारत में ही शादी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि देश का धन देश में ही बना रहे. उन्होंने वेड इन इंडिया का नारा दिया है.

एम्स, दिल्ली आज भी बंद नहीं रहेगा

नयी दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर 22 जनवरी को बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाएं अपराह्न 2:30 बजे तक बंद रखने के अपने फैसले को वापस ले लिया है. अब सोमवार को भी ओपीडी खुली रहेगी.

भारत में कोविड के 290 नये मामले, 6 की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 290 नये मामले दर्ज किए गए. देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या अब 2,059 हो गयी है. स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी.

बजट में कर मोर्चे पर मिल सकती है राहत

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिन में आम बजट पेश करेंगी. बजट में खासकर नौकरीपेशा लोगों की नजर आयकर के मोर्चे पर होने वाली घोषणाओं और राहत पर होती है.

झामुमो ने केंद्र सरकार पर लगाये **गंभीर आरोप**, कहा

राष्ट्रपति शासन की थी साजिश : झामुमो

कौशल आनंद। रांची

झामुमो ने सीएम हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ के दौरान उतारे गए 500 से अधिक सीआरपीएफ जवानों की तैनाती को लेकर रविवार को केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है. झामुमो ने कहा कि एक सोची समझी रणनीति के तहत केंद्र सरकार ने झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाने साजिश रची गयी थी. अगर झामुमो कार्यकर्ता संयम न बरते होते, तो विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती थी. इसके बाद राज्य में विधि व्यवस्था का हवाला देकर राष्ट्रपति शासन के हालात पैदा किये जाते. पार्टी ने राज्य सरकार से सीआरपीएफ आईजी की भूमिका की जांच की मांग की है, नहीं तो आंदोलन की चेतावनी दी है.

झामुमो केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य एवं विनोद पांडेय ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ईडी के अनुरोध पर ही राज्य सरकार ने विधि व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ईडी के अधिकारियों की सुरक्षा, उनके कार्यालय की सुरक्षा, उनके परिवार की सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संभालने के लिए करीब 2000 पुलिस एवं वरीय दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की थी. इस दौरान आम जनता एवं झामुमो कार्यकर्ता केंद्र की जांच एजेसियों की पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे. इसको देखते हुए पुनः रांची जिला प्रशासन ने त्वरित कदम उठाते हुए सीएम हाउस के आसपास 500 मीटर की दूरी पर धारा 144 लगा दिया था. मगर, इसी बीच अचानक सीआरपीएफ के सैकड़ों जवानों को बस में भर कर भेजा गया. पहुंचते ही सीआरपीएफ के जवान बिना किसी अनुमति या सूचना के मुख्यमंत्री आवास में प्रवेश का प्रयास करने लगे.

सीएम से ईडी की पूछताछ के दौरान सीआरपीएफ की इंट्री गैरकानूनी सरकार इसकी कराए जांच और ले एक्शन, वरना करेंगे आंदोलन

झामुमो कार्यकर्ताओं से उलझने लगे जवान

झामुमो नेताओं ने आरोप लगाया कि एक तो बिना अनुमति या सूचना के सीआरपीएफ के जवानों को उतारा गया. बिना अनुमति या सूचना के सीएम हाउस में प्रवेश करने की कोशिश की गयी. इतना ही नहीं बाद में जवानों ने झामुमो कार्यकर्ताओं से उलझने का भी प्रयास किया, ताकि माहौल को बिगाड़ कर राष्ट्रपति शासन लगाने की भूमिका तैयार की जा सके.

क्या कहा

- पर्याप्त सुरक्षा के बावजूद माहौल बिगाड़ने के लिए 500 सीआरपीएफ जवान उतारे गये
- ईडी के अनुरोध पर सरकार ने 2 हजार पुलिस-प्रशासन अफसरों की सुरक्षा में लगाये थे
- झामुमो के कार्यकर्ताओं से उलझने का प्रयास किया गया, माहौल बिगाड़ने का प्रयास हुआ
- बिना अनुमति के सीएम हाऊस में प्रवेश का भी किया गया प्रयास
- पूरे मामले और सीआरपीएफ आईजी की भूमिका की जांच हो

बिना अनुमति या सूचना के सीआरपीएफ की तैनाती भड़काऊ-गैर कानूनी

झामुमो नेताओं ने कहा कि विधि-व्यवस्था के इतने संवेदनशील समय एवं स्थान पर जिला प्रशासन की अनुमति के बिना और बिना सूचना दिए इतनी बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के बल का निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश करना एक भड़काऊ एवं गैरकानूनी कार्य है. झामुमो कार्यकर्ताओं ने यदि संयम का परिचय नहीं दिया होता, तो हिंसक परिस्थिति उत्पन्न हो सकती थी.

सीआरपीएफ आईजी इस साजिश में शामिल

झामुमो नेताओं ने कहा कि सीआरपीएफ का यह कृत्य सोची समझी साजिश का हिस्सा था, जिसमें उसके के आईजी भी शामिल थे. वे चाहते थे कि सीआरपीएफ एवं कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट हो जाए तथा प्रदर्शनकारी उग्र होकर यदि सीआरपीएफ पर हमला कर दें, तो राज्य सरकार पर संवैधानिक तंत्र की विफलता का आरोप लगाया जा सके और राष्ट्रपति शासन लगाने की भूमिका तैयार की जा सके.

केंद्र के इशारे पर हुआ कायराना हमला

सुप्रियो ने आरोप लगाया कि सीआरपीएफ कभी भी जिला प्रशासन के अनुरोध अथवा अनुमति के बिना किसी भी प्रकार के विधि-व्यवस्था का कार्य नहीं कर सकती है. इससे स्पष्ट है कि सीआरपीएफ ने यह कार्रवाई साजिशन केंद्र सरकार के इशारे पर की है, जो राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास है और संघीय ढांचे पर एक कायराना हमला है.

राज्य सरकार जांच कराये अन्यथा झामुमो करेगा आंदोलन

झामुमो ने राज्य सरकार से मांग की है कि वह सीआरपीएफ आईजी, कमांडेट एवं उनके अन्य वरीय पदाधिकारियों पर इस असंवैधानिक कार्य के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए एक उच्च स्तरीय जांच करा कर पूरी साजिश का भांडाफोड़ करे, अन्यथा झामुमो आंदोलन के लिए बाध्य होगा.

भीड़ ने रोकी राहुल की बस लगाए मोदी-मोदी के नारे

एजेंसी। गुवाहाटी

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इन दिनों असम से गुजर रही है. राज्य के सोनितपुर में भीड़ ने राहुल गांधी की बस को रोक लिया, तो राहुल बस से नीचे उतर आए. हालांकि उनकी सुरक्षा में तैनात जवानों ने राहुल को वापस बस में बैठने के लिए कहा. इस दौरान भीड़ में मौजूद लोग मोदी-मोदी के नारे लगाते हुए नजर आए. राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कि सबके लिए मोहब्बत की दुकान खुली है. जुड़ेगा भारत, जीतेगा हिंदुस्तान. उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है.

कांग्रेस के राज्य प्रमुख पर हमला: कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष भूपेन बोरा पर रविवार को सोनितपुर के जमुगुरीहाट इलाके में अज्ञात लोगों ने पर हमला किया. प्रवक्ता बेदब्रत बोरा के अनुसार, भीड़ ने भूपेन बोरा की कार को रोक दिया, जब वह यात्रा में शामिल होने के लिए गाड़ी चला रहे थे. बेदब्रत ने कहा, हमारे अध्यक्ष देखने के लिए अपनी कार से बाहर निकले कि क्या हो रहा है. उनकी नाक पर मुक्का मारा गया, जिससे खून बहने लगा. उन्होंने बताया कि पार्टी के एक अन्य कार्यकर्ता हृदय दास गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल में भर्ती हैं. इससे पहले, कांग्रेस की संचार समन्वयक महिमा सिंह ने बताया कि सोनितपुर में जयराम रमेश के वाहन पर भी हमला हुआ और मीडियाकर्मियों से उपद्रवियों ने हाथापाई की. सिंह ने बताया, जयराम और कुछ अन्य की कार जा रहे थी, तभी उन पर हमला हुआ.

कांग्रेस नेता ने दी फ्लाइंग किस

जनता भाजपा से डरने वाली नहीं: राहुल

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि असम की भाजपा सरकार लोगों को भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने के खिलाफ धमकी दे रही है और यात्रा कार्यक्रमों की अनुमति देने से भी इनकार कर रही है. राहुल ने एक जनसभा मे कहा, लेकिन लोग भाजपा से डरते नहीं हैं. उन्होंने दावा किया कि पार्टी आगामी चुनावों में भाजपा के खिलाफ भारी अंतर से जीत हासिल करेगी. उन्होंने कहा, हम यात्रा में लंबे भाषण नहीं देते हैं. हम हर दिन 7-8 घंटे यात्रा करते हैं, आपके मुद्दों को सुनते हैं और हमारा उद्देश्य इन मुद्दों को उठाना है.

झारखंड में आज आधे दिन सरकारी दफ्तर बंद, स्कूलों में भी छुट्टी

रांची। अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर झारखंड समेत पूरे देश में उत्साह का माहौल है. सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा को लेकर केंद्र सरकार ने आधे दिन की छुट्टी घोषित कर रखी है, तो कई राज्यों में भी छुट्टी घोषित की गई है. अब झारखंड में भी हेमंत सोरेन सरकार ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर आधे दिन की छुट्टी का ऐलान कर दिया है. इस दौरान झारखंड के सभी सरकारी कार्यालय दोपहर 2:30 बजे तक बंद रहेंगे. इसके अलावा सरकारी स्कूलों को पूरे दिन बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है. भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के यह निर्देश मुख्य सचिव को दिया था. इसके बाद कार्मिक विभाग ने रविवार को यह आदेश जारी कर दिया.

शिबू सोरेन की अर्जी पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला आज

एजेंसी। रांची/नयी दिल्ली

झामुमो के प्रमुख शिबू सोरेन की उस याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट सोमवार को फैसला सुनाएगा, जिसमें उन्होंने लोकपाल द्वारा उनके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को चुनौती दी है. लोकपाल ने सोरेन के खिलाफ कार्यवाही भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे की एक शिकायत पर शुरू की है, जिसमें दुबे ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है. फैसला न्यायमूर्ति सुब्रह्मण्यम प्रसाद की पीठ द्वारा सुनाया जाएगा. अगस्त 2020 में हुई शिकायत में, भाजपा नेता दुबे ने दावा किया कि शिबू और उनके परिवार ने सरकारी खजाने का दुरूपयोग करके भारी संपत्ति अर्जित की है. 12 सितंबर, 2022 को हाईकोर्ट ने यह कहते हुए लोकपाल की कार्यवाही रोक दी थी कि इस पर विचार की आवश्यकता है. शिकायत के साथ ही लोकपाल की कार्यवाही को लेकर सोरेन ने हाईकोर्ट के समक्ष दलील दी कि उनके खिलाफ मामला पूरी तरह से दुर्भावनापूर्ण और राजनीति से प्रेरित है.

खास बातें

- लोकपाल के खिलाफ गुरुजी ने दायर कर रखी है याचिका
- गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे की शिकायत पर चल रही कार्रवाई

मोदी ने धनुषकोडी के राम मंदिर में की पूजा

एजेंसी। रामेश्वरम (तमिलनाडु)

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को अरिचल मुनाई के पास राम मंदिर में पूजा करके देश के दक्षिणी हिस्सों में रामायण से संबंध वाले मंदिरों की अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूरी की. मोदी रविवार को अरिचल मुनाई पहुंचे और उन्होंने समुद्र तट पर पुष्प अर्पित किए. मोदी ने वहां प्राणायाम भी किया.

उन्होंने समुद्र का जल हाथों में लेकर प्रार्थना की और अर्घ्य दिया. प्रधानमंत्री ने वहां बने राष्ट्रीय प्रतीक स्तंभ पर भी पुष्पांजलि अर्पित की. रामायण से जुड़े मंदिरों का उनका दौरा सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले संपन्न हुआ है. मोदी ने श्री कोठंडारामस्वामी मंदिर में पूजा की, जो धनुषकोडी और अरिचल मुनाई की ओर जाने वाले रास्ते पर है, जहां से श्रीलंका कुछ ही दूरी पर है. तमिल में कोठंडारामस्वामी भगवान राम को धनुष और बाण से दर्शाते हैं. मोदी ने रात्रि प्रवास रामेश्वरम में किया था और इसके बाद वह अरिचल मुनाई गए. कहा जाता है कि अरिचल मुनाई वह स्थान है, जहां राम सेतु का निर्माण हुआ था. राम सेतु को एडम ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है. इस सप्ताह की शुरुआत में, मोदी ने आंध्र प्रदेश और केरल के उन मंदिरों में भी प्रार्थना की, जिनका रामायण से संबंध है. उन्होंने शनिवार को श्रीरंगम और रामेश्वरम में क्रमशः श्री रंगनाथस्वामी और अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिरों में पूजा अर्चना भी की थी.

खास बातें

- पवित्र कलश लेकर आज अयोध्या आयेंगे पीएम
- मोदी की मंदिरों की यात्रा पूरी, आज करेंगे बड़ा यज्ञ

राजनीति बिहार में लोकसभा सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में तनातनी बरकरार

होने जा रहा 'गेम', नीतीश के लिए भाजपा ने खोली खिड़की

विशेष संवाददाता। पटना

बिहार में भले ही कड़ाके की ठंड पड़ रही हो, लेकिन सियासी हलचल से राजनीतिक पारा गर्म है. कल तक जो भाजपा के नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आक्रामक तरीके से निशाने पर ले रहे थे, वे अब नरम पड़ गए हैं. जदयू भी बीजेपी नेताओं के विरोध में उठाए हथियार को फिलहाल टांग चुकी है.

प्रदेश की सियासत में इसकी चर्चा खूब हो रही है कि नीतीश कुमार की भाजपा के साथ नजदीकियां बढ़ गई हैं. वैसे, इस मामले को लेकर भाजपा और जदयू की तरफ से कोई भी नेता खुल कर बयान नहीं दे रहा. सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों में तनातनी बनी हुई है. जदयू जहां जल्द सीट बंटवारे को लेकर गठबंधन पर दबाव बनाए हुए हैं, वहीं राजद इसे जल्दबाजी बता कर सीट बंटवारे की बात को टाल रही है. ऐसी स्थिति में प्रदेश की सियासत में इस बात की चर्चा ने जोर पकड़ ली है कि नीतीश फिर से एनडीए में जाएंगे. अगर ऐसा होता है तो बिहार का राजनीतिक परिदृश्य बदलना तय है.

शाह के बयान से उठे सवाल

दरअसल, इस चर्चा के गर्म होने के कारण भी हैं. जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान आए कि प्रस्ताव आएगा तो पार्टी विचार करेगी, उससे दोनों दलों के सुर बदलते दिखे. इस बयान को लेकर कहा जाने लगा कि भाजपा ने दरवाजे तो नहीं लेकिन नीतीश के लिए रोशनदान जरूर खोल दिए हैं. एनडीए के घटक दलों को भी इससे परहेज नहीं दिख रहा है. सभी इसे लेकर तैयार हैं. बिहार के भाजपा नेता भी अब नीतीश को लेकर नरम रुख अपना रहे हैं. वहीं जदयू भी इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करने की जल्दी में नहीं है.

भाजपा-जदयू के नरम रुख

गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर जदयू ने भी भाजपा के अंदाज में ही जवाब दिया है. जदयू के नेता अशोक चौधरी ने तो यहां तक कह दिया कि अमित शाह ने कभी ऐसा बयान नहीं दिया है कि नीतीश के लिए दरवाजे बंद हैं. ऐसे में तय दिख रहा है कि जदयू के व्यवहार में भी नरमी आई है. इन बयानों को देख कर साफ है कि दोनों पुराने मित्रों में आपसी सामंजस्य बढ़ रहा है. लेकिन अमित शाह ने ही अपने बिहार दौरे के क्रम में सार्वजनिक मंच से कहा था कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं. इसके बाद भाजपा के स्थानीय नेता भी नीतीश पर आक्रामक बयान दे रहे थे.

नीतीश, भाजपा के लिए जरूरी हैं या मजबूरी

जदयू भी मान कर चल रही है कि अगर पार्टी के फिर से एनडीए के साथ जाने की बात सियासी हलकों में रहेगी, तो इंडिया में सीट शेयरिंग में फायदा हो सकता है. इस दौरान गौर करने वाली बात है कि पीएम का बिहार दौरा भी टाला गया है. नीतीश, जो झारखंड से जनसभा करने वाले थे, उसकी भी तारीख बढ़ाई गई है. बहरहाल, राजनीति संभावनाओं के आधार पर होती है. इतना कह सकते हैं कि नीतीश भाजपा के लिए जरूरी हैं या मजबूरी, यह जल्द ही साफ हो जाएगा.

ब्रीफ खबरें

निबंध प्रतियोगिता का होगा आयोजन

बालूमाथ (लातेहार)। मंतशा मोर्टस, बालूमाथ के तत्वावधान में सड़क दुर्घटनायें: कारण एवं बचाव विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. इस आशय की जानकारी मंतशा मोर्टरस के निदेशक जुनैद अनवर ने दी. उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता जिले के सभी उच्च विद्यालय एवं प्लस टू विद्यालयों में आयोजित की जा रही है. विजेताओं को गणतंत्र दिवस के मौके पर पुरस्कृत किया जायेगा. सभी उच्च विद्यालयों मे उक्त विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वालों की सूची उनके निबंध कॉपी के साथ मंतशा मोर्टस को उपलब्ध कराने की अपील की है.

चंद्रवंशी समाज ने की महिला शिक्षा पर बल देने की अपील

चंदवा। शहर के जिला परिषद दुकान कांप्लेक्स के प्रांगण में चंद्रवंशी समाज की बैठक आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता रामू चंद्रवंशी ने की. उन्होंने समाज को नशे से दूर रहने और महिलाओं की शिक्षा पर विशेष बल देने की बात कही. कहा कि शिक्षित समाज से ही विकास संभव है. मौके पर प्रह्लाद चंद्रवंशी, रामेश्वर राम, दिनेश राम,किशोर राम चंद्रवंशी, रामप्रवेश सिंह चंद्रवंशी, छठन राम चंद्रवंशी,सुबोध राम चंद्रवंशी मोहित कुमार वर्मा, विनय वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे.

महुआडांड़ में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

महुआडांड़ (लातेहार)। अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को ले कर महुआडांड़ में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया. थाना प्रभारी अशुतोष यादव ने इसका नेतृत्व किया. इस दौरान पुलिस ने लोगों से प्रखंड क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की. फ्लैग मार्च थाना परिसर से प्रारंभ हो कर शास्त्री चौक, बिरसा चौक, रामपुर होते हुए वापस थाना परिसर पहुंची. इस दौरान पुअनि अजय कुमार दास, रोशन कुमार, कमर आलम एवं काफी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद थे.

रास सांसद प्रतिनिधि ने कंबल का वितरण किया

चंदवा (लातेहार)। राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि असगर खान ने राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहु के द्वारा उपलब्ध कराये गये कंबलों का वितरण शुक्रवार बजारटांड़ में असहाय व जरुरतमंद गरीबों के बीच किया. सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि सांसद धीरज प्रसाद साहू गरीब असहाय का ख्याल हमेशा रखते हैं. उन्हें समाज के वंचित वर्ग की चिंता रहती है. कंबल पाकर लोगों ने सांसद को धन्यवाद दिया. कंबल पाने वालों में शकूर मियां, सहनाज बीबी, सहिदा बीबी, जरीना बीबी, मोहम्मद इस्लाम, मुमताज खान, मोहम्मद सद्दाम, जबीना बीबी समेत कई लोग शामिल हैं.

शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का किया गया आयोजन

रंका (गढ़वा)। अनुमंडल मुख्यालय के सबसे पुराने प्राइवेट विद्यालय आदर्श बाल विकास विद्यालय के प्रांगण में विद्यालय के निर्देशक रामचंद्र प्रजापति के देखरेख में शिक्षक अभिभावक गोष्ठी हुई. विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रंजीत कु. चौरसिया की देखरेख में पांच सूत्री मांग को लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक रखी गई थी जिसमें बच्चों के शैक्षणिक कार्य में माता-पिता की भूमिका, विद्यालय के मासिक शुल्क की अदायगी के नियम, नामांकन प्रक्रिया की स्थिति व विद्यालय के नियमों का पालन सहित अन्य पर विचार-विमर्श किए गए.

संग्रहे खुर्द व तिलदाग पंचायत में सांसद ने किया विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्घाटन

गढ़वा को विकास के पथ पर आगे ले जाना है : वीडी राम

संवाददाता। गढ़वा

पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने गढ़वा जिला के ग्राम पंचायत संग्रहे खुर्द एवं तिलदाग पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम का उद्घाटन किया. उक्त कार्यक्रम में स्वास्थ्य शिविर एवं आयुष्मान कार्ड बनाने सहित अन्य योजनाओं का स्टॉल लगाया गया था. इस दौरान सांसद ने संग्रहे पंचायत में जेएसएलपीएस के सखी मंडलों के बीच 21 लाख एवं तिलदाग पंचायत में 23 लाख (कुल 44 लाख रुपए) का चेक प्रदान एवं किसानों के बीच सॉयल हेल्थ कार्ड वितरण किया.

ज्ञात हो कि केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाएं यथा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, किसान सम्मान निधि योजना, केसीसी, पोषण अभियान, जनधन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना इत्यादि योजनाओं की समुचित जानकारी जनता को दी जा रही है. इसका मुख्य उद्देश्य समाज के आखिरी व्यक्ति तक योजनाओं की जानकारी को पहुंचाना और उनके बीच केन्द्र सरकार की योजनाओं को लेकर प्रचार-प्रसार के माध्यम से जागरूकता पैदा करना तथा उन्हें उपरोक्त सभी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करना है. मौके पर भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, ओमकार तिवारी, अंजनी तिवारी, अलख दुबे, मुकेश चौबे, मुरली श्याम तिवारी, राम सरिख चन्द्रा, राम उदार पाण्डेय, मिथलेश तिवारी, शिवनारायण चंद्रा, कामेश्वर सिंह, बीडीओ कुमार नरेंद्र, तिलदाग पंचायत मुखिया अनीता देवी, संग्रहे खुर्द उप मुखिया विजय विश्वकर्मा, पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मण पासवान, सीताराम चौधरी आदि लोग उपस्थित थे.

शहर की मुख्य सड़क बजरंगी झंडों और राम की चुनरियों से पट गये हैं

राममय हुआ लातेहार, आज मनेगा दीपोत्सव, निकलेगी शोभायात्रा

आशीष टैगोर। लातेहार

लातेहार में सोमवार को दीपोत्सव मनेगा. कहीं शोभा यात्रा निकलेगी तो कहीं भंडारे का आयोजन होगा. अयोध्या के श्रीरामजन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूरा लातेहार राममय हो गया है. शहर की मुख्य सड़क बजरंगी झंडों और राम की चुनरियों से पट गये है. सड़कों के ऊपर रामध्वजा की लड़ियां लगायी गयी है. पूरा शहर गेरूआ ध्वजा रंग से पट गया है. शहर के विभिन्न मंदिर व देवालयों ने अपने-अपने ढंग से तैयारी की है.

महारामनवमी समिति निकालेगी शोभायात्रा: 22 जनवरी को श्रीरामनवमी पूजा महासमिति, लातेहार की ओर से अपराह्न एक बजे से बाजारटांड़ से एक शोभा यात्रा निकाली जायेगी. शोभा यात्रा प्रखंड कार्यालय परिसर तक जायेगी और इसके बाद पुनः बाजारटांड़ पहुंचेगी. यहां लौटने के बाद महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा. महासमिति के अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार ने इस शोभा यात्रा में भाग लेने की अपील की. आयोजन की सफलता के लिए त्रिभुवन पांडेय, सुदामा प्रसाद गुप्ता, विशाल भास्कर, राजन तिवारी, श्याम अग्रवाल, मनीष पाठक, दीपक विश्वकर्मा, गौरव महलका, विशाल विश्वकर्मा, कौशल किशोर राज, रविंद्र प्रजापति व पिंटू कुमार आदि सक्रिय हैं.

राधाकृष्ण मंदिर में होगा सुंदर कांड व भंडारा

शहर के मेन रोड के राधाकृष्ण मंदिर, ठाकुरबाड़ी में 22 जनवरी को प्रातः नौ बजे से सुंदर कांड पाठ किया जायेगा. अपराह्न एक से पांच बजे तक भंडारा और रात्रि में सात बजे से मंदिर परिसर में बाहर से आये कलाकारों के द्वारा जागरण का किया जायेगा .मंदिर समिति के संरक्षक राजेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि मंदिर में चार दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. 19 जनवरी से मंदिर में अखंड कीर्तन किया गया. 20 जनवरी को अखंड कीर्तन के समापन के बाद भंडारा किया गया. जबकि रात्रि में शोभा यात्रा निकाली गयी. इसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया. आयोजन को सफल बनाने में पवन कुमार गुप्ता, रवि कुमार गुप्ता, रंजन प्रसाद, अरविंद कुमार, विजय प्रसाद, अशोक कुमार, रामरेश कुमार, ब्रजेश अग्रवाल व आंनद कुमार आदि सक्रिय हैं.

वैष्णव दुर्गा मंदिर में होगा भजन कीर्तन

22 जनवरी को शहर के श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर में भी कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा. मंदिर समिति के सचिव आशीष टैगोर ने बताया कि पूर्वाह्न 11 से 12 बजे तक भजन व कीर्तन का आयोजन किया जायेगा. मंदिर समिति के संरक्षक विनोद कुमार साहु, अभिनंदन प्रसाद, अध्यक्ष राजेश प्रसाद गुप्ता, सह सचिव रंजीत कुमार व रवींद्र प्रजापति, कोषाध्यक्ष राजू रंजन सिंह, आकाश कुमार आदि ने इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है.

पंचमुखी मंदिर में भी होगा कार्यक्रम

शहर के स्टेशन रोड में राजहार के पंचमुखी मंदिर में भी आगामी 22 जनवरी को विशेष पूजा का आयोजन किया जायेगा. पूजा के बाद लोगों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा. आयोजन की सफलता के लिए अध्यक्ष चंद्रेश्वर प्रसाद, संरक्षक गोविंद प्रसाद, मुरारी प्रसाद, कोषाध्यक्ष रामदेव प्रसाद, शंकर प्रसाद, नारायण प्रसाद, वीरेंद्र प्रसाद, विश्वजीत प्रसाद, सुनील कुमार, अमित राम व ओमप्रकाश समेत कई लोग सक्रिय हैं.

23 को केवी में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

गढ़वा। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार व केंद्रीय विद्यालय संगठन के निर्देशानुसार केंद्रीय विद्यालय गढ़वा में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के तहत 23 जनवरी को जिला स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी. इस प्रतियोगिता में गढ़वा जिला के कुल 10 विद्यालयों के 100 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे.जानकारी देते हुए केंद्रीय विद्यालय का प्राचार्य प्रवीण कुमार माथुर ने बताया 100 प्रतिभागियों में से पांच उत्कृष्ट पेंटिंग को पुरस्कृत किया जाएगा. यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के मनोबल को मजबूत करने के दिशाक्रम में एक सराहनीय पहल है. इस प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय सहित जवाहर नवोदय विद्यालय, रामा साहू आर्यवैदिक उच्च विद्यालय, गोविंद उच्च विद्यालय, आरके पब्लिक स्कूल, बीपी डीएवी पब्लिक स्कूल, बीएनटी संत मैरी पब्लिक स्कूल, बीडीकेडी पब्लिक स्कूल, साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल आदि विद्यालयों के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे.

ओबीसी एकता और अधिकार जागरूकता रथ पहुंचा भवनाथपुर

भवनाथपुर। ओबीसी एकता व अधिकार जागरूकता रथ रविवार को भवनाथपुर पहुंचा. इस दौरान भवनाथपुर कर्पूरी चौक एवं बाजार के समीप नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया. मौके पर प्रमंडलीय संयोजक सदस्य गोरख नाथ चौधरी ने कहा कि ओबीसी मोर्चा रथ का उद्देश्य आजादी से लेकर आज तक सत्तासीन लोग जो ओबीसी का हक और अधिकार को दबा कर बैठे हैं, वो लोग आरक्षण के नाम पर ओबीसी समाज का हत्या किया है. जब तक हक ओबीसी को हक अधिकार नहीं मिलेगा तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी. साथ ही आगामी 11 फरवरी को शिवाजी मैदान पलामू चलने का आग्रह किया.

सीओ की अगुवाई में हुसैनाबाद में पुलिस जवानों ने किया फ्लैग मार्च

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह है. इसको लेकर देशभर में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है. पलामू के हुसैनाबाद में भी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा. हुसैनाबाद के सीओ धनंजय गुप्ता, बीडीओ रौशन कुमार व थाना प्रभारी समीर तिर्की के नेतृत्व में पुलिस जवानों ने फ्लैग मार्च किया, जो हुसैनाबाद थाना परिसर से शुरू होकर अंबेडकर चौक, गांधी चौक, मकबरा रोड़, लंबी गली, मधुशाला रोड, जपला-हैदरनगर रोड होते हुए थाना परिसर में संपन्न हुआ.

हर क्षेत्र और सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर

सीओ धनजय गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर यहां भी पुलिस प्रशासन मुस्तैद है. उन्होंने बताया कि हर क्षेत्र पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर है. कहा कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर फ्लैग मार्च निकाला गया है. ताकि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे. थाना समीर तिर्की ने कहा कि पुलिस चप्पे-चप्पे पर नजर रख रही है.

8वीं, 10वीं व 12वीं के छात्र-छात्राओं को दी गयी विदाई

गढ़वा। जिले के बिशुनपुरा अपर बाजार स्थित विद्या भारती हाई स्कूल के प्रांगण में संचालित प्रज्ञा प्रगति मार्गदर्शन कोचिंग सेन्टर में रविवार के दिन 8वीं,10वीं एवं 12वीं के छात्र- छात्राओं को विदाई समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक दयानंद प्रसाद यादव विशिष्ट अतिथि विश्व हिन्दू परिषद् के प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, विधायक प्रतिनिधि कृष्णा विश्वकर्मा उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. कार्यक्रम के दौरान आठवीं, दसवीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये. जिसमें अर्चना, सुप्रिया के द्वारा स्वागत गान मन की बिना से गुंजीत से प्रारंभ की गई. तथा सरस्वती वंदना सोनम, काजल, खुशी, रिमझिम के द्वारा प्रस्तुत किया गया. मौके पर प्रीति, सोनाली व साथी के द्वारा देश रंगीला-रंगीला व अमीषा के द्वारा तेरी चुनरिया दिल ले गई और सोनाली और सुप्रिया द्वारा सवा रुपया लूंगी, दही तभी दूंगी जैसे मनमोहक गानों पर बच्चों ने डांस प्रस्तुत किया.

चंदवा थाना परिसर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

संवाददाता। चंदवा

चंदवा थाना परिसर में थाना प्रभारी शुभम कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई. बैठक में सीओ जयशंकर पाठक मुख्य रूप से मौजूद रहे. थाना प्रभारी ने चंदवा वासियों से सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस के तहत दो दिवसीय आनंदोत्सव कार्यक्रम मनाने की अपील की. साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर किसी प्रकार का भ्रामक प्रचार न करने को कहा है. शुभम कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर है. किसी प्रकार का धार्मिक टिप्पणी करने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी. सीओ जयशंकर पाठक ने लोगों से आपसी भाईचारा कायम रखने की बात कही.

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था संधारण के लिए शनिवार शाम पुलिस प्रशासन ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला. फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस ने शांति व्यवस्था को भंग करने वालों से सख्ती से निपटने का संदेश दिया. फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकल कर पूरे शहर का चक्कर लगाते हुए पुनः थाना परिसर पहुंचकर समाप्त हुई. फ्लैग मार्च में थाना प्रभारी शुभम कुमार, सीओ जयशंकर पाठक समेत बड़ी संख्या पुलिस बल के जवान शामिल हुए.

श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गयी भव्य शोभायात्रा

पाटन (पलामू)। पाटन प्रखंड के नावाजयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले विभिन्न पंचायतों से श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी. इस शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में महिला व पुरूष श्रद्धालु शामिल हुए. भक्तों ने गाजे-बाजे के साथ जय श्री राम के नारे लगाते हुए पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया. शोभा यात्रा का समापन घोरी घाट मंदिर प्रांगण में हुई. इस दौरान प्रसाद वितरण भी किया गया. नावाखास पंचयात में निकाली गयी शोभा यात्रा में मुखिया मनोज कुमार ,पंचकेडिया पंचयात के मुखिया प्रतिनिधि भारत मांझी, पिंकी विश्वकर्मा, प्रागस्त तिवारी, जगदीश पांडेय, ब्रजेश कुमार, विनोद पांडेय, संजय पांडेय, नेपाल प्रासाद, सुभाष प्रसाद, समेत कई भक्तजन मौजूद रहे.

तैयारी अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन

22 फरवरी को ऐतिहासिक होगा अखिल वैश्य महासम्मेलन: प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता। लातेहार

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने बताया कि आगामी 22 फरवरी को रांची में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन का आयोजन किया जायेगा. यह सम्मेलन ऐतिहासिक होगा और राज्य में वैश्य समाज की नयी दिशा व दशा तय करेगा. श्री गुप्ता रविवार को स्थानीय माको डाक बंगला में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की बैठक को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद साहू ने की. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उक्त सम्मेलन के लिए जिले के हर प्रखंड व गांवों में जनसंपर्क किया जायेगा और लोगों को महासम्मेलन में भाग लेने की अपील की जायेगा. उन्होने कि राष्ट्र निर्माण में वैश्य समाज का अहम योगदान है. लेकिन आज भी वैश्य समाज को उपेक्षित किया जाता है. वर्तमान सरकार की गलत नीतियों के कारण वैश्य समाज को उसका हक व अधिकार नहीं मिल पा रहा है. प्रदेश में वैश्य समाज के लोग सुरक्षित नहीं है. वैश्य समाज को एकजुट होने का समय आ गया है. जिला अध्यक्ष ने कहा कि लातेहार पांच हजार वैश्य समुदाय के लोग सम्मेलन में भाग लेगें. बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री महेंद्र प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल, पलामू युवा अध्यक्ष शुभम प्रसाद, गोविंद प्रसाद, दिनेश प्रसाद, बृज मोहन कुमार गुप्ता, राजकिशोर प्रसाद गुप्ता, संतोष ठाकुर, नागेंद्र प्रसाद, रामू कुमार गुप्ता व सोनू कुमार समेत कई लोग मौजूद थे.

खास बातें

- गांव से शहर तक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय
- लातेहार से पांच हजार लोग सम्मेलन में भाग लेंगे

न्यूज अपडेट

नया जयपुर थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया

पाटन (पलामू)। पाटन पाटन प्रखंड के नया जयपुर थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया. जिसमें पाटन के अंचलाधिकारी दीपक मिश्रा थाना प्रभारी नया जयपुर संजय कुमार रजक एस आई, विजय कुमार, एसआई मुकेश कुमार, एसआई ,एसडी राम समेत पुलिसकर्मी मौजूद थे. फ्लैग मार्च नया जयपुर थाना क्षेत्र के ना वा जयपुर, से ना वा खास, महुलिया, अलखडीहा ,जयपुर, अखरा चौक होते हुए घोरी घाट तक मार्च किए गए. अंचलाधिकारी दीपक मिश्रा ने बताया कि अयोध्या जी में श्री राम लाल के प्राण प्रतिष्ठा हेतु शांति व्यवस्था स्थापित हेतु फ्लैग मार्च निकाला गया.

श्री राम के आगमन को उत्सव की तरह मनाएं : आलोक

मेदिनीनगर। अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाह्न पर 14 जनवरी से 22 जनवरी तक देशभर के मंदिरों में तीर्थ स्वच्छता अभियान के तहत साफ-सफाई की जा रही है. इसके तहत डाल्टनगंज-भंडारिया विधायक आलोक चौरसिया ने अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मंदिरों का भ्रमण किया. साथ ही भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मंदिर की साफ सफाई की. विधायक ने जममानस से भगवान राम के आगमन को लेकर अपने-अपने घरों पर भगवा झंडा लगाने और पास के मंदिरों में जाकर एक-एक दीप जलाने की अपील की है.

हिंडालको ने असहायों के बीच किया कंबल का वितरण

मेदिनीनगर। हिन्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस की सीएसआर टीम द्वारा खनन क्षेत्र के परिधि में आने वाले गांवों के गरीब असहायों के बीच कंबल का वितरण किया गया. सीएसआर हेड शोभा रानी मोहंती ने बताया कि हाल के दिनों में पलामू में कड़ाके की ठंड पड़ रही है. ठंड को देखते हुए कंपनी द्वारा गांव के गरीब असहायों के बीच करीब 500 कंबल का वितरण किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि कंपनी द्वारा प्रत्येक वर्ष ठंड के मौसम में कंबल वितरण करती है. सीएसआर हेड शोभा रानी मोहंती ने कहा कि कंपनी अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को सजग व संवेदनशील होकर निभाती है.

परंपरा व रीति रिवाजों को छोड़ दिया तो आदिवासी नहीं: कमलेश

लातेहार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमलेश उरांव ने कहा कि जिन आदिवासियों ने अपनी परंपरा, संस्कृतिक व रीतिरिवाजों को छोड़ दिया है, वे आदिवासी नहीं है. कमलेश उरांव ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि आगामी चार फरवरी को रांची के मोहराबादी मैदान पूर्व मंत्री बंधु उरांव के द्वारा आदिवासी एकता महारैली बुलायी गयी है.उरांव ने कहा कि यह मूलतः ईसाई समुदाय की महारैली है. यह मुख्य रूप से डिलिस्टिंग के खिलाफ है. बंधु तिर्की ईसाइयों को आगे कर ईसाई समुदाय को डिलिस्टिंग से बचाना एवं मूल आदिवासी समाज को बेवकूफ बनाना चाहते हैं.

महुआडांड़ थाना में हुई शांति समिति की बैठक

महुआडांड़। थाना परिसर में डीएसपी धर्मदेव पासवान और सीओ संतोष कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई. बैठक में बताया गया कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर प्रखंड क्षेत्र में कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. इसमें विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर अधिकारियों ने कई दिशा निर्देश दिये गये. डीएसपी ने बताया कि पूरे क्षेत्र में ड्रोन कैमरा से निगरानी रखी जायेगी. जिला परिषद सदस्य स्तेला नगेसिया ने लोगों से 22 जनवरी को मांस व शराब ना बेचने की अपील की.

विधायक ने राधाकृष्ण मंदिर में किया भंडारे का शुभारंभ

लातेहार। स्थानीय विधायक बैद्यनाथ राम ने रविवार को शहर के चट्टी मुहल्ला स्थित राधाकृष्ण मंदिर में आयोजित भंडारा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया. उन्होंने प्रसाद वितरण कर भंडारा का शुभारंभ किया. इससे पहले विधायक ने राधाकृष्ण मंदिर में दर्शन किया और क्षेत्र की सुख शांति के लिए कामना की. इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज पूरा देश राममय हो गया है. . उन्होंने कहा कि यह आस्था से जुड़ा है और इसमें किसी विद्वेश की कोई जगह नहीं है. मौके पर शहर मे आयोजित सभी कार्यक्रमों को सरकारी गाइड लाइन के अनुसार मनाने की अपील की.

बालूमाथ के युवक की रांची में इलाज के दौरान मौत

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ के गणेशपुर ग्राम का एक युवक अमन कुमार वर्मा की मौत रांची में इलाज के दौरान हो गयी. जानकारी के अनुसार हरिहर वर्मा का पुत्र अमन रांची में उषा मार्टिन यूनिवर्सिटी में डी फार्मा की पढ़ाई कर रहा था. गत 15 जनवरी को वह अचानक लापता हो गया. इसकी सूचना थाना को दी गयी. इसके बाद उसे रांची के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया. चार दिनों तक मौत से जूझने के बाद उसकी मौत हो गयी.

उप प्रमुख ने 2000 घरों में सरसों का तेल वितरण किया

गढ़वा। जिले के रंका अनुमंडल मुख्यालय में 2000 घरों के लिए 2000 सरसों के तेल का बोतल का वितरित रंका प्रखंड के उप प्रमुख ने कराया. इस क्रम में जानकारी देते हुए बाल श्रम आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि भारतवर्ष के लिए एक अद्भुत और अनोखी कार्यक्रम किया जा रहा है .इस कार्य में बबलू कुमार, कमलेश कुमार विनोद कुमार रंजन पांडेय, अमित कुमार चप्पू कुमार उर्फ रवि कुमार चंद्रवंशी ,शत्रुघ्न चंद्रवंशी नुज सिंह, मदन खान उर्फ शेर अली खान ,गोलू सिंह, हर्ष सिंह, वीरेन्द्र माली, सोना लालतिवारी व सहयोगी शामिल हैं.

जिला जज ने सपरिवार किया मां चतुर्भुजी के दर्शन

केतार। प्रखंड के सुप्रसिद्ध मंदिर श्री मां चतुर्भुजी शक्तिपीठ व श्री सूर्य नारायण मंदिर मुकुंदपुर में जिला जज मनोज कुमार त्रिपाठी सपरिवार दर्शन करने पहुंचे. उन्होंने श्री मां चतुर्भुजी के दर्शन करने के उपरांत सुप्रसिद्ध श्री सूर्य मंदिर मुकुंदपुर में पूजा अर्चना किया. पूजा अर्चना करने के बाद मंदिर विकास समिति के लोगों ने जिला जज को भगवान सूर्य की फोटो देकर सम्मानित किया. मौके पर जिला जज मनोज कुमार त्रिपाठी ने कहा कि ऐसा दिव्य स्थल पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है. तीन ओर से पहाड़ी वादियों से घिरा स्थल जो मनोरम दृश्य बिखेरती है. मीडिया के माध्यम से इस दिव्य स्थल के बारे में पहले सुना था.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | सोमवार, 22 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 275 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

बजाओ ढोल स्वागत में... मेरे घर राम आए हैं

पूरा झारखंड राममय, आस्था में डूबे भक्त, गांव कस्बे से लेकर शहर में उत्साह, उमंग और भक्ति का माहौल

रवि भारती। रांची

पूरा झारखंड राममय हो चुका है. प्रभु श्री राम की आस्था में भक्त डूब चुके हैं. क्योंकि बरसों बाद रामलला अपने अयोध्या विराज रहे हैं. सभी भक्तों के मुख से एक ही बात निकल रही है... मेरी चौखट पे चल के आज, चारों धाम आए हैं, बजाओ ढोल स्वागत में, मेरे घर राम आए है... हर घर, मंदिर, शहर, गांव, कस्बे में प्रभुश्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह, उमंग और भक्ति का माहौल है. एक स्वर में भक्त कह रहे हैं कि राम नाम की महिमा अनंत है. राजधानी रांची में सामाजिक और धार्मिक संगठन इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे. कहीं अमृत कलश यात्रा, तो कहीं शोभा यात्रा सबों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है. राम के प्रति अपनी आस्था को भी दर्शा रही है. गंगा जमुनी तहजीब की भी झलक दिखाई दे रही है.

घर-घर दीपोत्सव भी तैयारी

22 जनवरी को घर-घर दीपोत्सव की भी तैयारी पूरी कर ली गई है. आशा सेवा भारती और नारी शक्ति संगठन की महिलाएं अपने-अपने इलाके में घर-घर दीपोत्सव को सफल बनाने में जुटी हुई हैं. संगठन की आशा भारती ने बताया कि इसकी तैयारी पिछले एक महीने से की जा रही है. प्रभु श्रीराम के स्वागत में प्रत्येक मोहल्ले के घर में 11, 21 और 51 दीये जलाये जाएंगे. 22 जनवरी को घर के आंगन में दीपोत्सव मनाया जाएगा. राजधानी में मिट्टी के दीयों की मांग काफी बढ़ गई है. 60 पैसे में मिलने वाला छोटा सा दीया अब एक रुपये 20 पैसे पर बिक रहा है.

शोभा यात्रा का सिलसिला भी जारी : पूरे राज्य में प्रभु श्री राम के प्रति आस्था को लेकर शोभा यात्रा निकाली जा रही है. रविवार को सनातन महापंचायत द्वारा पिस्का मोड़ विश्वनाथ मंदिर हजारों की संख्या में शोभायात्रा निकल गई. पिस्का मोड़ विश्वनाथ मंदिर से हजारों की संख्या में सनातनी राम भक्त राम पताका लेकर श्री प्रभु श्री राम का जय घोष किया.

प्राइवेट कैंटीन, अलग चूल्हा व घर से खाना पहुंचाना भी बंद

धनबाद जेल में वसूली रुकी, तो बिरयानी बंद

अमित सिन्हा। धनबाद

धनबाद जेल में इन दिनों प्रशासन का डंडा खूब बोल रहा है. बिरयानी और लजीज व्यंजन खाकर जेल की कैद गुजारने वालों को अब वाकई सरकारी खाने का स्वाद मिल रहा है. बिरयानी बंद है और चना-गुड़ से पेट पूजा हो रही है. ऐसे में धनबाद जेल के कैदी किस्मत को कोस रहे हैं, लेकिन करें भी क्या करें, खुद ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है. वर्ना पैसे के दम पर धनबाद जेल में क्या सुविधा नहीं थी.

जी हां, कभी धनबाद जेल में सुविधाओं का अंबार था. सिर्फ रुपये गिराने की देर, बाहरी दुनिया के कई सुख सुविधाएं जेल के अंदर भी उपलब्ध थे. इसी बीच कैदियों ने जेल में बंद यूपी के शूटर अमन सिंह को गोलियों से छलनी कर दिया. फिर जेल के अंदर की तमाम बातें बाहर आ गई. ढेर सारे खुलासे हुए लेकिन फिर प्रशासन ने कड़ाई बरतनी शुरू की. अब जेल के अंदर प्राइवेट कैंटीन बंद की जा चुकी हैं. इस प्राइवेट कैंटीन में सुबह का नाश्ता, चाय-पान और खाना सबकुछ उपलब्ध था. पैसे देकर जेल के बजाय यहीं खाना पसंद करते थे. अब ये सुविधा बंद की जा चुकी है. इसके अलावा खास कैदियों के लिए जेल के अंदर अलग खाना बनाने का रिवाज था, यानी बाहर से अनाज, चिकन, मटन आदि सामान मंगवा कर अपने पसंद का खाना बनवाते और खाते थे. दर्जनों चूल्हे जलते थे और उनमें मटन, मुर्गा, बिरयानी आदि पका करते थे. अब ये भी सुविधा खत्म हो गई. पहले घर से भी त्योहार या खास मौकों पर खाना जेल के अंदर जाने दिया जाता था, वो भी अब पूरी तरह से बंद है. कुछ कैदी तो ऐसे थे, जिनका प्रतिदिन खाना घर से ही जाता था. ऐसे में अब सारे कैदियों के लिए एक ही तरह का खाना, जो जेल प्रबंधन की तरफ से दिया जाता है, वही खाना सबको उपलब्ध है और कैदी उसी से पेट भर रहे हैं.इसके अलावा घंटे के दर पर मोबाइल से घरों में बात करने और वीडियो कॉलिंग तक की सुविधा भी फिलहाल बंद है. यहां तक की एक वार्ड से दूसरे वार्ड में जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है. समय से वार्ड से बाहर निकलना और समय पर वार्ड में प्रवेश करना पड़ रहा है. जेल में मुलाकातियों के लिए सप्ताह में सिर्फ एक दिन ही मौका दिया जा रहा है. ऐसे हालात में कैदी बोल रहे हैं कि वाकई अब धनबाद मंडल कारा में कैदी जेल में हैं.

जेल के सारे वीआइपी भी ले रहे सरकारी खाने का स्वाद

खास बातें

- पहले पैसे के दम पर जेल में मिल जाती थी सारी सुविधा
- जेल के अंदर चलनेवाली प्राइवेट कैंटीन भी हुई बंद

परसुडीह : कुत्ते के पिल्ले के विवाद में चाकूबाजी, 3 घायल

जमशेदपुर। जमशेदपुर के परसुडीह थाना अंतर्गत बारीगोड़ा में पिल्ले को लेकर शुरू हुए विवाद में चाकूबाजी की गई. इस घटना में एक पक्ष से अनिता गोंड, आदित्य गोंड और विरेंद्र गोंड घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से मनीष घायल हो गया. घटना के बाद अनिता और आदित्य को टीएमएच में भर्ती कराया गया जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. वहीं वीरेंद्र के बाएं हाथ की चार उंगली कट गई है. मामले को लेकर वीरेंद्र ने बताया कि वह अपने भाई, भाभी और भतीजे के साथ घर पर रहता है.

रविवार सुबह पड़ोस में रहने वाला मनीष अचानक धारदार हथियार लेकर घर में घुसा और भाभी पर हमला कर दिया. उसे बचाने के लिए भतिजा पहुंचा तो मनीष ने उसपर भी हमला कर दिया. मनीष ने मंकी कैप पहना हुआ था. इसी बीच मनीष ने उसपर भी हमला कर दिया जिससे उनकी चारों उंगलियां कट गई है. वहीं मनीष ने पुलिस को बताया कि उसने एक पिल्ला पाल रखा है जो रविवार सुबह पड़ोसी के घर चला गया था. वह पिल्ले को लेने पड़ोसी के घर गया तो पड़ोसियों ने उसपर हमला कर दिया. पड़ोसी द्वारा ही धारदार हथियार से हमला करने का प्रयास किया गया. बीच-बचाव करते हुए पड़ोसी के हाथ से धारदार छीना और उसपर वार कर दिया. फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से प्राथमिकी दर्ज की है.

कदैयां गांव की घटना, जमकर चले लाठी-डंडे, तलवार से हमला, तनाव

टुंडी में धार्मिक झंडा लगाने को लेकर दो पक्ष भिड़े पथराव, कई लोग घायल, 6 अस्पताल में भर्ती

गांव छावनी में तब्दील, डीसी-एसपी पहुंचे

संवाददाता। टुंडी

अयोध्या के राम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा से एक दिन पहले रविवार को धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र के कदैयां गांव में झंडा लगाने को लेकर दो पक्षों में तनाव हो गया. सुबह करीब 8 बजे गांव के लोग घरों, पोल व गलियों में झंडा लगा रहे थे, जिसका समुदाय विशेष के लोगों ने विरोध कर दिया. दोनों पक्षों में पहले गर्मागर्म बहस हुई इसके बाद मारपीट और पथराव शुरू हो गया. कई लोग घरों से लाठी-डंडा, तलवार आदि लेकर निकले और एक-दूसरे पर हमला कर दिया. इसमें कई लोग के घायल होने की सूचना है. एक पक्ष के घायल करीब छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

सूचना मिलते ही टुंडी सहित आसपास के थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला. धनबाद के डीसी वरुण रंजन, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, डीएसपी अमर कुमार पांडेय, ट्रैफिक डीएसपी राजेश कुमार समेत अन्य अधिकारी कदैया गांव पहुंचे और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया. तनाव को देखते हुए गांव में भारी संख्या में पुलिस बलों को तैनात कर दिया गया है. पुलिस के वरीय अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं.

मुखिया समेत दर्जनों के खिलाफ थाने में शिकायत

कदैयां गाव निवासी मित्रा हाजरा ने गांव के मुखिया अलीमुद्दीन सहित गांव के दर्जनों लोगों के खिलाफ टुंडी थाना में लिखित शिकायत दी है. थाने में दिए आवेदन में उन्होंने कहा है कि वे लोग गांव में झंडा लगा रहे थे, तभी मुखिया और उनके समर्थक घरों से निकले और विरोध करना शुरू कर दिया. झंडा को भी तोड़कर फेंक दिया गया. धर्म विशेष के समर्थन में नारा लगाते हुए उनलोगों ने घरों पर हमला कर दिया. हमले में मित्रा हाजरा, धीरेन, सुभाष. संजय, नुनूलाल, उषा देवी, अमित पंडित समेत अन्य लोग जख्मी हो गए. करीब आधा दर्जन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

हालात सामान्य और नियंत्रण में : डीएसपी मुख्यालय अमर कुमार पांडेय ने कहा कि टुंडी थाना क्षेत्र के कदैयां गांव में हुए विवाद के बाद स्थिति नियंत्रण में है. हालात सामान्य है. गांव में पुलिस कैंप कर रही है. इलाके में शांति व्यवस्था बनाएं रखने के लिए गांव के लोगों से अपील की गई है. माहौल बिगाड़ने की कोशिश करनेवालों को बख्शा नहीं जाएगा.

क्लर्क का घूस में मोबाइल मांगते आडियो वायरल

संवाददाता। कतरास

- सीओ कार्यालय में विधवा व वृद्धा पेंशन के लिए मांगी जा रही दो हजार रुपये की रिश्वत
- घूस नहीं देने पर महीनों लटका दिया जाता है आवेदन, लगाने पड़ते हैं चक्कर पे चक्कर

बाघमारा सीओ कार्यालय के क्लर्क अजय कुमार का आडियो इलाके में वायरल हो रहा है. ऑडियो में इलाके के पूर्व पार्षद विनायक गुप्ता के खास आदमी से रिश्वत में वो मोबाइल मांग रहे हैं. मोबाइल मांगने पर फोन करने वाला किडनी देने की बात कहता है, तो दूसरी तरफ से फिर दो हजार रुपए ही देने की बात कही जाती है.

बताते चलें कि शुभम संदेश ने बाघमारा अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार की पोल खोलने के लिए खबरों चलाई हैं. क्योंकि यहां बिना रिश्वत कोई भी काम नहीं होता. यहां तक कि विधवा और वृद्धा पेंशन जैसी योजनाओं के लाभुकों से भी दो हजार की उगाही हो रही. शनिवार को आधा दर्जन लाभुकों से बातचीत पर रिपोर्ट थी. रविवार को उसी शख्स का ऑडियो वायरल है. जिसमें फोन करने वाला कहता है कि मेरा काम कर दीजिए अजय बाबू, तो वो कहता है, कैसे मैनेज होगा, तब फोन करने वाला कहता है कि दो हजार दे देंगे, फिर दूसरी तरफ से कहा जाता है कि हमको मोबाइल लेना है, 5-6 हजार का मोबाइल दे दीजिए. तब फोन करने वाला कहता है कि मेरे पास दो किडनी हैं, एक आप ले लीजिए. ये सुन कर जवाब मिलता है कि तब छोड़ दीजिए, जो देना है दे दीजिए.

> मेरे पास वायरल आडियो की कोई जानकारी नहीं है, यदि ऐसी बात है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. उसे यहां से हटा दिया जाएगा.
> **-रवि भूषण, बाघमारा अंचलाधिकारी**

> हमनें एसा कभी नहीं कहा है. उस व्यक्ति से मेरा व्यक्तिगत संबंध है, हो सकता है कभी उसने मेरी बात रिकॉर्ड की हो, लेकिन हमने पैसा या मोबाइल फोन नहीं मांगा है.
> **-अजय कुमार,** क्लर्क

बाइक पेड़ से टकरायी दो की मौत, एक घायल

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के कोरांबे-कांड्रा मुख्य मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. यहां कांड्रा जंगल के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी.

इस हादसे में बाइक सवार युवक रवीन्द्र उरांव और सुनेश्वर उरांव की मौके पर ही मौत हो गयी. वहीं शशि उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसको लोहरदगा सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया. इसके बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया. सभी युवक गुमला जिले के सिसई थाना क्षेत्र स्थित लरंगो नवा टोली के रहने वाले हैं. घटना के संबंध में बताया जाता है कि रवींद्र, सुनेश्वर और शशि एक ही बाइक पर सवार होकर कांड्रा से कोरांबे की ओर जा रहे थे. तभी कांड्रा जंगल के पास बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी. इस हादसे में रवींद्र और सुनेश्वर की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि शशि उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल अवस्था में ही शशि उरांव ने वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति को हाथ देकर रोका. जिसके बाद उस शख्स ने तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा को फोन किया. साथ ही पुलिस को भी घटना की जानकारी दी.

कांड्रा स्टेशन पर जारी आमरण अनशन खत्म

संजीव मेहता । आदित्यपुर

कांड्रा में ट्रेनों के ठहराव को लेकर जारी आमरण अनशन देर रात डीआरएम ने समाप्त करा दिया. उन्होंने रेल ठहराव पर एक माह का समय मांगा, जबकि अन्य मांगों पर आदेश दिया है.

बता दें कि 23 दिसंबर को डीआरएम के नाम पत्र में प्रकाश राजू ने ट्रेनों के ठहराव को मुद्दा उठाया था. प्रकाश राजू एवं स्थानीय लोगों ने 20 जनवरी से आमरण अनशन शुरू किया. लेकिन आश्वासन के बाद आमरण अनशन पर बैठे राजू ने अनशन समाप्त कर दिया. प्रकाश राजू को कांड्रा थानेदार पास्कल टोप्पो एवं स्टेशन मास्टर एके पांडे ने जूस पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया. डीआरएम ने 15 सूत्री मांग पर विचार के बाद आश्वासन दिया कि मांग जल्द पूरी होगी. राजू को समर्थन देने जिप पिंकी मंडल, कांड्रा पंचायत की मुखिया शंकरी सिंह,कांड्रा पंचायत की उप मुखिया रीना मुखर्जी,समाजसेवी डॉ योगेंद्र प्रसाद महतो ,समाजसेवी राम महतो, समाजसेवी लालबाबू महतो, सोमा, प्रमाणिक, स्त्री सत्संग सभा गम्हरिया गुरुद्वारा से राजेंदर कौर, हरविंदर कौर सेक्रेटरी, प्रितपाल कौर, मंजीत कौर, बलजीत कौर,अमरजीत कौर,पर्विन्देत कौर,हरदीप कौर, बिमला कौर, बलदेव सिंह,हरदीप सिंह, सुखचरण सिंह, अनामिका सरकार, डॉक्टर जोगेंद्र प्रसाद महतो, गोपाल बर्मन, सूर्य प्रकाश, सुनील गुप्ता, राजा सिंह, नरेश कुमार सिंह, वैजयंती बारी, शोखेन हेंब्रम, रिजवान खान, सुमित्रा पांडा, करमु मंडल, संजय, महेश कालिंदी, विनोद सेन ने अनशनकारियों का समर्थन किया था.

ड्यूटी पर सख्त | माफिया और भ्रष्टाचारियों में समाया आईएएस अधिकारी का खौफ, मातहत भी सन्न

पलामू डीसी शशि रंजन... नायक फिल्म के हीरो से कम नहीं

संजीत यादव। पलामू

नायक फिल्म में हीरो अनिल कपूर का भौकाल तो आपने देखा होगा कि कैसे सरकारी सिस्टम को सुधारा था. ऐसा ही एक रियल हीरो पलामू में भी है, जो रियल लाइफ में सोशल मीडिया से लेकर पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है. हर कोई जानना चाहता है कि आखिर कौन है शशि रंजन, जो नायक फिल्म के हीरो की तरह काम कर रहे हैं और जनता के लिए किसी हीरो से कम नहीं हैं. तो आईए जानते हैं कि कौन हैं.

शशि रंजन 2014 बैच के आईएएस अफसर हैं. और मूल रूप से बिहार के रहनेवाले हैं. वह आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग किए हुए हैं. इससे पहले शशि रंजन जब खूंटी में उपायुक्त थे, तब उन्होंने छात्र-छात्राओं की पढ़ाई के लिए निःशुल्क कोचिंग की सुविधा कराई थी, जिस कारण उस गांव की 10 बेटियों ने जेइई मेन्स क्वालिफाई किया था.सभी बेटियों की माता -पिता और ग्रामीण शशि रंजन को भगवान से कम नहीं मानते हैं. कुछ महीने पहले सरकार ने खूंटी से आईएएस शशि रंजन का तबादला करते हुए पलामू का उपायुक्त बनाया है. उन्होंने जबसे पलामू जिले के उपायुक्त का पदभार संभाला है, तब से उनका खौफ माफिया और भ्रष्टाचारियों में साफ दिखाई दे रहा है. पलामू आते ही शशि रंजन कभी सुदूरवर्ती इलाके में पहुंच कर बच्चों को पढ़ा रहे हैं, तो कभी ग्रामीणों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट निपटारा कर रहे हैं. उपायुक्त शशि रंजन को जब पता चला कि जिले में कई लोगों को गलत तरीके से हथियार के लाइसेंस दिये गये हैं, तो उन्होंने तुरंत लाइसेंस की जांच करते हुए कार्रवाई करने की तैयारी कर दी है. लाइसेंस रद्द करने के साथ केस भी किया जा सकता है.

अधिकारियों पर भी कार्रवाई करने से पीछे नहीं

उपायुक्त शशि रंजन ने अपने अधिकारियों पर भी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हट रहे हैं. हाल के दिनों में इन्होंने अचानक समाहरणालय परिसर में पहुंच कर औचक निरीक्षण किया. जिसमें कई अधिकारी और कर्मचारी गायब नजर आये. उन्होंने तुरंत कई अधिकारी और कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगते हुए वेतन निकासी पर रोक लगा दी. निरीक्षण के दौरान जो कार्यालय में एक भी कर्मचारी नजर नहीं आये उस कार्यालय में उन्होंने ताला जड़ दिया.

अधिकारियों में भी खौफ बना हुआ : जिससे इन दिनों अधिकारियों में भी खौफ बना हुआ है. उनकी कार्रवाई से जो अधिकारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचते थे अब वह 10: 30 बजे से ही कार्यालय में नजर आ रहे हैं . जिससे जनता के कार्य तेजी से हो रहे है. जनता डीसी साहब से काफी खुश नजर आ रहे हैं. लोग मन ही मन उम्मीद लगा रहे कि ऐसा ही अधिकारी हर जिला में हो जो अपने छोटे पदाधिकारियों को भी गलती करने पर नापने में भी देर नहीं कर रहे. फैसले फटाफट ले रहे है. अब लोगों को यही उम्मीद है कि आईएएस अधिकारी शशि रंजन का 'नायक' फिल्म के अनिल कपूर वाला यह अंदाज आगे भी कायम रहे.

फायरिंग करने वाले शार्प शूटर समेत दो गिरफ्तार

संवाददाता। हजारीबाग

कोयला ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के कार्यालय में फायरिंग करने वाला शार्प शूटर समेत दो अपराधी गिरफ्तार हुए हैं. गिरफ्तारों में मिलन तुरी के अलावा एक अन्य अपराधी शामिल है. इनके पास से पुलिस ने एक पिस्टल और एक मोबाइल फोन बरामद किया है.

बता दें कि बीते 19 जनवरी की देर शाम गैंगस्टर विकास तिवारी के नाम पर अपराधियों ने जिले के गिद्दी थाना क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया के पास गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था. जहां कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य में लगी कंपनी के कार्यालय में घुसकर बाइकसवार दो अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी और कर्मियों के साथ मारपीट की थी. इसके बाद भागने के दौरान अपराधियों ने कर्मियों के मोबाइल फोन भी छीन लिये थे. डीआईजी सुनील भास्कर के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के अंदर दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है.

खास बातें

- हजारीबाग में कोयला कंपनी पर की थी फायरिंग

ब्रीफ खबरें

भवनाथपुर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

भवनाथपुर। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले भगवान श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व संध्या भवनाथपुर थाना पुलिस ने पुलिस निरीक्षक कृष्ण कुमार के अध्यक्षता में फ्लैग मार्च निकाला. फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरु होकर कर्पूरी चौक होते प्रखण्ड कार्यालय तक किया गया. इस दौरान थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप लोग शांतिपूर्ण ढंग से पर्व को मनाए. किसी भी तरफ के अफवाह से बचें. अगर कोई भी असामाजिक तत्व के लोगों के द्वारा गेदरिंग करने का प्रयास किया जाता है तो तुरंत थाना को सूचित करें.

नाबालिग को भागने का आरोपी गिरफ्तार

सेन्हा-लोहरदगा। नाबालिग लड़की को शादी का झांसा दे भागने के आरोप पर सेन्हा पुलिस ने लड़का लड़की को बरामद कर जांचोपरांत लड़का को गिरफ्तार कर भेजा जेल.लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की को शादी का झांसा दे भागने के आरोप पर सेन्हा थाना कांड संख्या 1/24 दर्ज कर धारा 363,366 ए के तहत प्राथमिकी अभियुक्त अलौदी नवाटोली निवासी बिफई उरांव के 20 वर्षीय पुत्र बबलू उरांव को उत्तर प्रदेश के पिपरा जटामपुर थाना कुबेर नगर जिला कुशीनगर से गिरफ्तार किया गया .

दो दिनों से लापता है बजरंगी, नहीं चला पता

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के करमाचुंआ ग्राम के अजय कुमार गुप्ता का दस साल का पुत्र बजरंगी कुमार पिछले 20 जनवरी से अपने घर से लापता है. काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला तो अजय कुमार गुप्ता ने इसकी सूचना सदर थाने को दी. उन्होने बताया कि शनिवार की शाम तकरीबन चार बजे वह घर जुलूस देखने जाने की बात कह कर निकला था, लेकिन अभी तक वह घर नहीं लौटा है.

श्री तुलसी मानस मंदिर में आज होगा सुंदर कांड पाठ

मेदिनीनगर। अयोध्या में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा मौके पर सोमवार को स्थानीय साहित्य समाज चौक स्थित श्री तुलसी मानस मंदिर में सुंदरकांड पाठ आयोजित होगा. मंदिर के संयुक्त सचिव मनीष भिवानिया ने बताया कि सुंदर कांड पाठ को लेकर रांची से पांच सदस्यों की टीम डॉ. जंग बहादुर पांडेजी के द्वारा संगीतमय पाठ करेगी. सुरेश पाठक हनुमान चालीसा एवं आरती करेंगे. षाम 4 बजे महाप्रसाद वितरण होगा. संतोष पाठक एवं मनीष भिवानिया ने कहा कि सुंदर कांड पाठ व षाम में श्री राम ज्योति दीप महोत्सव कार्यक्रम में षहर के सभी लोग सादर आमंत्रित हैं.

इटको देवी मंडप में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकली शोभायात्रा

नावाबाजार/पलामू। नावाबाजार प्रखंड क्षेत्र के इटको देवी मंडप में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रविवार को गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई. शोभा यात्रा देवी मंडप से प्रारंभ होकर हॉस्पिटल मोड, एनएच 98 मुख्य पथ से थाना परिसर के खूंटी सोत नदी तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने आचार्य नंदलाल मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरा. शोभा यात्रा में पूर्व मुखिया अजय कुमार उर्फ दीपक गुप्ता, अरुण ठाकुर, सतनारायण सोनी, हरिद्वार गुप्ता, अर्जुन प्रसाद, नवीन यादव, ओम मेहता आदि शामिल थे.

ठेठईटांगर कस्तूरबा स्कूल का डीसी-एसपी ने किया भ्रमण, बच्चियों की समस्याओं को दूर करने का निर्देश

लगन व मेहनत से पढ़ाई करो, रिजल्ट अच्छा होगा : एसपी

संवाददाता। सिमडेगा

सिमडेगा डीसी अजय कुमार सिंह एवं एसपी सौरभ कुमार ने ठेठईटांगर प्रखंड में स्थितकस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का भ्रमण किया. दोनों ने बच्चियों से मुलाकात कर पठन-पाठन से संबंधित जानकारी ली. डीसी ने प्री बोर्ड परीक्षा में पुलिस विभाग से मिल रहे सहयोग से बच्चियों को अवगत कराया तथा पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में शिक्षा के क्षेत्र में किस तरह सहयोग किया जा रहा है इसके बारे में भी बच्चियों को विस्तार पूर्वक बताया. इसके अलावा डीसी ने स्कूल में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं से संबंधित जानकारी ली. इस दौरान बच्चियों ने डीसी एवं एसपी को बताया कि गर्मियों में पानी की समस्या, बेड की समस्या, खेल की सामग्री, खेलने के लिए मैदान सहित कई चीजों की कमी है. डीसी ने सभी समस्याओं का ससमय निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए ठेठईटांगर बीडीओ पंकज कुमार को आवश्यक निर्देश दिये.

एसपी ने बच्चियों से संवाद किया. उन्होंने पढ़ाई के महत्व एवं उद्देश्य को बताते हुए सभी को पठन-पाठन के लिए प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि पढ़ाई के प्रति अपने उद्देश्य को पहचानें और लगन के साथ पढ़ाई करें. एसपी ने कहा कि आप मेहनत और लगन से पढ़ाई करो, परीक्षा के परिणाम की चिंता मत करो. आप लगन के साथ पढ़ाई करोगे तो अवश्य ही सफलता मिलेगी. उन्होंने कहा कि आप सभी अपने अंदर शिक्षकों से प्रश्न करने की ललक जागृत करें, जब तक आप प्रश्न नहीं पूछेंगे, अपनी विषय वस्तु को अच्छे से नहीं समझेंगे. जब भी शिक्षिकाएं क्लास में पढ़ती है और पढ़ाई समझ में नहीं आती है तो प्रश्न अवश्य पूछें और चीजों को अच्छे से समझें.

जिला प्रशासन ने किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील जारी की है

रामोत्सव को लेकर अलर्ट मोड पर है पलामू पुलिस

संवाददाता। मेदिनीनगर

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हर तरफ माहौल भक्तिमय है. वहीं, उत्सव के माहौल में कोई परेशानी नहीं हो, इसे लेकर पलामू जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है. संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है. पलामू जिला प्रशासन ने किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील जारी की है. मेदिनीनगर में दोपहर में डीसी शशिरंजन और एसपी रीष्मा रमेशन के नेतृत्व में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला. फ्लैग मार्च शहर के विभिन्न चौक चौराहों से घूमते हुए टाउन थाना तक पहुंचा. डीसी शशि रंजन ने कहा कि पलामू जिले के सभी इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला गया है. हर संवेदनशील इलाकों में दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई है. पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि कई इलाकों में अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है, जवानों को अलर्ट मोड पर रखा गया है.

विभिन्न क्षेत्रों में 480 पुलिस बल लगाए गए हैं. अनुमंडल स्तर पर क्यूआरटी की टीम को रखा गया है. उन्होंने बताया कि एक नंबर जारी किया गया है, ताकि लोग किसी भी तरह का सूचना दे सकें. उन्होंने लोगों से गलत होने की स्थित में पुलिस कंट्रोल रूम या 112 पर सूचना देने की अपील की है. एससपी ने बताया कि सोशल मीडिया पर पुलिस की स्पेशल टीम निगरानी कर रही है. पलामू के सभी 24 स्थान में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है. चारों पुलिस अनुमंडल में एसडीपीओ लगातार पेट्रोलिंग कर रहे है. फ्लैग मार्च में प्रशिक्षु आईपीएस गौरव गोस्वामी, सदर एसडीएम अनुराग कुमार तिवारी, एसडीपीओ सुरजीत कुमार, षहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा शामिल थे.

खास बातें

- सोशल मीडिया पर रहेगी कड़ी नजर : डीसी
- एसपी और डीसी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च

श्री रामनवमी पूजा महासमिति जेनरल विभिन्न अखाड़ों के साथ निकालेगी भव्य शोभायात्रा

गढ़वा। श्री रामनवमी पूजा महासमिति जेनरल के तत्वावधान में प्रभु श्री रामलला के होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में अध्यक्ष दौलत सोनी की अध्यक्षता में शहर के विभिन्न अखाड़ों के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी. जानकारी देते हुए श्री रामनवमी पूजा महासमिति जेनरल के अध्यक्ष दौलत सोनी ने बताया कि शोभा यात्रा दोपहर दो बजे काली स्थान काली मंदिर के प्रांगण से निकलेगी, जो कि मुख्य पथ होते हुए श्री रामलला मंदिर में समापन होगी. इस शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में रामभक्त माताएं-बहने भाग लेंगी. उन्होंने बताया कि पूरे शहर को भगवा मय किया जा रहा है. झंडा से सजाया जा रहा है. शोभा यात्रा का नेतृत्व महामंत्री उमेश कश्यप के द्वारा किया जाएगा. उन्होंने समस्त सनातनी रामभक्तों से 22 जनवरी को अपने-अपने घरों में संध्या में दीप जलाने एवं घर के छत पर महावीरी झंडा लगाने की अपील की. मौके पर महामंत्री आचार्य आशिष वैद्य कर्मकांडी, संरक्षक मोहन स्वर्णकार, संगठन मंत्री पिंटू कुमार ओला, कोषाध्यक्ष रोहित कुमार छोटू, विवेक सिन्हा, दीनदयाल पासवान, सोनू सिंह, मिलन सोनी, विशाल जायसवाल सहित सभी अखाड़ा के सदस्य उपस्थित थे.

प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूर्व सैनिक शहीद स्मारकों पर जलाएंगे दीप

मेदिनीनगर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद सदस्यों की बैठक जिलाध्यक्ष दामोदर मिश्र की अध्यक्षता में हुई. बैठक का संचालन महासचिव दिनेश गुप्ता ने किया. बैठक में कई विषयों पर चर्चा के बाद अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बनने व रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को सनातन धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा गया कि परिषद भी अपने आपको इससे अलग नहीं रखना चाहती. प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी पूर्व सैनिक अपने-अपने क्षेत्रों में हो रहे मंदिर केंद्रित कार्यक्रम के सहभागी बनेंगे. साथ ही रात में अपने-अपने घरों में भव्य दीपावली भी मनाएंगे. बैठक में परिषद पलामू के पूर्व जिलाध्यक्ष गयानंद पांडेय, दयाशंकर शर्मा, शंभूनाथ सिंह, गिरवर प्रजापति, मुक्तेश्वर कुमार, रमन श्रीवास्तव, रफीक अंसारी, अशोक कुमार दुबे, बृज लाल वर्मा, हरिहर तिवारी, कामाख्या नारायण सिंह आदि उपस्थित थे.

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन आज

मेदिनीनगर। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के बाद 22 जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा. सूची का प्रकाशन के बाद पहली बार मतदाता बने युवाओं के उत्साहवर्धन को लेकर विभाग स्तर पर सोशल मीडिया पर आई एम रेडी टू वोट अभियान चलाया जाएगा. जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन ने अभियान को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया है. समाज के विभिन्न वर्गों 18-19 वर्ष के छात्र छात्राओं, 20-25 वर्ष के आयु के युवा मतदाताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जन प्रतिनिधियों, राजनीतिक व गैर राजनीतिक संगठनों सोशल मीडिया इन्फ्लूइंशर्स, मीडियाकर्मियों आदि से इस अभियान का हिस्सा बनने की अपील की है.

लोहरदगा में डीसी व एसपी की अगुवाई में फ्लैग मार्च निकला

संवाददाता। लोहरदगा

खास बातें

- अफवाहों से सावधान व सजग रहें : उपायुक्त
- शांति और सद्भाव को सभी तक फैलायें : एसपी

अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर लोहरदगा शहरी क्षेत्र में मोटरसाइकिल पर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और पुलिस कप्तान हारिस बिन जमां के संयुक्त नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया. फ्लैग मार्च सदर थाना परिसर से निकल कर थाना टोली होते हुए अपर बाजार, बड़ा तालाब, बगड़ू मोड़, इमली चौंक, पावरगंज, अमली टोली, रेलवे साइडिंग, बस स्टैंड, कचहरी मोड़ सहित अन्य इलाके में फ्लैग मार्च किया गया. इस दौरान उपायुक्त डॉ वाघमारे व पुलिस कप्तान द्वारा लोगों से प्राण प्रतिष्ठा उत्सव शांतिपूर्ण तरीके से मानने की अपील की गई. उपायुक्त ने कहा कि अफवाहों से सावधान व सजग रहें. किसी भी प्रकार के बहकावे में ना आयें. आपसी भाईचारा, शांति, सद्भाव व सोहार्द्र बनाये रखने में पूर्ण सहयोग प्रदान करें. प्रशासन जिले के हर नागरिक के साथ खड़ा है. पुलिस कप्तान हारिस बिन जमां ने कहा कि हमें और आपको यह समझना है कि यह जिला हमारा है, हम सभी का है, कुछ भी हो, हमारा प्रेम, हमारी मोहब्बत, हमारा भाईचारा, हमारा आपसी सोहार्द्र खराब ना हो.

प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को ले प्रखंड क्षेत्र भक्तिमय हुआ

सेन्हा-लोहरदगा। अयोध्या में आयोजित श्री रामलाल प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को लेकर सेन्हा प्रखंड क्षेत्र राम भक्ति में हुआ लीन. लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड क्षेत्र में अयोध्या में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश में एक अलग उत्साह देखने को मिल रहा है. इसी निमित सभी हिन्दू संगठन श्री रामलाल प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को उत्सव मनाने को लेकर भक्ति मय हो गए है. प्रखंड के सभी देवस्थल व मंदिर के साफ सफाई के साथ तैयारियां पूर्ण कर लिया गया है. विश्व हिंदू परिषद एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से एक अलग कार्यक्रम आयोजन किया गया है. सोमवार 10 बजे प्रोहित अवनीश पाठक के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ शिव मंदिर प्रांगण में ग्रामवासियों द्वारा पूजा अर्चना 10:30 बजे महाबीर मंदिर में पूजा अर्चना 11 बजे दुर्गा मंदिर में भजन कीर्तन एवं पूजा अर्चना विश्व हिंदू मातृशक्ति के द्वारा शाम 3 बजे राम मंदिर निर्माण के मार्गप्रस्त करने वाले कारसेवकों का सम्मान शाम 4 बजे से सनातन हिन्दू धर्म पर आधारित वेश भूषा झांकी प्रतियोगिता बच्चों द्वारा विहिप के दुर्गावाहनी के सौजन्य से तथा 5 बजे से भव्य भंडारा का आयोजन किया जाएगा.

लातेहार में यादव समाज ने निकाली भव्य कलश यात्रा

संवाददाता। लातेहार

अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को ले कर रविवार को यादव समाज, लातेहार के द्वारा रेलवे स्टेशन के देवी मंडप सह श्री सिद्धेश्वर महोदव मंदिर से भव्य कलाश यात्रा निकाली गई. देवी मंडप में भी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी को किया जायेगा. कलश यात्रा देवी मंडप से नवरंग चौक, डुरूवा बस्ती, पंपूकल होते हुए औरंगा नदी पहुंची. यहां पं संजू उपाध्याय के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश में जल भरा गया. मुख्य यजमान जगेशर यादव सह पत्नी उपस्थित थे. मौके पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुशील अग्रवाल ने कहा कि 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला को प्राण प्रतिष्ठा होगी.

कई लोग मौजूद थे

सदर प्रखंड के आरागुंडी व डीही पंचायत में हिंदू समाज द्वारा अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को ले कर मोटरसाइकिल जुलुस निकाला गया. जुलुस बालूभांग कुंदरी मैदान से प्रारंभ हुई. आरागुंडी, टेमकी, डाटम, मुरूप होते हुए डीही शिव मंदिर पहुंची. विहिप के जिला सचिव संजय तिवारी ने बताया कि अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में उत्साह है. जुलूस मे सुनील प्रजापति, अजय कुमार, वीरेंद्र प्रसाद, रामवृक्ष साहू, अरुण साहू, रविंद्र कुमार व शिवनंदन कुमार समेत काफी संख्या में युवक शामिल थे.

दुखद एमएमसीएच अस्पताल में शव को पोस्टमार्टम करते हुए परिजनों को सौंप दी गयी

छुट्टी पर घर आए सेना के जवान की हुई मौत, गांव में मातम

संवाददाता। विश्रामपुर (पलामू)

खास बातें

- परिवार के सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल
- विभाग के अधिकारियों ने दी शव को सलामी
- सैनिक 18 दिन पहले ही छुट्टियों पर घर आया था

विश्रामपुर प्रखंड के सेमरी खुर्द अपने घर आए 41 वर्षीय फौजी राकेश कुमार ओझा की मौत रविवार की सुबह हार्ट अटैक से हो गई. सैनिक 18 दिन पहले ही छुट्टियों पर घर आया था. सुबह अचानक उसका स्वास्थ्य खराब हो गया. परिजनों के द्वारा उसे इलाज को ले अस्पताल ले गए. जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इधर मेदिनीनगर एमएमसीएच अस्पताल में शव को पोस्टमार्टम करते हुए परिजनों को सौंप दी गई. शव घर पहुंचते हीं कोहराम मच गया. वहीं अद्धसैनिक बल आईटीबीपी में पदस्थापित पदाधिकारियों की टोली पहुंच सरकारी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को तिरंगे से ढक कर मृतक को गार्ड आफ आनर सलामी दी. साथ हीं पंजरी कला कोयल नदी स्थित श्मशान घाट पर दाह संस्कार किया गया. जहां मृतक के 10 वर्षीय पुत्र ने मुखाग्नि दी.

विश्रामपुर प्रखंड के सेमरी गांव का रहने वाला

जानकारी के अनुसार में विश्रामपुर प्रखंड के सेमरी गांव निवासी पोस्टल विभाग में पदस्थापित सेवानिवृत्त कर्मी कुलदीप ओझा के चौथे पुत्र व भाजपा नेता कुश कुमार ओझा के छोटे भाई थे. मृतक केरल के कोंची में पदस्थापित आईटीबीपी के बटालियन में पदस्थापित था. 18 दिन पूर्व अवकाश पर घर आया था. शनिवार की देर रात तक सब कुछ ठीक खाक था. रविवार की अहले सुबह बाथरूम के लिए कमरे में गया. जहां लौटने पर अपने को असहज बताते हुए सीने में दर्द की शिकायत अपने परिवार के सदस्यों से की.

शोक व्यक्त करने वालों में ये लोग थे शामिल

इधर मौत की घटना सुनते हीं प्रखंड सहित जिले से शुभचिंतकों की भीड़ उमड़ पड़ी. जिसमें भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ईश्वर सागर चंद्रवंशी,भाजपा नेता सुशील कुमार चौबे, निभाकर पांडेय, , सांसद प्रतिनिधि अनुज पांडेय, सुनील पांडेय, विकास दुबे, विश्रामपुर मुखियासंघ के अध्यक्ष रोहित तिवारी, सतेश्वर प्रसाद सिंह सहित सैकड़ों लोग शव यात्रा में शामिल हुए.

राज्याभिषेक के मुख्य अतिथि होंगे केवट : अरूणा शंकर

मेदिनीनगर। अयोध्या में सोमवार को श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मेदिनीनगर भी तैयारी जोरों पर है. मेदिनीनगर के थाना रोड स्थित गीता भवन परिसर से कल शाम तीन बजे चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नेतृत्व में भव्य शोभा यात्रा निकलेगी, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है. इस संबंध में षहर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने बताया कि शोभा यात्रा की शुरुआत सांसद बीडी राम, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम नारायण दुबे, भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, जिलाध्यक्ष विजयनंद पाठक, मंच मोर्चा के अध्यक्ष आदि श्री राम-सीता व लक्ष्मण की आरती कर शोभायात्रा की षुरूआत करेंगे. उन्होंने बताया शोभायात्रा में कई राज्य के भक्ति नृत्य एवं झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा.

न्यूज अपडेट

राममय हुआ केरसई, निकली भव्य शोभायात्रा

सिमडेगा/केरसई। प्रभु श्रीराम जी के मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ घड़ी पर केरसई विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में भव्य शोभायात्रा निकल गई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थी सभी राम भक्त जय श्री राम जय सियाराम अयोध्या नगरी की जय जैसे जयकारा लगा रहे थे साथ ही केशरी के लाल,राम आएंगे जैसे भजन पर महिला रामभक्त थिरक रहे थे. शोभायात्रा में पुलिस पूरी तरह मुस्तेद थी. 22 जनवरी को केरसई के सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे , 10 बजे से मंदिरों में भजन व एलईडी टीवी से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण होगा एवं महाआरती भंडारा भी होगा.

लोगों के बीच मिट्टी के दीयों का किया वितरण

सिमडेगा। मोर माटी विश्व कल्याण ट्रस्ट माटी कला केंद्र सिमडेगा के द्वारा संचालित कार्यक्रम के तहत् माटी कला केंद्र पोगलोया कोलेबिरा के द्वारा राम मंदिर स्थापना दिवस अयोध्या के उपलक्ष्य में कोलेबिरा, लचरागढ़ के सभी मंदिरों एवं राम भक्तों को निशुल्क हजारों दीप का वितरण किया . इस कार्यक्रम मे मोर माटी विश्व कल्याण ट्रस्ट माट्टी कला केंद्र के धर्मेन्द्र कुमार पंडा, मालती देवी,कौशल्या देवी, अनीता देवी पुष्पा देवी,ज्योति देवी,पार्वती देवी,मालती देवी, अमर सिंह,दिनेश सिंह, जयंत सिंह मौजूद रहें जिनकी कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका रही.

भगवामय गुमला, जय श्रीराम से गूंजा पूरा शहर

गुमला। अयोध्या में 22 जनवरी 24 सोमवार को होने वाले श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के एक दिन पहले गुमला सनातन मंच के बैरन तले निकाली गई शोभायात्रा में पूरा गुमला शहर राममय हो गया. सड़कों में तिल रखने की जगह नहीं मिल रही थी. शोभा यात्रा में पुरुषों से अधिक महिलाओं की संख्या थी. राम जी की निकली सवारी..., राम आएंगे .. आदि गीत में श्री राम भक्त झूम रहे थे तो जय श्री राम का जयघोष लगा रहे थे. गुमला के मेन रोड, सिसई रोड, पालकोट रोड आदि में शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा हो रही थी. कहीं लड्डू बंट रहे थे

भोगता समाज का प्रमंडलीय सामाजिक सम्मेलन 18 को

गुमला। खरवार भोगता समाज विकास संघ गुमला की बैठक अध्यक्ष जीतु प्रधान की अध्यक्षता में हुई. जिसमें 17 व 18 फरवरी को सिमडेगा के अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में प्रमंडल स्तरीय सामाजिक सम्मेलन सह आभार रैली में गुमला जिला की सहभागिता पर विचार विमर्श किया गया. अध्यक्ष जीतू प्रधान ने कहा कि प्रमंडल स्तरीय सामाजिक सम्मेलन में पांच जिला से लगभग 20 हजार सदस्य शामिल होने की संभावना है.

कब्रिस्तान का घेराबंदी को लेकर ग्राम सभा का आयोजन

गढ़वा। जिले के विशुनपुरा प्रखंड के ग्राम पतिहारी में कब्रिस्तान का घेरा बंदी एवम सुंदरी करण योजना को लेकर मदरसा के मैदान में मुखिया रब्या फिरदोसी की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया.ग्रामसभा में अध्यक्ष पद के लिए अफजल अंसारी एवम रजु अंसारी वही सचिव पद के लिए महफूज अंसारी एवम मिन्नत हुसैन का सामने आया,जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा जनसख्या के अनुसार वोटिंग किया गया, जिसमे अध्यक्ष अफजल अंसारी एवम सचिव पद के महफूज अंसारी को 476 ग्रामीणों का समर्थन मिला.

चंदवा में युवा भारत ने निकाली बाइक रैली

चंदवा। श्रीरामजन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को ले कर चंदवा में युवा भारत के द्वारा दो दिवसीय आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम के पहले दिन युवा भारत के द्वारा शहर में बाइक रैली निकाली गयी. बाइक रैली उच्च विद्यालय, सरोज नगर के खेल मैदान से शुरु की गयी. रैली शहर के मुख्य एवं विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः खेल मैदान पहुंची. इस दौरान युवकों ने जय श्रीराम का जयघोष किया.रैली में युवक अपने हाथों में भगवा ध्वज आदि के साथ भाग लिया. सांसद प्रतिनिधि महेंद्र साव एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित कुमार रैली में शामिल थे.

भवनाथपुर में निकाला गया भव्य राममय जुलूस

भवनाथपुर। अयोध्या नगरी में 22 जनवरी को भगवान श्री रामलला के नवनिर्मित मंदिर में मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सिंदुरिया पंचायत के टाउनशिप हनुमान मंदिर से विशाल जुलूस अजय सोनू के नेतृत्व में निकाली गई. हनुमान मंदिर से पूजा अर्चना के बाद राम दरबार की सजी हुई रथ के साथ पूरे गाजे-बाजे के साथ जुलूस निकाली गई. जो टाउनशिप आवासीय क्वार्टर, रेलवे साइडिंग, पुनर्वास सहित पूरे पंचायत भ्रमण करते हुए टाउनशिप हनुमान मंदिर में पहुंची।.

टोरी स्टेशन पर एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मांग की

चंदवा। कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने सोशल मीडिया एक्स पर रेल मंत्री, जीएम अनिल कुमार खंडेलवाल हाजीपुर, धनबाद डीआरएम कमल किशोर सिन्हा से टोरी जंक्शन पर मेडिकल सुविधा और एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मांग की है. उन्होंने एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि टोरी जंक्शन पर मेडिकल और एम्बुलेंस की सुविधा नहीं है. एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रहे लोग इमरजेंसी में जब मेडिकल और एम्बुलेंस की सुविधा पाने के लिए टोरी जंक्शन पर उतरते हैं तो यह सुविधा न देखकर उन्हें काफी निराशा होती है. स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल और एंबुलेंस की सुविधा के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है.

जामा मस्जिद में लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया

महुआडांड़ (लातेहार)। खानकाह आलिया कादरिया इमामिया, औरंगाबाद से चलकर पीरे तरीकत रहबरे राहे शरियत,औलादे गौसै आजम पीरो मुर्शिद सैयद असगर इमाम साहब महुआडांड़ के जामिया नुरिया ज्याउल इस्लाम मस्जिद पहुंचे. यह दिन यहां के लोगों के लिए खास रहा. ओलमा, अंजुमन कमेटी, आवाम और मस्जिद के तलबा के उपस्थिति में हजरत के द्वारा जामिया नुरिया ज्याउल इस्लाम महुआडांड़ मस्जिद में लाइब्रेरी का उद्घाटन ब्यान व फातिहा कर किया गया. उद्घाटन में मौजूद सभी लोगों को वाजो नसीहत करते हुए सैयद असगर इमाम साहब ने कहा कि यह बहुत ही अच्छी बात है की जामिया नूरिया जियाउल इस्लाम मस्जिद में लाइब्रेरी कायम किया गया है.

राममनोहर लोहिया के राम

मिटाया नहीं जा सकता भारतवर्ष के मन मस्तिष्क पर लिखा श्री रामचंद्र का नाम

राम के सत्य का इससे अधिक आभास क्या मिल सकता है कि पचास या शायद सौ शताब्दियों से भारत की हर पीढ़ी के दिमाग पर इनकी कहानी लिखी हुई है. इनकी कहानियां लगातार दुहराई गई हैं. बड़े कवियों ने अपनी प्रतिभा से इनका परिष्कार किया है और निखारा है. लाखों-करोड़ों लोगों के सुख और दु:ख इनमें घुले हुए हैं.

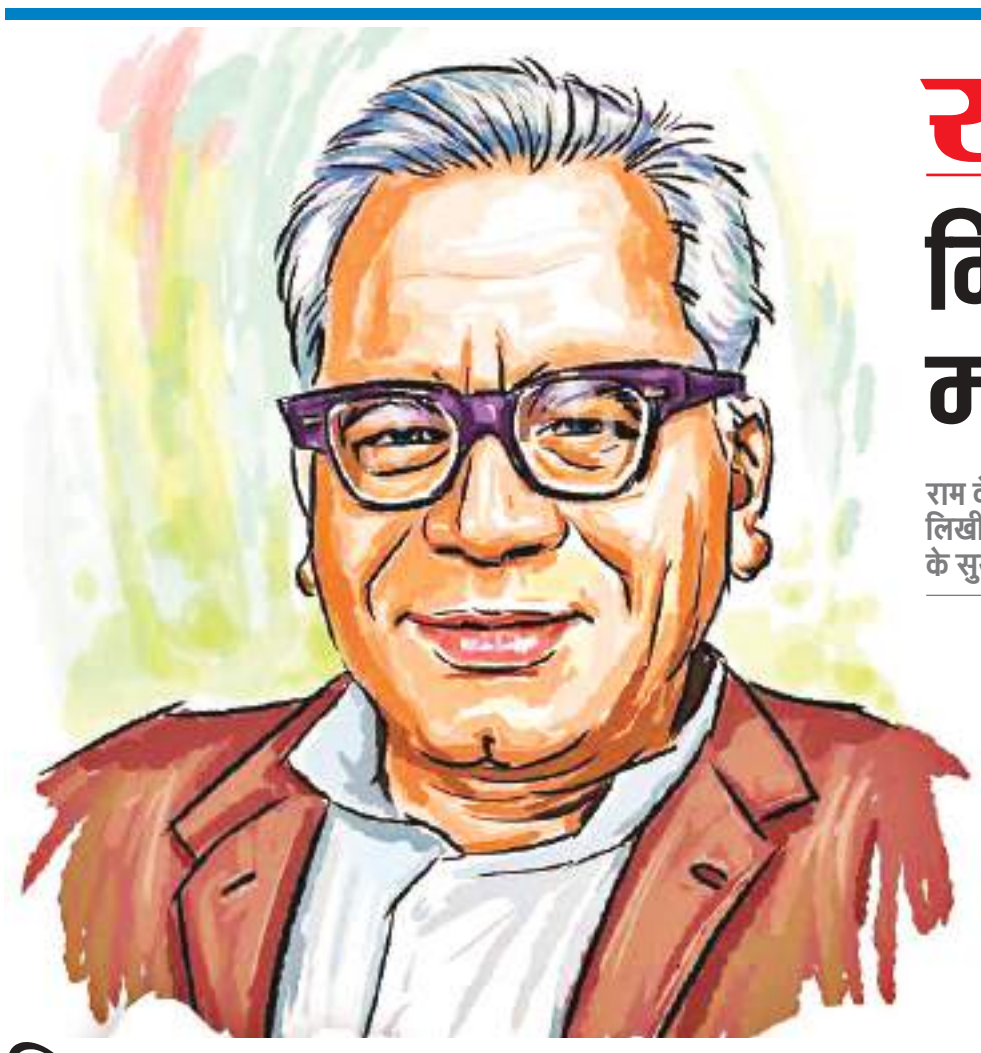

किसी कौम की किंवदंतियां उसके दुःख और सपनों के साथ उसकी चाह, इच्छा और आकांक्षाओं का प्रतीक हैं, तथा साथ-साथ जीवन के तत्व उदासीनता और स्थानीय व संसारी इतिहास का भी. राम भारत की उदासी और साथ-साथ रंगीन सपने हैं. उनकी कहानियों में एकसूत्रता ढूंढ़ना या उनके जीवन में अटूट नैतिकता का ताना-बाना बुनना या असंभव व गलत लगनेवाली चीजें अलग करना उनके जीवन का सब कुछ नष्ट करने जैसा होगा. केवल तर्क बचेगा. हमें बिना हिचक के मान लेना चाहिए कि राम कभी पैदा नहीं हुए, कम से कम उस रूप में, जिसमें कहा जाता है. उनकी किंवदंतियां गलत और असंभव हैं. उनकी श्रृंखला भी कुछ मामले में बिखरी है जिसके फलस्वरूप कोई तार्किक अर्थ नहीं निकाला जा सकता. लेकिन यह स्वीकारोक्ति बिल्कुल अनावश्यक है. भारतीय आत्मा के इतिहास के लिए राम सबसे सच्चे हैं और पूरे कारवां में महानतम हैं. जैसे पत्थरों और धातुओं पर इतिहास लिखा मिलता है वैसे ही इनकी कहानियां लोगों के दिमागों पर अंकित हैं जो मिटाई नहीं जा सकतीं.

मर्यादित पुरुष रामः राम भारत में पूर्णता के महान स्वप्न हैं. राम की पूर्णता मर्यादित व्यक्तित्व में है. राम धरती पर त्रेता में आए जब धर्म का रूप इतना अधिक नष्ट नहीं हुआ था. वह आठ कलाओं से बने थे, इसलिए मर्यादित पुरुष थे. राम ने अपनी दृष्टि केवल एक महिला तक सीमित रखी, उस निगाह से किसी अन्य महिला की ओर कभी नहीं देखा. यह महिला सीता थी. उनकी कहानी बहुलांश राम की कहानी है जिनके काम सीता की शादी, अपहरण और कैद-मुक्ति और धरती (जिसकी वे पुत्री थी) की गोद में समा जाने के चारों ओर चलते हैं. जब सीता का अपहरण हुआ तो राम व्याकुल थे. वे रो-रो कर कंकड़, पत्थर और पेड़ों से पूछते थे कि क्या उन्होंने सीता को देखा है.

सीता का अपहरण अपने में मनुष्य जाति की कहानियों की महानतम घटनाओं में से एक है. इसके बारे में छोटी-से-छोटी बात लिखी गई है. यह मर्यादित, नियंत्रित और वैधानिक अस्तित्व की कहानी है. निर्वासन काल के परिभ्रमण में एक मौके पर जब सीता अकेली छूट गई थी तो राम के छोटे भाई लक्ष्मण ने एक घेरा खींच कर सीता को उसके बाहर पैर न रखने के लिए कहा. राम का दुश्मन रावण उस समय तक अशक्त था जब तक कि एक विनम्र भिखमंगे के छद्मवेश में सीता को उसने उस घेरे के बाहर आने के लिए राजी नहीं कर लिया. मर्यादित पुरुष हमेशा नियमों के दायरे में रहता है.

नियमों से बंधेः राम और सीता अयोध्या वापस आ कर राजा और रानी की तरह रह रहे थे. एक धोबी ने कैद में सीता के बारे में शिकायत की. शिकायती केवल एक व्यक्ति था और शिकायत गंदी होने के साथ-साथ बेदम भी थी. लेकिन नियम था कि हर शिकायत के पीछे कोई न कोई दुःख होता है और उसकी उचित दवा या सजा होनी चाहिए. इस मामले में सीता का निर्वासन ही एकमात्र इलाज था. नियम अविवेकपूर्ण था, सजा क्रूर थी और पूरी घटना एक कलंक थी जिसने राम को जीवन के शेष दिनों में दुःखी बनाया. लेकिन उन्होंने नियम का पालन किया, उसे बदला नहीं. वे पूर्ण मर्यादा पुरुष थे. नियम और कानून से बंधे हुए थे और अपने बेदाग जीवन में धब्बा लगने पर भी उसका पालन किया.

इन विकल्पों को छोड़ाः मर्यादा पुरुष होते हुए भी एक दूसरा रास्ता उनके लिए खुला था. सिंहासन त्याग कर वे सीता के साथ फिर प्रवास कर सकते थे. शायद उन्होंने यह सुझाव रखा भी हो, लेकिन उनकी प्रजा अनिच्छुक थी. उन्हें अपने आग्रह पर कायम रहना चाहिए था. प्रजा शायद नियम में ढिलाई करती या उसे खत्म कर देती. लेकिन कोई मर्यादित पुरुष नियमों का खत्म किया जाना पसंद नहीं करेगा जो विशेष काल में या किसी संकट से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है. विशेषकर जब स्वयं उस व्यक्ति का उससे कुछ न कुछ संबंध हो. इतिहास और किंवदंती दोनों में अटकलबाजियों या क्या हुआ होता, इस सोच में समय नष्ट करना निरर्थक और नीरस है. राम ने क्या किया था, क्या कर सकते थे, यह एक मामूली अटकलबाजी है, इस बात की अपेक्षा कि उन्होंने नियम का यथावत पालन किया जो मर्यादित पुरुष की एक बड़ी निशानी है.

शिष्टाचार के समर्थकः रावण के आखिरी क्षणों के बारे में एक कहानी कही जाती है. अपने जमाने का निस्संदेह वह सर्वश्रेष्ठ विद्वान था. हालांकि उसने अपनी विद्या का गलत प्रयोग किया, फिर भी बुरे उद्देश्य परे रख कर मनुष्य जाति के लिए उस विद्या का संचय आवश्यक था. इसलिए राम ने लक्ष्मण को रावण के पास अंतिम शिक्षा मांगने के लिए भेजा. रावण मौन रहा. लक्ष्मण वापस आए. उन्होंने अपने भाई से असफलता का बयान किया और इसे रावण का अहंकार बताया. जो हुआ था उसका पूरा ब्यौरा राम ने उनसे पूछा. तब पता लगा कि लक्ष्मण रावण के सिरहाने खड़े थे. लक्ष्मण पुनः भेजे गए कि रावण के पैताने खड़े हो कर निवेदन करें. फिर रावण ने राजनीति की शिक्षा दी.

शिष्टाचार की यह सुंदर कहानी अद्वितीय और अब तक की

कहानियों में सर्वश्रेष्ठ है. मरणासन्न और श्रेष्ठ विद्वान के साथ शिष्टाचार की श्रेष्ठतम कहानी के रचयिता राम हैं.

अल्पभाषी रामः राम अक्सर श्रोता रहते थे. न केवल उस व्यक्ति के साथ जिससे वे बातचीत करते थे, जैसा हर बड़ा आदमी करता है, बल्कि दूसरे लोगों की बातचीत के समय भी. एक बार तो परशुराम ने उन पर आरोप लगाया कि वह अपने छोटे भाई को बेरोक और बढ़-चढ़ कर बात करने देने के लिए जान-बूझ कर चुप लगाए थे. यह आरोप थोड़ा-बहुत सही भी है. अपने लोगों और उनके दुश्मनों के बीच होनेवाले वाद-विवाद में वे प्रायः एक दिलचस्पी लेनेवाले श्रोता के रूप में रहते थे. इसका परिणाम कभी-कभी बहुत भद्दा और दोषपूर्ण भी हो जाता था, जैसा लक्ष्मण और रावण की बहन शूर्पणखा के बीच हुआ. ऐसे मौकों पर राम दृढ़ पुरुष की तरह शांत और निष्पक्ष दीखते थे, कभी-कभी अपने लोगों की अति को रोकते थे और अक्सर उनकी ओर से या उन्हें बढ़ावा देते हुए एकाध शब्द बोल देते थे. यह एक चतुर नीति भी कही जा सकती है. लेकिन निश्चय ही यह मर्यादित व्यक्ति की भी निशानी है जो अपनी बारी आए बिना नहीं बोलता और परिस्थिति के अनुसार दूसरों को बातचीत का अधिक से अधिक मौका देता है. राम चुप्पी का जादू जानते थे, दूसरों को बोलने देते थे, जब तक कि उनके लिए जरूरी नहीं हो जाता था कि बात या काम के द्वारा हस्तक्षेप करें.

एक रूप यह भीः राम का जीवन बिना हड़पे हुए फलने की एक कहानी है. उनका निर्वासन देश को एक शक्तिकेंद्र के अंदर बांधने का एक मौका था. इसके पहले प्रभुत्व के दो प्रतिस्पर्धी केंद्र थे - अयोध्या और लंका. अपने प्रवास में राम अयोध्या से दूर लंका की ओर गए. रास्ते में अनेक राज्य और राजधानियां पड़ीं जो एक अथवा दूसरे केंद्र के मातहत थीं. मर्यादित पुरुष की नीति-निपुणता की सबसे अच्छी अभिव्यक्ति तब हुई जब राम ने रावण के राज्यों में से एक बड़े राज्य को जीता. उसका राजा बालि था. बालि से उसके भाई सुग्रीव और उसके महान सेनापति हनुमान दोनों अप्रसन्न थे. वे रावण के मेलजोल से बाहर निकल कर राम की मित्रता और सेवा में आना चाहते थे. आगे चल कर हनुमान राम के अनन्य भक्त हुए, यहां तक कि एक बार उन्होंने अपना हृदय चीर कर दिखाया कि वहां राम के सिवा और कोई भी नहीं. राम ने पहली जीत को शालीनता और मर्यादित पुरुष की तरह निभाया. राज्य हड़पा नहीं, जैसे का तैसा रहने दिया. वहां के ऊंचे या छोटे पदों पर बाहरी लोग नहीं बैठाए गए. कुल इतना ही हुआ कि एक द्वंद्व में बालि की मृत्यु के बाद सुग्रीव राजा बनाए गए. बालि की मृत्यु भी राम के जीवन के कुछ धब्बों में एक है. राम एक पेड़ के पीछे छिपे खड़े थे और जब उनके मित्र सुग्रीव की हालत खराब हुई तो छिपे तौर पर उन्होंने बालि पर बाण चलाया. यह कानून का उल्लंघन था. कोई संस्कारी और मर्यादा पुरुष ऐसा कभी नहीं करता. लेकिन राम कह सकते थे कि उनके सामने मजबूरी थी.

प्रशा के फ्रेडरिक महान की तरह जो बहुत सफाई के साथ व्यक्ति और राज्य-नैतिकता में भेद करते थे और इस भेद के आधार पर एक झूठ अथवा/और वादाखिलाफी के जरिए आम हत्याकांड या गुलामी रोकने के पक्षपाती थे और इसीलिए उन्होंने ऐसे राजाओं को क्षमा किया जो संधियों के प्रति वफादार तो थे लेकिन जीवन में जिन्होंने एक बार कभी संधि तोड़ी. राम भी तर्क कर सकते थे कि उन्होंने एक व्यक्ति को, यद्यपि थोड़ा-बहुत गलत तरीके से, मार कर आम हत्याएं रोकीं और उन्होंने अपने जीवन के केवल एक दुष्टतापूर्ण काम के जरिए एक समूचे राज्य को अच्छाई के रास्ते पर लगाया और अपने सिवाय किसी और क्रम में विघ्न नहीं डाला. स्वाभाविक था कि सुग्रीव अच्छाई के मेलजोल में आए और लंका विजय करने के लिए बाद में अपनी सारी सेना आदि दी. यह सही है कि वह सब कुछ बालि की मृत्यु से हासिल हुआ. राज्य पूर्ण रूप से स्वतंत्र रहा और राम से दोस्ती संभवतः वहां के नागरिकों की स्वतंत्र इच्छा से की गई. फिर भी तबीयत यह होती है कि कोई मर्यादा पुरुष, छोटा या बड़ा, नियम न तोड़े - अपने जीवन में एक बार भी नहीं.

नहीं धो सके विभीषण का दागः दुश्मन के खेमे में अच्छे दोस्तों की खोज चलती रही. उन्होंने लंका में इस क्रम को दोहराया. रावण के छोटे भाई विभीषण राम के दोस्त बने. लेकिन किष्किंधा की कहानी दोहराई नहीं जा सकी. लंका में काम कठिन था, इसके दुर्गुण घोर और विद्वत्ता की बुनियाद पर बने थे. घनघोर युद्ध हुआ और बहुत-से लोग मारे गए. आगे चल कर विभीषण राजा बना और उसने रावण की पत्नी मंदोदरी को अपनी रानी बनाया. लंका में भी अच्छाई का राज्य स्थापित हुआ. आज तक भी विभीषण का नाम जासूस, द्रोही, पंचमांगी और देश अथवा दल से गद्दारी करनेवाले का दूसरा रूप माना जाता है, विशेषकर राम के शक्ति केंद्र अवध के चारों ओर. यह एक प्रशंसनीय और दिशाबोधक बात है कि कोई कवि विभीषण के दोष नहीं भूल सका. मर्यादा पुरुषोत्तम राम अपने मित्र को आम लोगों की नजर में स्वीकार्य नहीं बना सके और राम की मित्रता मिलने पर भी विभीषण का कलंक हमेशा बना रहा. मर्यादा पुरुष अपने मित्र को स्वीकार्य बनाने का चमत्कार नहीं कर सके. यह शायद मर्यादा पुरुष की निशानी हो कि अच्छाई जीती तो जरूर लेकिन एक ऐसे व्यक्ति के जरिए जीती जिसने द्रोह भी किया और इसलिए उसके नाम पर गद्दारी का दाग बराबर लगा रहा.

भारत के संविधान की चेतना-श्री राम

राजीव शर्मा
सीनियर एडवोकेट
झारखंड हाईकोर्ट, रांची

भारत का संविधान कोई पुस्तक नहीं. राष्ट्रीय भावना और विश्व बन्धुत्व की अनवरत प्रज्जवलित ज्वाला है. सदियों से गुलामी में सिसक रही मां भारती को आजाद करने के लिए दी गई कुर्बानियों की धधकती आंच है. देशभक्ति की लहर ने सदियों से टुकडों में बंटे भारत को एक राष्ट्र बनाया. आजादी का तिरंगा लहराया. हम भारतियों ने वसुधैव कुटुम्बकम जो भारत तपोभूमि का शंखनाद है, को ध्यान में रखकर भारत के संविधान को बनाया और विशेष रूप से भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकार को "राममय" बनाया. हम भारत के नागरिक इस बात को न भूलें कि संविधान की मूलप्रति के भाग-3 में भारत के नागरिकों के मूल अधिकारों का वर्णन है जिसके आरम्भ में राम, सीता और लक्ष्मण के चित्र हैं. यह अकारण नहीं. राम भारतीय संविधान की चेतना हैं. वे संविधान के सर्वोच्च आदर्शों के प्रेरणा श्रोत हैं. भारतीय संविधान का अलौकिक सपना है एक सामाजिक लोकतंत्र का, लोक कल्याणकारी राज्य का, जो श्री राम द्वारा स्थापित राम-राज्य से प्रेरित है. राम-शक्ति, शील, त्याग, प्रेम, सेवा, क्षमा एवं सौन्दर्य के मूर्त रूप हैं. भारतीय संविधान की उद्देषिका एवं उपबंधों में राम का यह रूप प्रतिबिंबित है. राम एकता और अखंडता के प्रतीक हैं जो, संविधान की उद्देषिका में, प्रत्येक भारतीय नागरिक की प्रतिज्ञा भी है. सारी धरती को एक परिवार बनाने का हमारे संविधान का संकल्प है. भारत की एकता और अखंडता कायम है भारतीयों की प्रतिज्ञाओं से जो संविधान की उद्देषिका में प्रतिबिंबित है जिसका शंखनाद समय पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय करते रहे हैं और भारतीय सामाजिक लोकतंत्र को गति प्रदान करते रहे हैं. 1978 में मेनका गांधी केस में सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय देते हुए कहा था कि हमारे संविधान बनाने वाले व्यक्ति के आध्यात्मिक पहलू को समझते थे. वे इस बात से सचेत थे कि हर व्यक्ति दिव्यता का अवतार है, जैसा हमारे उपनिषद में कहा गया है कि हम सब अमरत्व की संतान है और मनुष्य के जीवन का लक्ष्य परम सत्य को प्राप्त करना है. भारत का संविधान राममय है.

प्रकट भये रामलला

प्रकट भये रामलला धरि नाम,
परमहरि नवल अयोध्या धाम.
गणपति कविपति
खगपति अधिपति,
ब्रह्मगिरापति अरु गिरिजापति
जपहिं निरंतर नाम.
महातम को करि सख्त बखान.
आज अवध में वीणा झंकृत,
बंशी घण्टा दुंदुभि बाजत,
नाचत सकल जहान.
जन्मभूमि उद्धार
करनहित आये हैं श्रीराम.
भव्यधाम मणि खचित
अलौकिक स्वर्णद्वार अभिराम.
वैभव देखि लजात देवगण,
धनपति मुख भये म्लान.
अवध में आये आनंद धाम.

–भागवत पाठक श्यामल

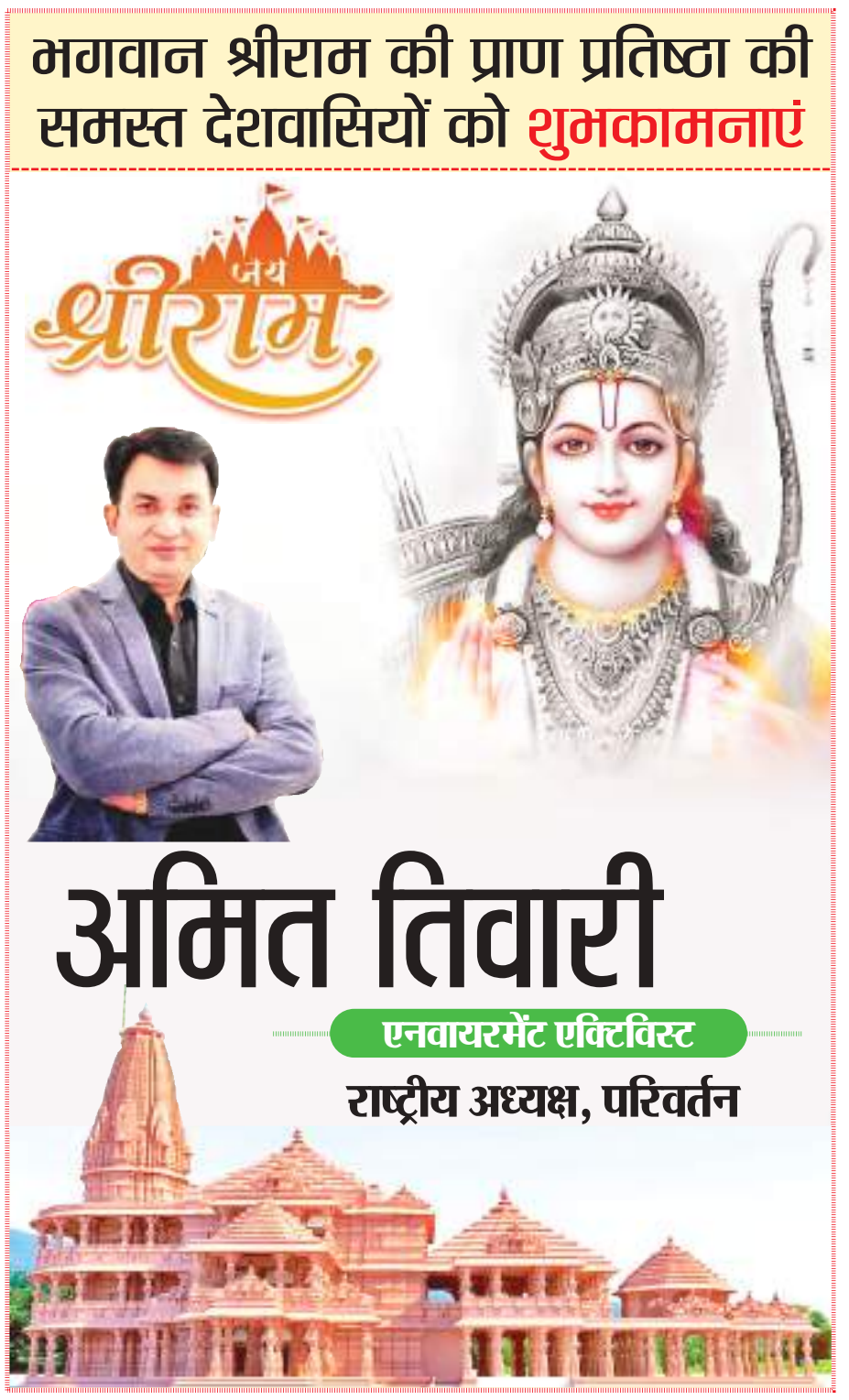

मेरे हृदय में चौबीसों घंटे रहता है राम नाम : महात्मा गांधी

अरूण त्रिपाठी

राम नाम की जो महिमा गांधी ने बचपन में डर भगाने के लिए समझी उसे वे बाद में भारत समेत पूरे संसार को अभय बनाने के लिए प्रयोग करते रहे. वे कहते हैं, 'मैं सत्य को राम के नाम से पहचानता हूं. मेरी परीक्षा की कठिन से कठिन घड़ी में इसी नाम ने मेरी रक्षा की है.'

महात्मा गांधी बीसवीं सदी के सबसे बड़े मनुष्य हैं. यह बात किसी भारतीय ने नहीं अमेरिकी पत्रकार लुई फिशर ने कही थी. सवाल उठता है कि इस गांधी की शक्ति का रहस्य क्या था? इसी तरह बीसवीं सदी के सबसे महान वैज्ञानिक आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ियों को यह यकीन ही नहीं होगा कि हांड़ मांस का ऐसा आदमी कभी धरती पर चला था. आखिर कौन सी वह प्रेरणा थी जिसके कारण वे बिना हथियार उठाए और घृणा और हिंसा के बिना इतने बड़े देश को स्वतंत्र करा सके और पूरी दुनिया को अहिंसा की राजनीतिक शक्ति का अहसास दिला सके. गांधी के लिए वह शक्ति `राम' ही थे. बचपन से आखिर तक उनके मुंह पर राम का नाम रहा. उन्होंने उस नाम को कभी बिसराया नहीं. सन 1947 में जब उनकी हत्या की आशंका प्रबल हो गई तो उन्होंने कहा कि हो सकता है कि मैं मार दिया जाऊं. लेकिन मैं अपनी अच्छी मौत उसे ही मानूंगा जब मेरे मन में हत्यारे के लिए कोई घृणा का भाव न हो और मेरे मुंह से अंतिम समय भी`राम' नाम निकले. शायद यह उस भाव का ही प्रताप था कि उन्होंने गोली लगने के बाद अपने अंतिम समय में `हे राम' ही कहा.

आस्था की पराकाष्ठा: गांधी जब नोआखाली में दंगा शांत कराते हुए घूम रहे थे तब उन्हें बहुत तेज बुखार था. उनकी निजी चिकित्सक डा सुशीला नैयर ने उन्हें दवा देनी चाही. लेकिन उन्होंने दवा लेने से साफ मना कर दिया. उन्होंने कहा कि मैं राम नाम का पाठ करूंगा. अगर राम उनसे इस देश के लिए और काम कराना चाहते हैं तो उन्हें बचाएंगे वरना जीवन छीन लेंगे. इस विश्वास के साथ उनकी तबियत सुधरी और उन्होंने लोगों के हृदय से नफरत निकालने का काम किया. गांधी बहुत तार्किक और व्यावहारिक थे लेकिन राम के नाम को लेकर उनका दृष्टिकोण आस्था पर आधारित था. वे इस नाम की शक्ति से परिचित थे और निरंतर इसका प्रयोग अपने निजी और राजनीतिक जीवन में कर रहे थे. उनके लिए राम के नाम का अर्थ सगुण से ज्यादा निर्गुण था. हालांकि वे तुलसीदास के राम चरित मानस के अनन्य पाठक थे और उसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ग्रंथों में एक बताते थे. इसीलिए वे भारत में राम राज्य की कल्पना करते थे और उसे लाना भी चाहते थे. लेकिन वे बड़े ग्रंथों का शाब्दिक अर्थ निकालने की बजाय उसकी दार्शनिक व्याख्या करते थे और उसे अपने दृष्टिकोण के अनुरूप ढालते थे.

ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम: गांधी पहले कहते थे कि ईश्वर ही सत्य है लेकिन बाद में कहने लगे कि सत्य ही ईश्वर है. उनके राम, कृष्ण, अल्लाह और गॉड में कोई अंतर नहीं है. इसीलिए वे कहते भी थे कि लोग विष्णु के सहस्र नाम बताते हैं लेकिन मेरे लिए प्रकृति में जितने जीव हैं उन सबमें ईश्वर है इसलिए उन सबके नाम ईश्वर के ही नाम हैं. वे कहते हैं, `ईश्वर के हजार नाम हैं या कहिए कि वह अनाम है. उसे कोई राम कहता है, कोई कृष्ण, दूसरे लोग उसे रहीम या फिर गॉड कहते हैं. जिस प्रकार सभी आहार सभी लोगों को माफिक नहीं आते उसी प्रकार सारे नाम सभी को प्रिय नहीं लगते.'

हृदय में राम का वास: गांधी कहते हैं कि आराधना या प्रार्थना होठों से नहीं हृदय से करनी चाहिए. वे राम के अनन्य भक्त हनुमान का उदाहरण देते हुए कहते हैं, `राम हनुमान के केवल होठों पर नहीं थे, वे उनके हृदय में विराजमान थे. भगवान ने हनुमान को अपार शक्ति दी. इस शक्ति के बल पर उन्होंने पर्वत उठाया और समुद्र लांघ गए.' शायद हनुमान की यह उपमा स्वयं गांधी पर भी सटीक बैठती है. गांधी के हृदय में राम का ही वास था और इसीलिए उन्होंने उस ब्रिटिश साम्राज्य को परास्त किया, वह भी चरखा, नमक और सत्याग्रह जैसे हथियार से.

राम ही अवलंब: अपने राम संबंधी विमर्श में गांधी कहते हैं, `जब मैं बच्चा था तो मेरी परिचारिका ने मुझे सिखाया था कि जब भी मुझे भय लगे या कष्ट हो रहा हो तो राम नाम का जाप करूं. बढ़ते ज्ञान और ढलती उम्र के बावजूद, वह आज भी मेरी प्रकृति का अंग बना हुआ है. मैं यहां तक कह सकता हूं कि अगर वस्तुतः मेरे होठों पर नहीं तो मेरे हृदय में चौबीसों घंटे राम नाम रहता है. यही मेरा अवलंब है. विश्व के धार्मिक साहित्य में तुलसीकृत रामायण का प्रमुख स्थान है. मुझे महाभारत और यहां तक कि वाल्मीकि रामायण ने भी इतना आकर्षित नहीं किया.'

सभी धर्मों के राम: गांधी कभी राम के सगुण रूप को स्वीकार करते हुए हिंदू समाज को अपने साथ जोड़ते हैं तो कभी उनके निर्गुण रूप से अपना नाता जोड़ते हुए उन्हें सभी धर्मानुयायियों के लिए स्वीकार्य बना देते हैं. एक जगह वे कहते हैं, `मेरे राम मेरी प्रार्थनाओं के राम, वे ऐतिहासिक राम नहीं हैं जो अयोध्या नरेश दशरथ के पुत्र थे. मेरा राम शाश्वत, अजन्मा और अद्वितीय राम है. मैं केवल उसी राम की आराधना करता हूं. मैं केवल उसका अवलंबन चाहता हूं और वही आपको भी करना चाहिए. वह सबके लिए बराबर है. इसलिए मैं नहीं समझ पाता कि मुसलमान या कोई और धर्मावलंबी उसका नाम लेने से आपत्ति कैसे कर सकता है? हां, वह ईश्वर को राम नाम से ही पहचानने के लिए बाध्य नहीं है.''

लेकिन इससे आगे वे सगुण राम को स्वीकार करते हुए कहते हैं, `मेरे लिए दशरथ पुत्र, सीता पति राम सर्वशक्तिमान तत्व हैं जिसका नाम हृदय में धारण करने से सभी मानसिक, नैतिक और भौतिक व्याधियां दूर हो जाती हैं.'

अद्भुत है यह रिश्ता: रामनाम और हृदय की निर्मलता के बीच गांधी किस तरह से रिश्ता कायम करते हैं यह देखने लायक है. वे कहते हैं, `यह निश्चय ही कहा जा सकता है कि अगर हृदय निर्मल हो तो रामनाम की जरूरत ही नहीं है. बस यह है कि मुझे रामनाम के अलावा हृदय को निर्मल करने का कोई उपाय ज्ञात नहीं है.' रामनाम से गांधी का यह रिश्ता अद्भुत है. इसमें कई बार अंतर्विरोध भी मिलेंगे. लेकिन उन्हें ध्यान से पढ़ने और देखने पर यह अंतर्विरोध मिटते जाते हैं. कई बार गांधी रामकथा के कुपाठ की ओर भी इशारा करते हैं. जैसे कि वे एक लेख लिखकर विभीषण के चरित्र का बचाव करते हैं. भले ही रामचरितमानस में विभीषण राम के अनन्य भक्त हैं लेकिन लोकजीवन में हर कोई विभीषण का अर्थ गद्दार से लगाता है. इस पर गांधी विभीषण का बचाव करते हैं कि वे सत्य की रक्षा के लिए अपने राज्य और भाई से भी विद्रोह कर बैठे. इसलिए रामनाम और रामकथा के साथ गांधी का रिश्ता ध्यान देने लायक है और वह हमें धीरे धीरे सत्य की ओर ले जाता है. शायद वही ईश्वर की ओर की गई यात्रा है.

(हम समवेत से साभार)

सुशासन, रामराज्य और राम मंदिर

नितेश कुमार मिश्रा

आज के इस लेख की शुरुआत हम सबसे पहले जय श्रीराम के नारे के साथ करते हैं. जय श्रीराम यह महज एक नारा नहीं अपितु पूरे देश के साथ-साथ संपूर्ण विश्व को एक सूत्र में बांधने का एक माध्यम है. पिछले दिनों अरब के शेख को भी मोरारी बापू के राम कथा के मंच पर अपने अभिभाषण की शुरुआत जय श्रीराम के नारे के साथ करते हुए देखा गया.

विदेशों में भी जय श्रीराम का नारा: अरब, जो पूरी तरह से मुस्लिम बहुल क्षेत्र है और वहां के शेख द्वारा जय श्री राम कहना यह साबित करता है कि यह नारा न सिर्फ भारत में बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी बड़े उत्साह के साथ अपनाया जा रहा है. अगर हम इस जय श्री राम के नारे की बात करें तो इतिहास में इसका सबसे ज्यादा चलन श्रीराम द्वारा लंका विजय के दौरान वानर सेना द्वारा श्रीराम सेतु के निर्माण के वक्त किया गया. श्रीराम की सेना समुद्र पर सेतु निर्माण के लिए श्रीराम का नाम पत्थरों पर लिखकर डाला करती थी, जिसके प्रभाव से समुद्र में पत्थर तैरने लगते थे और सेतु का निर्माण आसानी से होता चला गया और तभी से इस नारे का महत्त्व ज्यादा चलन में आया और एक बड़े जन-समूह द्वारा अपनाया गया.

लंका विजय के पश्चात श्रीराम अयोध्या लौटे और वहां के राजा बने. अपने शासन काल में उन्होंने जो जनता के लिए कार्य किये, वो भी समाज का आदर्श उदाहरण सिद्ध हुए, जिसे रामराज्य कहा गया. और इसी रामराज्य की परिकल्पना को अपनाने की बात 1947 में अंग्रेजों से देश को आजादी मिलने के बाद उस समय के महान नेताओं और राजनीतिज्ञों द्वारा की गयी, खासकर गांधीजी द्वारा.

सुशासन का अर्थ है रामराज्य: आजादी के बाद हमारे देश में शासन की लोकतंत्रात्मक व्यवस्था अपनायी गयी. वास्तव में, लोकतंत्रात्मक शासन व्यवस्था इसी रामराज्य का ही एक परिमार्जित रूप है.वर्तमान समय में रामराज्य का प्रयोग सर्वोत्कृष्ट शासन या आदर्श शासन के प्रतीक के तौर पर किया जाता है. जब देश में सुशासन शब्द का प्रयोग किया गया, तो इसके अर्थ को जन-साधारण तक सरल भाषा में समझाने के लिए भी इसी रामराज्य शब्द को ही प्रचलित किया गया. सुशासन को और अधिक अच्छे से समझने के लिए हम कह सकते हैं कि शासन का अच्छे तरीके से क्रियान्वयन करना ही सुशासन है, जिसमें विधि का शासन, समानता, जन-भागीदारी, बहुमत, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, निष्पक्ष आकलन जैसी विशेषताओं का समावेश होता है और यदि हम श्रीराम के शासन के काल को पढ़ेंगे, तो पायेंगे कि ये सारी विशेषताएं उनके शासन काल में विद्यमान थीं. अर्थात सरल भाषा में सुशासन का अर्थ रामराज्य है और रामराज्य का अर्थ सुशासन. अतः सुशासन और रामराज्य एक-दूसरे के पर्याय हैं. इस रामराज्य की जानकारी हमें रामायण और रामचरितमानस जैसे ग्रंथों से हुई. ये रामायण और रामचरितमानस सिर्फ ग्रंथ नहीं हैं बल्कि ये समाज के संविधान हैं. और इसकी विशेषताओं और विचारों को समझने के लिए, साथ ही, एक बड़े जन-समूह पर शासन को कैसे क्रियान्वित किया जाए, इसकी जानकारी फैलाने के उद्देश्य से रामलीला का मंचन प्राचीन काल से किया जाता रहा है और वर्तमान समय में भी नवरात्रि के मौके पर देश के विभिन्न क्षेत्रों में रामलीला का मंचन किया जाता है.

22 जनवरी को श्रीराम का प्राण-प्रतिष्ठा के साथ मंदिर आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा. जब लोग यहां आयेंगे तो इस क्षेत्र का विकास भी अधिक होगा और रोजगार के अवसर भी दिन-प्रतिदिन बढ़ेंगे. श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का जो मुहूर्त तय हुआ, इसका असर देश के विभिन्न भागों में गर्भवती महिलाओं में भी देखा जा रहा है. हम कुछ चुनिंदा गर्भवती महिलाओं की बात कर रहे हैं, जिनके प्रसव का डेट 22 जनवरी के आस-पास डॉक्टरों द्वारा बताया गया था, ये महिलाएं डॉक्टरों से श्रीराम के प्राण-प्रतिष्ठा वाले दिन ही प्रसव कराने की विनती कर रही हैं ,भले ही इसके लिए इन्हें सिजेरियन ऑपरेशन ही क्यों न कराना पड़े. इस प्रकरण से स्पष्ट होता है कि आज के इस आधुनिक युग में भी जहां विज्ञान पुरातन और धार्मिक तथ्यों को हमेशा चुनौती देता है, इस आधुनिक काल की माताएं भी श्रीराम के जैसा संतान पाने की इच्छा रखती हैं. इससे एक और बात उभर कर आती है कि ये माताएं अपने बच्चों को श्रीराम के आदर्शों, विचारों, व्यवहार, आचरण एवं कार्यकलाप को अपनाने के लिए भी प्रेरित करेंगी और इन सब में इस मंदिर का अहम योगदान होगा.

पूरे विश्व में होनी चाहिए रामराज्य की स्थापना

डॉ. विनय कुमार गुप्ता

जब जब धरती पर अधर्म होता है उसका नाश करने के लिए ईश्वर का अवतार होता है.अभी ऐसा अवसर नहीं आया है कि भगवान या ईश्वर का अवतार हो लेकिन वर्तमान समय में विश्व के पटल पर भारत की पवित्र भूमि पर सरयू नदी के किनारे राम भूमि पर लंबे अरसे के बाद भगवान राम के मंदिर का भव्य उद्घाटन 22 जनवरी 2024 को होने जा रहा है.यह पूरे भारत के लिए ऐतिहासिक दिन तो साबित होने जा रहा है यह पूरे देश के साथ संपूर्ण मानव जाति के लिए गर्व की बात है क्योंकि यह दिन पूरे विश्व के राह को एक उचित मार्ग का दर्शन कराएगा. यह मन्दिर सभी धर्मो, संप्रदायों से ऊपर उठकर पूरे मानव जाति के लिए आदर्श स्थापित करेगा. भारत में इस दिन को भारतीय संस्कृति दिवस घोषित किया जाना चाहिए क्योंकि राम किसी एक धर्म के नहीं थे.उनके जन्म के समय हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, अहुदी आदि धर्म संप्रदाय नहीं थे. सिर्फ़ दो प्रकार के मानव समाज थे.एक धर्म के साथ खड़ा था एक अधर्म के साथ अड़ा था. धर्म का साथ देने वाले में विरोधी रावण के भाई विभीषण को भी सम्मान मिला.लेकिन अधर्म के मार्ग पर चलने वाले प्रकांड विद्वान और शक्ति और धन के संपन्न रावण को निंदा और भर्त्सना प्राप्त हुई.अपने पुत्र के मोह में गलत रास्ते पर चलाने वाले माता कैकई को उनके पुत्र भरत ने ही उन्हें नकार दिया. अपने गुरुजनों से आदर्श समाज की स्थापना की प्रेरणा लेकर अमल में लाया. ऐसे बहुमूल्य, अनमोल गुणों के भंडार, आदर्श समाज के आदर्श राम, भारत ही नहीं विश्व के मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम को कौन अपना नहीं कहेगा?पूरा विश्व अगर राममय हो जाए तो पूरे विश्व से अधर्म का नाश और धर्म की स्थापना हो जायेगी.धर्म की स्थापना का तात्पर्य अच्छे कर्म का विस्तार और बुरे कर्म का विनाश संभव हो सकेगा. जय श्री राम...

रामकथा और फादर कामिल बुल्के

डॉ कमल कुमार बोस

एक आदर्शवादी, धुन के पक्के, दृढ़-नमव्रती, सुधी हिन्दी शोधकर्ता, निष्काम भाव से हिन्दी भाषा-साहिन्य के सेवक ऋषिकल्प फादर कामिल **बुल्के का अप्रतिम शोधकार्य राककथा :** उत्पत्ति और विकास हिन्दी में लिखित हिन्दी का अभूतपूर्व और अनूठा शोध-ग्रंथ है. रामकथा के विकास को उन्होंने अपनी चरम परिणति पर पहुंचाया, एक अद्वितीय काम किया. बाबा बुल्के एक व्यक्ति नहीं, संस्था के रूप में समाद्वत हैं. रामकथा का मूल आधार रामचरितमानस है. राम कथा का विश्वकोषः भारत की सभी भाषाओं एवं दक्षिणपूर्वी एशिया की प्रायः सभी प्रमुख भाषाओं में लिखित रामायणों को विस्तार प्रदान किया. रामकथा के विस्तरण, परिवर्तन, संशोधन का अध्ययन उनकी बड़ी सांस्कृतिक शोध-यात्रा रही. 'रामकथा'-शोधकार्य का विलक्षण उदाहरण है. यह फादर बुल्के की निष्ठा, साधना एवं श्रम का प्रतिफल है. रामकथा का इतिहास सुदीर्घ है. अनेक देशी-विदेशी भाषाओं में लिखित रामकथा देश-विदेश के विभिन्न भूखण्डों में विभिन्न रूपों में प्रचलित है. इससे सम्बद्ध विशाल सामग्रियों का संकलन एवं संयोजन आसान काम नहीं है. इन विपुल सामग्रियों का वर्गीकरण, विवेचन-विश्लेषण एवं विषय का तार्किक एवं न्यायसंगत प्रस्तुतीकरण बाबा बुल्के ने किया है. रामकथा में प्रस्तुत सभी तथ्यों का प्रामाणिक आधार प्रस्तुत किया गया है. फादर बुल्के के चिन्तन में गहराई है, दृष्टि सुलझी हुई है. सामग्रियों के विवेचन-विश्लेषण के बाद फादर बुल्के अपने चिन्तन को एक निष्कर्ष के शिखर पर पहुंचाते हैं. परस्पर विरोधी बातों का उल्लेख कहीं भी नहीं है. डॉ धीरेन्द्र वर्मा ने इस ग्रन्थ को रामकथा सम्बन्धी सभी सामग्रियों का विश्वकोश कहा है.

चार भागों में बंटा है ग्रंथः रामकथा में फादर बुल्के की सत्यान्वेषी प्रतिभा एवं भारतीय भाषा-प्रेम परिलक्षित होता है. सम्पूर्ण ग्रन्थ में चार प्रमुख भाग हैं. सभी भागों में प्राचीन एवं अर्वाचीन रामकथा साहित्य का निरूपण किया गया है. रामकथा की सामग्री कितनी व्यापक है, कितनी गहरी और वैविध्यपूर्ण है, इसका प्रमाण यहां मिलता है. व्यापक प्रसार तो है ही, साथ ही कथानक में परिवर्द्धन एवं परिवर्तन भी होते रहे, परिणमस्वरूप विविध रामकथाओं की उत्पत्ति हुई और ये सभी रामकथाएं एक दूसरे से भिन्न प्रतीत होती है. द्वितीय भाग में रामकथा की उत्पत्ति और प्रारम्भिक विकास के मूल स्रोतों से जुड़ी विद्वत्मण्डली में फैली भ्रामक धारणाओं का जिक्र है, साथ ही भ्रामक धारणाओं का खंडन कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया है. चतुर्थ भाग में वाल्मीकि रामायण की कथावस्तु के क्रमानुसार रामकथा के विभिन्न कथा-भागों के विकास का वर्णन किया गया है. उपसंहार में रामकथा की व्यापकता का उल्लेख है, विभिन्न प्रभावों एवं विकास की सम्यक प्रस्तुति है. निश्चित रूप से रामकथा का यह सम्पूर्ण प्रयास बाबा बुल्के के अगाध पांडित्य एवं अन्वेषी वृत्ति का प्रतिफलन है. इस ग्रन्थ को रामकथा का विश्वकोश कहा गया है. फादर बुल्के ने रामकथा के देशी-विदेशी प्रणेताओं को पढ़ा, विश्लेषणात्मक अध्ययन किया, ये सभी आलेख उनके मार्गदर्शक बने. सत्य का अन्वेषण करते हुए फादर बुल्के की तटस्थता एवं उनकी संतुलित दृष्टि काफी सहायक हुई है. फादर बुल्के बौद्धिक शक्ति-सम्पन्न सत्यानुरागी हैं और सत्य के अन्वेषक भी. वैज्ञानिक विश्लेषण के साथ समग्रता में सत्य की उपस्थापना उनका लक्ष्य रहा है. फादर बुल्के की पैनी शोध दृष्टि सम्पूर्ण बाह्याचारों को भेदकर अन्तर्निहित सत्य का अवलोकन करती है. सजग प्रहरी की भांति अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए फादर बुल्के ने रामकथा के मूल स्रोतों की खोज की एवं अनेक देशी-विदेशी विद्वानों के मन में बैठी भ्रामक धारणाओं का खंडन कर सत्य को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि- ''सदियों से यह बात प्रसिद्ध है कि वाल्मीकि रामायण रामकथा का सबसे पहला महाकाव्य है. लेकिन इस बात के बड़े स्पष्ट प्रमाण मिलते हैं कि यह कथा जनसाधारण के बीच वाल्मीकि से पहले ही प्रचलित थी. यह गाथाओं या गीतों के रूप में सुनी-सुनाई जाती थी. और इस प्रकार इसका स्वरूप आख्यान काव्य का था. बौद्ध त्रिपिटक, महाभारत और वाल्मीकि रामायण के अनुशीलन से पता चलता है कि राम सम्बन्धी आख्यान काव्य की उत्पत्ति वैदिक काल के बाद, लेकिन चौथी शताब्दी ईपू से कई शताब्दियों पहले हुई."

राम कथा का विकासः "रामकथा" ग्रन्थ का सबसे महत्वपूर्ण एवं विस्तृत भाग है - इसका चतुर्थ भाग है रामकथा का विकास. इस भाग में रामायण के विभिन्न काण्डों के विविध प्रसंगों का कथात्मक विकास प्रस्तुत किया गया है. शोध-प्रबंध का यह भाग विस्तृत है, लगभग साढ़े चार सौ पृष्ठों का है. इसमें सभी प्रसंगों एवं घटनाओं का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया गया है. विभिन्न रचनाओं में एक ही घटना के प्रस्तुतीकरण में कैसे भिन्नता आती है, इसका उल्लेख भी किया गया है. जैसे कहीं सीता को भूमिजा कहा गया है, कहीं जनकपुत्री हैं, तो कहीं रावण की कन्या के रूप में स्वीकृत हैं. विवरण विवेचन से युक्त यह भाग फादर बुल्के के चिन्तन, विश्लेषण एवं गहन अध्ययन का साक्षी है. उपसंहार अन्तिम अध्याय है, इसमें रामकथा की व्यापकता एवं गहनता का प्रमाण मिलता है. विभिन्न राम कथाओं में व्याप्त मूलभूत एकता भी परिलक्षित होती है. फादर बुल्के का निवेदन है कि रामकथा-विषयक आख्यान काव्य का एक ही मूलस्रोत रह जाता है- एक ऐतिहासिक घटना.

श्री राम कोई ... धर्म नहीं, श्री राम ... एक आस्था, श्री राम ... एक शक्ति, श्री राम ... विश्वास

समस्त देशवासियों को राम लल्ला की प्राण प्रतिष्ठा पर हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं

शुभकामनाओं सहित
Bitty Balpan Play School (BBPS)

• Road No. 05 Indrapuri Colony, Ranchi, Jharkhand
• Just beside of Birsa Institute of Technology (Trust) Getlatu, behind BSNL Training centre Ranchi
ph no. 9470193642, 9905011011, 9931080111

प्रणव अनामया
प्रधानाध्यापक

PREM INDUSTRIES
Inspiring desire for your dream home
SEWA SADAN ROAD, RANCHI-834001
Mob. : 7050475544, 7323975555, 0651-2200316

शुभकामनाओं सहित
डॉ. प्रदीप कुमार
प्रबंध निदेशक
क्रेडल इन हॉस्पिटैलिटी प्रा. लि., हरमू रांची-2

शुभकामनाओं सहित
हर घर दीप जलाना है, मिल-जुल कर त्योहार मनाना है
झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं एक्टर डायरेक्टर मोनू राज जी ने झारखंड के सभी कलाकारों से अनुरोध किया है कि 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर घर-घर दीप जलाए और इस दिन को एक त्यौहार के रूप में मनाएं.

मोनू राज
JCAA अध्यक्ष

शुभकामनाओं सहित

संतु
बजरंग दल सदस्य

शुभकामनाओं सहित
टुन्ना उपाध्याय
निदेशक
हर्ष रेसीडेन्सी
नियर स्वर्णरेखा पुल, हटिया-2

अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर तमाम राम भक्तों को शुभकामनाएं
सुरेंद्र प्रसाद सिंह
अध्यक्ष
श्री सूर्यनारायण पूजा समिति, लातेहार

BALAJEE UDYOG
The Mark of Excellence
bathsense ASTRAL M-seal Racold
Plot No. 766, Old H. B. Road, Sadhu Maidan, Kokar, Ranchi
Mob : 93869-09008, 95342-07055
E-mail : balajee_udyog@rediffmail.com

अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर तमाम राम भक्तों को शुभकामनाएं
सीतामनी तिर्की
निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष
लातेहार

अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर तमाम राम भक्तों को शुभकामनाएं
राजेश प्रसाद गुप्ता उर्फ भोला
अध्यक्ष
श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर, लातेहार

अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर तमाम राम भक्तों को शुभकामनाएं
आशीष टैगोर
सचिव
श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर, लातेहार

अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर तमाम राम भक्तों को शुभकामनाएं
बद्री प्रसाद
उपाध्यक्ष
श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर, लातेहार

जय श्री राम

अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर तमाम राम भक्तों को शुभकामनाएं
राजेश कुमार अग्रवाल
संरक्षक
राधाकृष्ण मंदिर, लातेहार

श्री राम मंदिर
22 जनवरी 2024

क्षेत्रीय शांति को खतरा

एक ओर रूस-यूक्रेन तथा इज़रायल-फिलीस्तीन संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, दूसरी तरफ़ भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और ईरान के बीच टकराव शुरू हो गया है, जो विश्व शांति के लिए बड़ा खतरा बन सकता है. वैसे ईरान ने इसी के साथ अपने दो और मुल्कों पर हमले किये हैं. ये देश हैं सीरिया और इराक. इन हमलों की गम्भीरता को देखते हुए सुलह के प्रयासों की तत्काल ज़रूरत आन पड़ी है. पहले उल्लेखित संघर्षरत मुल्कों के बीच युद्धों के अपने-अपने कारण हैं, परन्तु ताज़ा लड़ाई (ईरान-पाक) की वजह एक दूसरे पर आतंकवाद को बढ़ावा देना है. दोनों देशों के बीच तल्खी इस कदर बढ़ गई कि दोनों ने एक दूसरे के उच्चायुक्तों को अपदस्थ कर दिया है. वैसे युद्ध जिस भी कारण से हो रहा हो, आवश्यक है कि दोनों देश परस्पर संवाद से समस्या का निदान ढूंढ़ें. पाकिस्तान पर ईरान का तो आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप है ही, खुद पाकिस्तान का कहना है कि ईरान में सक्रिय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फोर्स (बीएलएफ) को उस देश के द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है, जो पाकिस्तान में सरकार विरोधी कार्रवाइयां कर रहे हैं. पाकिस्तान ने कथित रूप से इन्हीं संगठनों के ठिकानों पर हमले किये हैं. पाकिस्तान की उत्तर में बलूचिस्तान स्थित है, जिसकी सीमा अफ़गानिस्तान से लगती है और पश्चिम में ईरान से सटी हुई है. प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध बलूचिस्तान को उसके इस संसाधन का लाभ नहीं मिल पाता और वहां से निकलने वाले खनिजों का फायदा पाकिस्तान के पंजाब इलाकों को ज्यादा मिलता है. इसलिए बलूचिस्तान के लोग सरकार से नाराज़ हैं और वे अलग होने की मांग तक करते आये हैं. जबसे पाकिस्तान ने इन खनिजों को चीन के लिए भी खोल दिया है, बलूचियों की नाराज़गी और ज्यादा बढ़ गई है. बीएलए और बीएलएफ जैसे संगठन पाकिस्तानी व चीनी सेना के जवानों को निशाना बना रहे हैं. ईरान का मानना है कि पाकिस्तान, सीरिया एवं इराक तीनों ही आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं इसलिए उसने अपने हितों की रक्षा के लिए तीनों मुल्कों पर हल्ला बोला है. दावोस में जारी वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम में हिस्सा ले रहे ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि जैश-अल-अदल पाकिस्तान की धरती से ईरान के खिलाफ सक्रिय आतंकी संगठन है. ईरान लम्बे समय से कहता आया है कि पाकिस्तान उनके देश के खिलाफ काम कर रहे आतंकी समूहों को पनाह और प्रोत्साहन देता है. कई कार्रवाइयों की उसने जिम्मेदारी भी ली है. इसने ईरान में 2013 में बड़ा हमला किया था. ईरान के अलावा अमेरिका, जापान, न्यूजीलैंड आदि कई देशों ने इसे आतंकवादी संगठनों की सूची में डाल रखा है. वैसे दोनों देशों (ईरान-पाकिस्तान) के बीच कभी नरम तो कभी गरम वाले सम्बन्ध होते हैं. कुछ अरसा पहले दोनों देशों ने संयुक्त युद्धाभ्यास भी किया था, लेकिन आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे मामलों को लेकर खटास भी हो जाती है. हाल के वर्षों में रिश्ते इस कदर बिगड़ जाने की मुख्य वजह बलूचिस्तान के सीमावर्ती शहर पंजगुर में जैश-अल-अदल को शरण मिलना है.

> ईरान का मानना है कि पाकिस्तान, सीरिया एवं इराक तीनों ही आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं इसलिए उसने अपने हितों की रक्षा के लिए तीनों मुल्कों पर हल्ला बोला है.

सुभाषित

जाड्यं धियो हरति सिंचति वाचि सत्यं, मानोन्नतिं दिशति पापमपा करोति ।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं, सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम् ।।

अच्छे दोस्तों का साथ बुद्धि की जटिलता को हर लेता है, हमारी बोली सच बोलने लगती है, इससे मान और उन्नति बढ़ती है और पाप मिट जाते है. चित्त को प्रसन्न करता है और हमारी कीर्ति को सभी दिशाओं में फैलाता है. कहें, सत्संगति मनुष्यों का कौन सा भला नहीं करती.

आइए, राम-राज्य की स्थापना का व्रत लें

आज श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से भारत भूमि की शुभता-धन्यता पूर्ण हो रही है. प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से एक बार फिर राष्ट्र राम-राज्य की ओर अग्रसर होगा. राष्ट्र के जन दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्त होंगे. सकल जन का कल्याण होगा. दुष्टों और समाज-राष्ट्रद्रोहियों और विरोधियों का पतन होगा. भगवान श्रीराम साक्षात परब्रह्म ईश्वर है. संसार के समस्त पदार्थों के बीज हैं. संसार के सूत्रधार हैं. वैदिक सनातन धर्म की आत्मा और परमात्मा हैं. उनकी प्राण-प्रतिष्ठा से भारत का भाग्योदय होगा.

• देश-काल

अरविंद जयतिलक

पांआज अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की पुण्यबेला में देश राममय है. अयोध्या में त्रेता युग उतर आया है. चतुर्दिक रामनाम की गूंज से प्रकृति का कण-कण ध्वनित और रोमांचित है. शताब्दियों की अधूरी आस पूरी हो रही है. सनातन संस्कृति के महा प्रतिमान और लोक जीवन के आराध्य भगवान श्रीराम भारत राष्ट्र की आत्मा हैं. आज भारत राष्ट्र की आत्मा की ही प्राण-प्रतिष्ठा है. इस पुनीत पुण्यबेला में लोकमंगलकारी राजीव नयन भगवान श्रीराम को शत-शत प्रणाम. कई सहस्त्राब्दियों पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम का प्राकट्य हुआ था. तब निर्मल आकाश देवताओं के समूहों से भर गया था. गन्धर्वों का दल प्रभु श्रीराम के गुणों का गान कर रहे थे. आकाश में घमाघम नगाड़े बज रहे थे. नाग, मुनि और देवता प्रभु श्रीराम की स्तुति और आराधना में जुटे थे. आज अयोध्या समेत संपूर्ण राष्ट्र में वैसा ही राममय वातारण निर्मित है. रामनाम शब्द के प्रस्फुटन, कीर्तन, यज्ञ, हवन-पूजन से त्रेता युग चरितार्थ हो रहा है. भगवान श्रीरामलला का भव्य-दिव्य मंदिर छटाओं से अलंकृत है. आज श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से भारत भूमि की शुभता-धन्यता पूर्ण हो रही है. प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से एक बार फिर राष्ट्र राम-राज्य की ओर अग्रसर होगा. राष्ट्र के जन दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्त होंगे. सकल जन का कल्याण होगा. दुष्टों और समाज-राष्ट्रद्रोहियों और विरोधियों का पतन होगा. भगवान श्रीराम साक्षात परब्रह्म ईश्वर है. संसार के समस्त पदार्थों के बीज हैं. संसार के सूत्रधार हैं. वैदिक सनातन धर्म की आत्मा और परमात्मा हैं. सद्गुणों के भंडार हैं. उनकी प्राण-प्रतिष्ठा से भारत का भाग्योदय होगा. भारतीय जनमानस भगवान श्रीराम के जीवन पद्धति को अपना उच्चतर आदर्श और पुनीत मार्ग मानता है. शास्त्रों में भगवान श्रीराम को लोक कल्याण का पथप्रदर्शक और विष्णु के दस अवतारों में से सातवां अवतार कहा गया है. शास्त्रों में कहा गया है कि जब-जब धरती पर अत्याचार बढ़ता है तब-तब भगवान श्रीराम धरा पर अवतरित होकर दुष्टों का संहार करते हैं. वे शिवजी के परम पूज्य और प्रियतम अतिथि हैं. संसार भी भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम मानता है. वे एक आदर्श भाई, आदर्श स्वामी और प्रजा के लिए नीति कुशल व न्यायप्रिय राजा हैं. भगवान श्रीराम का रामराज्य जगत प्रसिद्ध है. हिंदू सनातन संस्कृति में भगवान श्रीराम द्वारा किया गया आदर्श शासन ही रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है. रामराज्य में कोई भी अल्पमृत्यु और रोगपीड़ा से ग्रस्त नहीं था. सभी जन स्वस्थ, गुणी, बुद्धिमान, साक्षर, ज्ञानी और कृतज्ञ थे. वैश्विक स्तर पर रामराज्य की स्थापना गांधी जी की भी चाह थी. गांधी जी ने भारत में अंग्रेजी शासन से मुक्ति के बाद ग्राम स्वराज के रुप में रामराज्य की कल्पना की थी. आज भी शासन की विधा के तौर पर रामराज्य को ही उत्कृष्ट माना जाता है और इसका उदाहरण दिया जाता है. संसार भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम मानता है. इसलिए कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सत्य और मर्यादा का पालन करना नहीं छोड़ा. पिता का आदेश मान वन गए. भगवान श्री राम को कर्तव्यपरायणता के कारण भारतीय सनातन परिवार का आदर्श प्रतिनिधि कहा जाता है. उन्होंने लंकापति रावण का वध कर मानव जाति को संदेश दिया था कि सत्य और धर्म के मार्ग का अनुसरण कर जगत को आसुरी शक्तियों से मुक्त किया जा सकता है. राम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परंपरा 'रघुकुल रीति सदा चलि आई, प्राण जाई पर बचन न जाई' की थी. इसीलिए पिता का वचन मानकर वे जंगल को गए. उन्होंने अपने पराक्रम से दण्डक वन को राक्षस विहीन किया और साधु-संतों की सेवा की. उन्होंने गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या का उद्धार किया तथा पराई स्त्री पर कुदृष्टि रखने वाले बालि का संघार कर संसार को स्त्रियों के प्रति संवेदनशील होने की सीख दी. जंगल में रहने वाली शबरी माता को नवधा भक्ति का ज्ञान दिया. उन्होंने नवधा भक्ति के जरिए दुनिया को अपनी महिमा से सुपरिचित कराया. उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुझे वहीं प्रिय हैं जो संतों का संग करते हैं. मेरी कथा का रसपान करते हैं. जो इंद्रियों का निग्रह, शील, बहुत कार्यों से वैराग्य और निरंतर संत पुरुषों के धर्म में लगे रहते हैं. जगत को समभाव से मुझमें देखते हैं और संतों को मुझसे भी अधिक प्रिय समझते हैं. उन्होंने शबरी को यह भी समझाया कि मेरे दर्शन का परम अनुपम फल यह है कि जीव अपने सहज स्वरुप को प्राप्त हो जाता है. भगवान श्रीराम सभी प्राणियों के लिए संवेदनशील थे. उन्होंने पंपापुर के वन्य जातियों को स्नेह से सींचित कर अपना मित्र बनाया. भगवान श्रीराम और वानरराज सुग्रीव की मित्रता आदर्श मित्रता का अनुपम उदाहरण है. पवनपुत्र हनुमान भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त हैं. उन्होंने कहा है कि कुलीन न होते हुए भी भगवान श्रीराम ने मुझ जैसे सभी गुणों से हीन जीव को अपनाया. अधम प्राणी जटायु को पिता तुल्य स्नेह प्रदान कर जीव से जंतुओं के प्रति मानवीय आचरण को भलीभांति निरुपित किया. समुद्र पर सेतु बांधकर वैज्ञानिकता और तकनीकी का अनुपम मिसाल कायम की. उन्होंने समुद्र के अनुनय-विनय पर निकट बसे खलमंडली का संघार किया. पत्नी सीता के हरण के बाद भी अपना धैर्य नहीं खोया. असुराज रावण को सत्य और धर्म के मार्ग पर लाने के लिए हरसंभव प्रयास किया. उसे समझाने के लिए अपने भक्त हनुमान और अंगद को उसके पास लंका भेजा, लेकिन दुष्ट स्वभाव वाले रावण को यह सब रास नहीं आया. स्वयं उसके भाई विभीषण ने माता सीता को प्रभु श्रीराम को सौंपने के लिए अनुनय-विनय किया, लेकिन रावण माता सीता को वापस करने के लिए तैयार नहीं हुआ. उल्टे उसने विभीषण को अपमानित कर लंका से निर्वासित कर दिया. विभीषण भगवान श्रीराम के शरणागत हुए. अंततः प्रभु श्रीराम ने असुरराज रावण का वध कर पृथ्वी को उसके अत्याचारों से मुक्त किया. उन्होंने लंका का राज्य विभीषण को सौंपकर माता जानकी के साथ अयोध्या लौट आए. सही अर्थों में इन लीलाओं के जरिए भगवान श्रीराम ने एक पुत्र, पिता, पति, भाई और एक राजा के तौर पर जगत को संदेश दिया कि एक आदर्श, निष्पक्ष और बंधुतापूर्ण आचरण के जरिए ही एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज का निर्माण संभव है. आइए हम सभी ऐसे देदीप्यमान भगवान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की पुण्यबेला में राम-राज्य की स्थापना का व्रत लें.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सहिष्णुता

यह एक भ्रामक धारणा है कि भड़ास या क्रोध निस्तारण से तनाव से मुक्ति मिलती है. उलट, क्रोध तो तनाव के अन्तहीन चक्र को जन्म देता है. क्योंकि भड़ास निकालने, आवेश अभिव्यक्त करने या क्रोध को मुक्त करने से प्रतिक्रियात्मक द्वेष ही पैदा होता है और द्वेष से तो वैर की परम्परा का ही सर्जन होता है. इस तरह प्रतिशोध की प्रतिपूर्ति के लिए व्यक्ति निरन्तर तनाव में रहता है. क्रोध का इलाज आवेशों को मंद करके, क्रोध के शमन या दमन में ही है. क्षमा ही परमानेंट क्योर है. क्योंकि क्षमा ही वह शस्त्र है, जो वैर के दुष्चक्र को खण्डित करता है. क्षमा के बाद किसी तरह के तनाव-बोझ को नहीं झेलना पड़ता. अर्थात् सहिष्णुता ही तनाव मुक्ति का उपाय है. अहिंसा पर आम सोच बहुत ही सतही होती है. लोग गांधी के चिंतन, 'दूसरा गाल सामने करने' का परिहास करते है. वस्तुतः दूसरा गाल सामने करने का अभिप्राय है, धैर्यपूर्वक सहनशीलता से कोई ऐसा व्यवहार करना जिससे बदले की परम्परा प्रारम्भ होने से पहले ही थम जाय. ईट का जवाब पत्थर से देना तो तात्कालिक सरल और सहज है, किंतु निराकरण तो तब है जब हिंसा-प्रतिहिंसा की श्रंखला बनने से पूर्व ही तोड दी जाय. कईं लोगों के मानस में हिंसा और अहिंसा की अजीब अवधारणा होती है, वे सभी से हर हाल में अपने साथ तो अहिंसक व्यवहार की अपेक्षा रखते है, दूसरे किसी आक्रोशी को सहनशीलता का पाठ पढा लेते है, दूसरे लोगों के धैर्य सहित शिष्टाचार की भूरि भूरि प्रशंसा भी करते है. किन्तु अपने साथ पेश आती, जरा सी प्रतिकूलता का प्रतिक्रियात्मक हिंसा से ही जवाब देना उचित मानते है. सभी से सहिष्णु व्यवहार तो चाहते है, किन्तु अन्याय अत्याचार का जवाब तो त्वरित प्रतिहिंसा से ही देना उपयुक्त मानते है. हिंसा की प्रतिक्रिया हिंसा से न हो तो उसे कायरता मान बैठते है. अधैर्य से, सहिष्णुता एक ओर फैक कर, अतिशीघ्र क्रोध के अधीन हो जाते हैं और प्रतिहिंसा का दामन थाम लेते हैं. जबकि सबसे ज्यादा, उसी पल-परिस्थिति में क्षमा की आवश्यकता होती है. स्वार्थी सुध-बुध का आलम यह है कि यदि कोई उन्हें धैर्य की सलाह देकर, सहिष्णु बनने का आग्रह करे और अहिंसा अपनाने को प्रेरित करे तो उस सद्वचन में भी लोगों को आक्रमक वैचारिक हिंसा नजर आती है. ऐसे ही लोगों को क्षमा सदैव कायरता प्रतीत होती है. प्रतिक्रियात्मक हिंसा ही उन्हें प्रथम व अन्तिम उपाय समझ आता है. यह सोच, प्रतिशोध शृंखला को जीर्ण शीर्ण नहीं होने देती और शान्ति का मनोरथ कभी भी पूर्ण नहीं हो पाता. क्रोध प्रेरित द्वेष के साथ साथ, कभी-कभी ईर्ष्या जनित द्वेष भी पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों के कारण बनते है. राग की भांति द्वेष भी अंधा होता है.

प्रदूषण की चपेट में समूची दुनिया

• पर्यावरण

ज्ञानेन्द्र रावत

समूची दुनिया प्रदूषण की भीषण चपेट में है. दुनिया के कई शहरों और खासकर दक्षिण एशिया के 18 शहरों में वायु प्रदूषण की भयावह स्थिति ने सबको हैरत में डाल दिया है. दुनिया में खराब वायु गुणवत्ता के कारण हर साल तकरीबन 60 लाख से कहीं ज्यादा लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं. वहीं वायु प्रदूषण से कई जानलेवा बीमारियां पैदा होती हैं. यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि जहां तक दक्षिण एशियाई देशों का सवाल है, यहां के विकसित शहरों में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों का आंकड़ा डेढ़ लाख को पार कर गया है. आशंका व्यक्त की है कि एशिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के 18 शहरों में रहने वाले लाखों लोगों की मौत वायु प्रदूषण के चलते समय से पहले हो सकती है.शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने नासा से जुटाये गये आंकड़ों के आधार पर प्रदूषण संबंधी मौतों के लिए नाइट्रोजन डाइआक्साइड, अमोनिया, कार्बन मोनोक्साइड जैसे प्रदूषकों के अलावा हानिकारक सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 को जिम्मेदार बताया है. यदि आने वाले छह दशकों में वायु प्रदूषण की यही स्थिति बरकरार रही तो लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग समय पूर्व अपनी जान गंवा देंगे. गौरतलब है कि पीएम 2.5 के लम्बे समय तक संपर्क में रहने के कारण अकेले 2005 में दक्षिण एशियाई शहरों में डेढ़ लाख लोग और दक्षिण पूर्व एशियाई शहरों में तकरीबन 53 हजार मौतें हुई थीं. भारत को वायु प्रदूषण से हर साल 114 खरब रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है. बीते साल स्विट्ज़रलैंड की संस्था आईक्यू एयर ने अपनी वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट में भारत को 2022 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश बताया था. दुनिया के सबसे प्रदूषित 50 शहरों में उस समय 39 शहर भारत के थे. यदि हम अंतरराष्ट्रीय मानकों या दिशा-निर्देशों के हिसाब से देखें तो पाते हैं कि वाकई हमारे शहरों में सीमा से बहुत ज्यादा प्रदूषण है. शहर तो शहर, अब गांव भी इससे अछूते नहीं. अक्सर प्रदूषण कम करने की बाबत शहरों में ही प्रयास किये जाते हैं. जो योजनाएं बनती हैं वे भी शहर केन्द्रित ही होती हैं. वायु प्रदूषण जहां बच्चों के मस्तिष्क के विकास के लिए भीषण खतरा बन गया है, वहीं बच्चों में तेजी से बढ़ रहे अस्थमा का भी कारण बन रहा है. शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद धुएं-धूल के बारीक कण बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो रहे हैं. इसका सबसे ज्यादा असर उन बच्चों में पाया जाता है, जो कम विकसित शहरी इलाकों या पिछड़े इलाकों में रहते हैं. ईस्ट एंजीलिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जान स्पेंसर द्वारा किये अक्तूबर, 2017 से जून, 2019 के बीच 215 बच्चों के विज़न, स्मृति, विजुअल प्रक्रिया के विश्लेषण से खुलासा हुआ कि बच्चे में संज्ञानात्मक समस्या का संबंध खराब वायु गुणवत्ता से है. स्पेंसर के अनुसार, हवा में मौजूद हानिकारक बारीक कण मस्तिष्क में प्रवेश कर उसे नुकसान पहुंचाते हैं. खराब वायु गुणवत्ता के चलते होने वाली संज्ञानात्मक समस्याएं दो साल तक के बच्चों के लिए जोखिमभरी होती हैं. दरअसल, प्रदूषण को कम करने की दिशा में जो भी प्रयास होते हैं, वह पीएम पार्टीकल्स पर ही केन्द्रित होते हैं. ओजोन, नाइट्रोजन व अन्य प्रदूषक तत्व शामिल नहीं होते, जबकि इनको भी शामिल किया जाना चाहिए, लेकिन योजनाएं बनाकर और निर्देश देकर कार्य की इतिश्री कर दी जाती है. सर्वेक्षण में कितना काम कहां हुआ, प्रदूषण घटाने में किसकी भूमिका क्या और कितनी रही और उसमें कामयाबी और नाकामी का प्रतिशत कितना रहा, इसका भी आकलन होना चाहिए. सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में शोधकर्ताओं का भी सहयोग लेना चाहिए और प्रदूषण नियंत्रण का दायित्व समन्वित रूप से एक ही विभाग के अंतर्गत होना चाहिए. यह जान लेना कि प्रदूषण सामान्य नहीं, जानलेवा है. क्योंकि हम जहरीली हवा में सांस लेने को विवश हैं. यह कहना गलत है कि प्रदूषण नियंत्रण के देश में उपाय नहीं हो रहे, लेकिन हकीकत में जब-जब प्रदूषण की अधिकता होती है, तब रोकथाम के सारे के सारे प्रयास बड़े शहरों में ही देखे जाते हैं. हकीकत यह भी है कि देश में छोटे-बड़े तकरीबन चार हजार से ज्यादा शहर हैं, लेकिन दुखदायी यह है कि उनमें से ज्यादातर शहरों में प्रदूषण की निगरानी की व्यवस्था ही नहीं है. देश की राजधानी दिल्ली के लोग तो जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं. देश की राजधानी का पीएम 2.5 का स्तर सुरक्षित सीमा से लगभग 20 गुणा से भी ज्यादा है. जहां तक राजनीतिक दलों की बात है, पर्यावरण की बात राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि उनके लिए यह चुनावी मुद्दा नहीं होता. यह कहना ठीक नहीं कि लोग जागरूक नहीं हुए हैं.

> दुनिया के सबसे प्रदूषित 50 शहरों में उस समय 39 शहर भारत के थे. यदि हम अंतरराष्ट्रीय मानकों या दिशा-निर्देशों के हिसाब से देखें तो पाते हैं कि वाकई हमारे शहरों में सीमा से बहुत ज्यादा प्रदूषण है. शहर तो शहर, अब गांव भी इससे अछूते नहीं. अक्सर प्रदूषण कम करने की बाबत शहरों में ही प्रयास किये जाते हैं. जो योजनाएं बनती हैं वे भी शहर केन्द्रित ही होती हैं.

मूर्तिकार अरुण ने दिया अमर कृति को आकार

• सामयिकी

विजय केसरी

अयोध्या में विराजमान होने वाले भगवान राम की बाल रूप मूर्ति की तस्वीर देखकर संपूर्ण देशवासी मोहित हो गए हैं, जबकि रामलला की बाल रूप मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है. भगवान रामलला की मूर्ति की तस्वीर चंद ही मिनटों में संपूर्ण देश में वायरल हो गई. देश के लगभग सभी अखबारों ने भगवान राम की बाल रूप मूर्ति की तस्वीर प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित की है. टेलीविजन पर बाल रूप मूर्ति पर जमकर चर्चा हो रही है. सोशल मीडिया पर लाखों लाख की संख्या में भगवान के इस विग्रह रूप की तस्वीरें पोस्ट की जा रही हैं. रामचंद्र भगवान की जय, जय श्री राम, जय सियाराम जैसे उद्घोष शब्दों से पूरा सोशल मीडिया भरता चला जा रहा है . यह क्रम बढ़ता ही चला जा रहा है. लोग भगवान के इस विग्रह, बाल रूप को बहुत ही श्रद्धा और आनंद के साथ दर्शन कर रहे हैं. टेलीविजन पर जैसे ही भगवान रामलला के इस बाल मोहक रूप की तस्वीर आई, लोग हर काम छोड़कर टेलीविजन से चिपक गए. वही हाल अखबारों में प्रकाशित भगवान रामलला के मोहित बाल रूप को देखकर हुआ है. लोग अखबारों से रामलला की प्रकाशित तस्वीर को काटकर अपने-अपने सुरक्षित स्थानों में रख रहे हैं. इससे पूर्व राम के प्रति इतना क्रेज कभी देशवासियों में नहीं देखा गया है. अयोध्या में 22 जनवरी को प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम ने समस्त देशवासियों को भगवान राम के प्रति विशेष रूप से जागृत कर दिया है. त्रेतायुग में जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम सशरीर लीला कर रहे थे. तब भगवान राम का चेहरा कुछ इस तरह था कि जो भी जन उनको देखते थे, देखते ही रह जाते थे. उन्हें देखकर जड़ चेतन सभी मोहित हो जाया करते थे. संत तुलसीदास ने रामचरितमानस में ऐसा वर्णन किया है कि जो भी भगवान राम का दर्शन करते थे, उनके दर्शन मात्र से उस व्यक्ति के समस्त कष्ट दूर हो जाया करते थे. भगवान राम के दर्शन के बाद व्यक्ति को उनके अलावा कुछ और दिखता ही नहीं था. भगवान राम के चेहरे का लावण्य और आभा ऐसी थी, भोगी से भोगी व्यक्ति भी पंच विकारों से मुक्त होकर भगवान राम के ध्यान में समाहित हो जाया करते थे. रामचरितमानस में ऐसा वर्णन है कि भगवान राम न बहुत गोरे थे. न बहुत सांवले थे. उनका रंग गेहुआ था. भगवान राम का रूप इतना मोहक था, जिसे शब्दों में व्याख्यायित कर पाना कठिन जान पड़ता है. भगवान राम के इस विग्रह रूप को श्याम शीला पर इस खूबसूरती के साथ आकार दिया गया है, एहसास होता है कि अब मूर्ति बोल पड़े. कर्नाटक के एक मूर्ति कलाकार अरुण योगीराज ने पूरी तन्मयता और भक्ति भाव से रामलला की मूर्ति को आकार दिया है. मूर्ति की कारीगरी में अरुण योगीराज ने एक तरह से जान फूंक दी है. इस तरह की कलाकृति सदियों बाद बन पाती है. कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज अपने जीवन में असंख्य मूर्तियों का निर्माण किये होंगे. आगे भी मूर्तियों का निर्माण करते रहेंगे, लेकिन शालिग्राम के इस पत्थर से जब उन्होंने भगवान राम की मूर्ति को आकार दिया, वे सदा सदा के लिए अमर हो गए. उनकी यह कृति भी सदा सदा के लिए अमर हो गई है. कुछ ही पलों में करोड़ों लोगों ने इस मूर्ति के दर्शन कर लिये हैं. आने वाले कुछ ही महीने में भगवान राम के इस विग्रह मूर्ति के दर्शन करने के लिए हर दिन हजारों लाखों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या आएंगे. अरुण योगीराज मूर्तिकार की भगवान राम की यह मूर्ति सदा पूजित होती रहेगी. रामलला की मूर्ति को हिंदू शास्त्र नियमों के अनुसार गर्भ गृह में स्थापित कर दिया गया है. भगवान राम की मूर्ति गर्भ गृह में स्थापित कर दी गई है, यह खबर जैसे ही देश में फैली, संपूर्ण देश में जय श्री राम, जय सियाराम के उद्घोष से गुंजित हो उठा. सर्वविदित है कि भगवान राम का त्रेता युग में चैत्र मास के शुक्ल नवमी के दिन प्रादुर्भाव हुआ था. तब जिस तरह खुशियां मनाई गई थीं, आज संपूर्ण देश में उसी तरह की खुशी की लहर देखी जा रही है. संपूर्ण देश राममय हो उठा है. देश भर के हर के मंदिरों की सफाई की जा रही है. हर मार्ग झाड़ू से साफ किये जा रहे हैं. हर पूजा घर साफ हो रहे हैं. चंहुओर बिजली के बल्ब लगाये जा रहे हैं. हर चौक चौराहों पर तोरण द्वार लगाए जा रहे हैं, विभिन्न प्रकार के मिष्ठान बनाए जा रहे हैं. देशवासी इस पल का इंतजार कर रहे हैं कि कब भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो. उस पल को देखने के लिए संपूर्ण देशवासी लालायित हैं. ऐसा अवसर सदियों बाद आता है. देशवासी ऐसा महसूस कर रहे हैं.

> त्रेतायुग में जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम सशरीर लीला कर रहे थे, तब भगवान राम का चेहरा कुछ इस तरह था कि जो भी जन उनको देखते थे, देखते ही रह जाते थे. उन्हें देखकर जड़ चेतन सभी मोहित हो जाया करते थे. संत तुलसीदास ने रामचरितमानस में ऐसा वर्णन किया है कि जो भी भगवान राम का दर्शन करते थे, उनके दर्शन मात्र से उस व्यक्ति के समस्त कष्ट दूर हो जाया करते थे.

मीडिया में अन्यत्र

कृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही ईदगाह

मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद का मुआयना करने के लिए एक आयुक्त नियुक्त करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अमल पर रोक लगाकर, सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों के जरिए पूजा स्थल की स्थिति में बदलाव लाने के एक संभावित कदम पर कुछ समय के लिए अंकुश लगा दिया है. शीर्ष अदालत ने यह पाने के बाद आयोग की नियुक्ति पर रोक लगा दी है कि इसकी मांग बिना किसी विशेष वजह के अस्पष्ट आधार पर की गई है. उसने एक हालिया उदाहरण को भी ध्यान में रखा, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि मुकदमे की संधार्यता को लेकर कोई सवाल उठने या मुकदमे का कानून द्वारा वर्जित होने की स्थिति में सिविल अदालतों को कोई अंतरिम राहत नहीं देनी चाहिए. शाही ईदगाह मस्जिद की प्रबंधन समिति ने देवता, भगवान श्री कृष्ण विराजमान और अन्य हिंदू उपासकों के नाम पर किए गए इस मुकदमे की संधार्यता पर इस आधार पर सवाल उठाया है कि यह मुकदमा पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम1991 द्वारा वर्जित है. यह अधिनियम किसी भी पूजा स्थल की 15 अगस्त, 1947 वाले धार्मिक चरित्र में बदलाव पर रोक लगाता है. यह पूजा स्थल की स्थिति को बदलने के मकसद से किए जाने वाले किसी नए मुकदमे पर भी रोक लगाता है. हिंदू भक्त दावा करते रहे हैं कि मथुरा के एक कृष्ण मंदिर के बगल में स्थित मस्जिद भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पर अवस्थित है. मथुरा के इस मस्जिद से जुड़े कई मुकदमे लंबित हैं और इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निपटारे के लिए सभी मुकदमों को अपने पास स्थानांतरित कर लिया है. परिसर का मुआयना करने के लिए एक आयोग की नियुक्ति यह दिखाने की एक कवायद जान पड़ी कि वहां हिंदू मूल की स्थापत्य विशेषताएं और कलाकृतियां मिल सकती हैं. इस मामले में कानूनी रणनीति ठीक वैसी ही है, जिसके जरिए हिंदू उपासकों ने वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद, जहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने के लिए कहा गया है, से जुड़े मुकदमे में अपने पक्ष को मजबूत करने हेतु कथित सबूत इकट्ठा करने की आधिकारिक मंजूरी हासिल की थी. हालांकि, मथुरा विवाद को 1968 में श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान और शाही ईदगाह ट्रस्ट के बीच एक समझौते के जरिए सुलझाया गया था और उसपर अमल 1973 में एक अदालती हुक्म (डिक्री) के जरिए किया गया था. समझौते के तहसंस्थान ने जमीन का एक हिस्सा ईदगाह के लिए छोड़ दिया था. मौजूदा मुकदमे इस समझौते को 'धोखाधड़ी' बताते हुए चुनौती देते हैं और भूमि के पूरे हिस्से को देवता को हस्तांतरित करने की मांग करते हैं. **(दहिंदूसे)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भक्ति/विभक्ति

भक्ति में बहुत शक्ति होती है तो विभक्ति में भी कम शक्ति नहीं होती. सनातन धर्म में भक्ति को बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है. वहीं व्याकरण में विभक्ति को. यदि भक्ति न हो तो भगवान नहीं मिल सकते. वहीं विभक्ति का ज्ञान न हो तो भाषा निरर्थक हो जाती है. भक्ति और विभक्ति के बीच अगर समानता है तो वह है बांटने के अर्थ में. इसके अतिरिक्त दोनों के बीच कोई संबंध नहीं है. यहां एक बात स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि भक्ति और विभक्ति दोनों ही संस्कृत मूल के तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द हैं. हिंदी शब्द सागर के अनुसार भक्ति का अर्थ है अनेक भागों में विभक्त करना, बांटना, भाग, विभाग, अंग, अवयव, खंड, विभाग करनेवाली रेखा, सेवा-सुश्रूषा, पूजा, अर्चन, श्रद्धा, विश्वास, रचना, अनुराग, स्नेह, ईश्वर के प्रति अत्यंत अनुराग का होना. इसी प्रकार वर्धा हिंदी शब्दकोश क अनुसार विभक्ति का मतलब है विभक्त या विभाजित करना, बंटवारा, पार्थक्य, व्याकरण के अनुसार कारक का चिह्न. किसी भी वाक्य में प्रयुक्त शब्द आपस में सम्बद्ध होते हैं. क्रिया के साथ संज्ञा का सीधा सम्बन्ध ही कारक है. कारक को प्रकट करने के लिये संज्ञा और सर्वनाम के साथ जो चिह्न लगाया जाता है, उसे विभक्ति कहते हैं. जैसे पेड़ से पत्ते गिर रहे हैं. भाषा को सशक्त बनाने के लिए विभक्ति का ज्ञान आवश्यक है. गौर कीजिए इस वाक्य में पेड़ और पत्ते संज्ञा हैं और गिरना क्रिया. सर्वविदित है कि कारक आठ होते हैं. विभक्ति के साथ कारकों को हम इस प्रकार देख सकते हैं-कर्ता-ने, कर्म-को, करण से, संप्रदान के लिए, अपादान से, संबंध-का के की, अधिकरण में पर और संबोधन-हे अहो अरे. करण और अपादान दोनों की विभक्ति एक ही है-से, लेकिन दोनों के आशय भिन्न हैं. करण के से का मतलब माध्यम है. जैसे हम कलम से लिखते हैं. वहीं अपादान के से का आशय है अलगाव. जैसे उसने कबूतर को तीर से मारा. यानी तीर मारनेवाले से अलग हुआ.

अधिकारी जी की जय बोलो!

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

बिना अधिकारी के मंत्री की क्या मजाल कि एक फाइल भी तैयार करके आगे बढ़ा दे! जब मंत्री पदभार ग्रहण करता है, तब अधिकारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर मंत्रालय की कुर्सी पर बिठाता है। झुक कर प्रणाम करता है और कहता है "माई बाप! आप जो आदेश करेंगे, हमारा काम उसका पालन सुनिश्चित करना है।" मंत्री इतनी चमचामय भाषा को सुनकर अपने आपको डोंगा समझने लगता है और इस तरह अधिकारी चमचागिरी करके मंत्री रूपी डोंगे के भीतर तक अपनी पहुंच बना लेता है. मंत्रियों की टोपी का रंग नीला, पीला, हरा, लाल बदलता रहता है, लेकिन अधिकारी का पूरा शरीर गिरगिटिया रंग का होता है. जो मंत्री की टोपी का रंग होता है, वैसा ही अधिकारी के पूरे शरीर का रंग हो जाता है. पार्टी में दस-बीस साल तक धरना-प्रदर्शन, जिंदाबाद-मुर्दाबाद कहने वाला कार्यकर्ता भी अधिकारी के मुकाबले में नौटंकी नहीं कर सकता. कार्यकर्ता ज्यादा से ज्यादा टोपी पहन लेगा, लेकिन अधिकारी का तो पूरा शरीर ही टोपी के रंग में रंगा होता है. अधिकारी मंत्री को यह विश्वास दिला देता है कि हम आपकी विचारधारा के सच्चे समर्थक हैं और हम आपकी पार्टी को अगले चुनाव में विजय अवश्य दिलाएंगे. मंत्री को क्या पता कि कानून कैसे बनता है? वह तो केवल फाइल के ऊपर लोक-लुभावने नारे का स्टिकर चिपकाने में रुचि रखता है. भीतर की सारी सामग्री अधिकारी बनाता है. मंत्री के सामने मंत्री के मनवांछित स्टिकर के साथ फाइल प्रस्तुत करता है. इसलिए फाइलों में स्टिकर बदल जाते हैं, नारे नए गढ़े जाते हैं, महापुरुषों के चित्रों में फेरबदल हो जाती है, लेकिन सभी नियमों का प्रारूप अधिकारियों की मनमानी को पुष्ट करने वाला ही बनता है. अधिकारी अपने बुद्धि चातुर्य से कानून का ऐसा मकड़ी का जाल बनाते हैं कि जनता रूपी ग्राहक उनके पास शरण लेने के लिए आने पर मजबूर हो जाता है और फिर उनकी मनमानियों का शिकार बन ही जाता है। मंत्रियों को तो केवल उस झंडे से मतलब है, जो अधिनियम की फाइल के ऊपर लहरा रहा होता है. अधिकारी घाट-घाट का पानी पिए हुए होता है. उसे मालूम है कि ये झंडे-नारे सब बेकार की चीजें हैं. इनमें क्या रखा है? असली चीज है अधिनियम की ड्राफ्टिंग अर्थात प्रारूप को बनाना. उसमें ऐसे प्रावधानों को प्रविष्ट कर देना कि लोग अफ़सरशाही से तौबा-तौबा कर लें. अधिकारियों की तानाशाही और उनकी मनमानी के सम्मुख दंडवत प्रणाम करने में ही अपनी ख़ैरियत समझें. परिणाम यह होता है कि मंत्री जी समझते हैं कि रामराज्य आ गया, समाजवाद आ गया, सर्वहारा की तानाशाही स्थापित हो गई.

सुकून

डॉ मयंक मुरारी
चिंतक और आध्यात्मिक लेखक

लोकाभिरामं रघुवंशनाथम्

राम फिर से विग्रहरूप में लौट रहे हैं. वह जन्मस्थान में अब सदैव विराजेंगे. पांच सौ साल बाद भारत देश अपने धर्म के मूर्तिमान विग्रह को मुकुट और छत्र सहित प्रतिस्थापित करेगा. इसके साथ ही अयोध्या लोकमंगल का नाभकीय केंद्र बनेगा. देशवासी को जब पहली बार जहाज से अयोध्या आने का अवसर मिला तो, किष्किंधा पर्वत की मिट्टी और तुंगभद्रा का जल माथे पर रखकर इस पावन धरती पर वे उतरे. मंदिर में भगवान अभी नहीं विराजे हैं, लेकिन अयोध्या की धरती पर चरण रखने की उसकी खुशी का वर्णन शब्द नहीं कर पाते हैं. भारतवर्ष की प्राणवायु का आगमन हो रहा है. राम भारत की चेतना हैं. जीवन की श्रेष्ठता और उदात्तता की सीमा हैं. शिव महादेव हैं, कृष्ण संपूर्ण हैं, लेकिन राम केवल पुरुष हैं, जो पुरुषोत्तम होने का पथ दिखाते हैं. इसलिए वह सबके हैं. सबमें वह बसते हैं.

श्री राम ही ठांव

भारतीय जीवन में जिस दिन रामनाम का आश्रय मिला, उसी दिन उनका आगमन शुरू हो गया. जब एक आतातायी ने अयोध्या में 1528 में राममंदिर को तोड़ा था, तब से राम से पृथकता को भारतीय जनमानस से अस्वीकार कर दिया. भारत के आमजन के लिए श्रीराम ही ठांव हैं, वहीं लक्ष्य हैं. इसलिए जगत के सभी रूपों के बीच श्रीराम का स्मरण और उसके साथ शौर्य, साहस और संकल्प की अनवतरत यात्रा चलती रही. जब खुद पर भरोसा खत्म हो जाए और उस प्रभु श्रीराम का आसरा हो जाए, तब श्रीराम का स्पर्श मिलता है. यह आसरा टूटे नहीं, यह विश्वास बना रहे, इसलिए सभ्यता के उषाकाल से राम रसायन का प्रसाद भारतभूमि में बांटा जाता रहा है. सतयुग में महाराज मनु से अयोध्या में सभ्यता और संस्कृति के नए युग की शुरूआत की, तब से अयोध्या विश्व की प्राचीनतम राजधानी रही है. आज पुनः उसका गौरवगान भारतीय सभ्यता के स्वर्णिम काल का स्मरण है.

धर्मगुरुओं का वास्ता

भारत सनातन है, सनातन में सदैव शाश्वत का बोध है. यही कारण है कि इस पुण्यभूमि पर गुरु नानकदेव जी आए. गुरुतेग बहादुर और गुरुगोविंद सिंह ने अयोध्या के ब्रह्मकुंड में ध्यान किए. जैन के पांच तीर्थंकर ने अपने वंश परंपरा को श्रीराम से जोड़ा. जैनमत के जनक ऋषभदेव अयोध्या के ही राजा नाभिराज और उनकी पत्नी मरुदेवी की संतान थे. जैनसंत अजितनाथ, अभिनंदनाथ, सुमतिनाथ, और अनंतनाथ का जन्म भी अयोध्या में हुआ. शाक्यमुनि भी इक्ष्वाकु वंश से अपना रक्तसंबंध को बताया. बुद्ध के पहले शिष्य अयोध्या के राजा प्रसनजीत थे. यहां उन्होंने जीवन का 16 साल बिताए. इस मर्यादा के दर्शन के लिए रविदास अयोध्य जाते थे. निर्गुण कबीर राम को भजते थे. अद्वैत के जनक शंकर नैमिषारण्य से पैदल चलकर अयोध्या आए. रामानुजाचार्य बदरिकाश्रम से पैदल चलकर अयोध्या आए. विशिष्टद्वैतवाद के वल्लभाचार्य. सभी यहां साधना में लीन रहते थे. तुलसी के दोहा और भवभूति के राम की जाप यही पूर्णता प्राप्त करती थी.

कण-कण में राम

देश के एक छोर से दूसरे छोर तक हर जगह राम मिलेंगे. फल में सीताफल, दवा में रामबूटी, शस्त्र में रामबाण, हरेक शुभ कर्म की शुरूआत में राम होंगे. आज भी जंगल में जब कोई फल का नाम नहीं पता होता है, तो हम उसको रामफल और सीताफल नाम देते हैं. जिस समाज का कोई जातीय नाम नहीं होता है, उसे रामनामी कहा जाता है. अभिवादन के लिए सबसे सहज राम-राम का उच्चारण है. जीवन में राम हैं तो मृत्यु की सद्गत में राम-राम हैं. राम ब्रह्म हैं, राम भगवान हैं, राम राजा हैं और राम सामान्य पुरुष भी हैं. कबीर के राम निराकार ईश्वर हैं वहीं राम साकार सगुण रूप में तुलसी की वाणी हैं. तुलसी की रामकथा में तीन वाचक और तीन श्रोता हैं. शिव और पार्वती के संग रामकथा अध्यात्म के शिखर को छूता है, तो याज्ञवल्क्य और भारद्वाज के माध्यम से समाज के प्रबुद्ध एवं ऋषि परंपरा के साथ बहता जाता है. गरूर और काकभुशुंडी के संग वहीं रामकथा पशु-पक्षी एवं मानवेत्तर जीवन के पुण्य का कारक हो जाता है. इसी कारण रामनाम लोक, पुराण और वेद-काव्य से ऊपर उठ जाता है.

राम नाम के अर्थ अनेक

तैत्तरीय अरण्यक के अनुसार राम शब्द का अर्थ पुत्र है. वहीं ब्राह्मण संहिताओं में रमन्ते सर्वत्र इति रामः यानी जो सभी जगहों पर रमा हुआ है, वह राम है. संस्कृत व्याकरण के अनुसार जो सुंदर व दर्शनीय है, वह राम है. हिंदी में राम का अर्थ जो आनंद देनेवाला हो. दशरथनंदन राम सहित चार भाइयों को चार पुरुषार्थ का प्रतीक बताया गया है. इसमें राम को मोक्ष, भरत को धर्म, लक्ष्मण को काम और शत्रुधन को अर्थ का पर्याय बताया गया है. राम का एक अर्थ र से रसातल यानी पाताल, अ से आकाश और म से मृत्युलोक यानी पृथ्वी. इस प्रकार जो धरती, आकाश और पाताल का स्वामी है, वह राम है. संस्कृत व्याकरण में रम धातु में णय् प्रत्यय के योग से राम बनता है. रम धातु का अर्थ रमण यानी निवास करना है. वे प्राणियों के हृदय में रमण करते हैं. इसलिए राम है. शंकराचार्य ने अपने विष्णुस्हस्नाम में नित्यानंद स्वरूप जो है, वह राम है.

भारतीय लोकजीवन में कभी भी कहीं भी किसी पथिक से उसका नाम पूछ लीजिए- वह कहेगा, नाम तो श्री राम का. उसके बाद अपना नाम बताएगा. हमारा कोई ऐसा गांव नहीं होगा जहां राम नाम का कोई प्राणी न हो. दुख है तो राम है, सुख है तो राम है. जीवन है तो राम नाम ही सहारा है और मृत्यु है तो राम नाम ही सत्य है. राम के पहले माता सीता न हो तो राम भी अधूरे हैं. और सीता तो राम के बिना हो ही नहीं सकती है. इसलिए कहावत निकल पड़ी- सीताराम सीताराम सीताराम कहिये, जाही विधि रखे राम, ताही विधि रहिये. राम राम रटनेवाले का भला तो होता ही है, लेकिन जो उल्टा नाम जपता है, वह भी भवसागर से पार हो जाता है. सब ओर राम की ही लीला है.

राम से बड़ा राम का नाम

हिमकर श्याम
वरिष्ठ पत्रकार

जनमानस में राम गहरे रचे-बसे हैं. राम भारतीय लोक संस्कृति और साहित्य में सबसे लोकप्रिय चरित्र हैं. अनादि काल से ही राम कथा जन-मानस को आन्दोलित, उद्वेलित तथा आह्लादित करती आ रही है. राम कहना हमारी जिह्वा का स्वभाव है. प्रभु श्रीराम नाम के उच्चारण से जीवन में सकारात्क ऊर्जा का संचार होता है. राम एक महामंत्र है, जिसे हनुमान ही नहीं भगवान शिव भी जपते हैं. गांधी ने रामधुन को अपनी प्रार्थना सभा में प्रमुख स्थान दिया. तभी तो कहा जाता है, राम से बड़ा राम का नाम.

अभिवादन से अंतिम यात्रा तक

अभिवादन में राम-राम, जय राम जी की, जय सियाराम से लेकर अंतिम यात्रा में "राम नाम सत्य है" कहना राम नाम की महत्ता को दर्शाता है. दैनिक जीवन में हम राम शब्द का प्रयोग बार- बार करते हैं. जैसे राम-कहानी, राम-बाण, राम जाने, राम कसम, रामफल, आया राम-गया राम आदि. राम नाम को लड्डू, घी एवं मिश्री के समतुल्य बताया गया है. राम नाम लड्डू, गोपाल नाम घीव, हरि नाम मिसिरी, घोरि-घोरि पीव ! जब कोई काम कठिनाई से संपन्न होता है तो कहा जाता है कि राम राम करके यह काम पूरा हुआ. राम के प्रति अनुराग, उनकी सम्मोहिनी लीलाओं के प्रति आसक्ति. और उनकी गरिमा के प्रति निष्ठा लोक-जीवन का अंग हैं. पुत्र, भाई, पति, मित्र आदि के रूप में राम का कार्य-व्यहार आदर्श के रूप में इस कदर स्थापित हुआ कि सूदूर गांवों में भी मानस की चौपाइयों के ज़रिए सामाजिक विमर्श एक चलन बन गया. गांव-शहर में रामलीला की सुदीर्घ परंपरा रही है. कबीर, नानक या रैदास जैसे संतों के लिए राम दशरथ-नंदन नहीं हैं. कण-कण में मौजूद ब्रह्म हैं. तुलसीदास जी जब रामचरित मानस लिख रहे थे, तो उन्होंने एक चौपाई लिखी 'सिय राम मय सब जग जानी, करहु प्रणाम जोरी जुग पानी.´ अर्थात पूरे संसार में श्री राम का निवास है.

सूक्तियों, लोकोक्तियों और लोकगीतों में तो राम शब्द की भरमार है. राम जनमानस के नायक हैं. कहा जाता है. बिना राम की इच्छा के कुछ भी हो पाना संभव नहीं है. होइहि सोइ जो राम रचि राखा. अर्थात जो कुछ राम ने रच रखा है, वही होगा. श्रीरामचरितमानस के बालकांड की यह चौपाई मन को बड़ी तसल्ली देती है. वहीं तुलसी दास कवितावली में कहते हैं कि सबहिं नचावत राम गोसाईं अर्थात भगवान जिसको जैसा चाहते हैं वैसा ही नचाते हैं. एक लोकोक्ति है - राम की माया कहीं धूप कहीं छाया. यानी राम की माया है कि कहीं उजाला है कहीं अंधेरा. खेत में पक्षियों के चुगने पर कहा जाता है - रामजी के चिरईं रामजी के खेत/खा ले चिरइयां, भर भर पेट. राम के नाम पर छल कपट करनेवालों की भी कमी नहीं. ऐसे लोगों के लिए कहा गया है - मुंह में राम बगल में छुरी. एक और लोकोक्ति है - राम नाम जपना, पराया माल अपना; जिसका अर्थ है धर्म के आडम्बर करते हुए दूसरों की संपति को हड़पना. कबीर कहते हैं माया में तो मात्र वो फंसा जिसने माया को राम से भिन्न जाना. दुविधा में दोउ गये, माया मिली न राम.

निर्गुण तथा सगुण दोनों ही पक्ष

लोक में राम का निर्गुण तथा सगुण दोनों ही पक्ष वाला रूप प्रकट होता है. रामचरित मानस में कहा गया है - अगुनहिं सगुनहिं नहिं कुछ भेदा-गावहिं मुनि पुरान बुध वेदा. कबीर ने राम के दोनों रूपों का वर्णन किया. कबीर राम को कभी अपनी मां मान लेते हैं - हरि जननी मैं बालक तोरा...; तो कभी उन को पति मान कर वह कह उठते हैं - हरि मेरे पिउ मैं हरि की बहुरिया, राम बड़े मैं छुटुक लुहुरिया... कबीर जुलाहा थे. राम नाम लेते हुए कपड़ा बुनते थे. राम नाम कहीं न कहीं उन धागों के साथ बुन जाता है. कबीर यह भी कहते हैं – राम नाम रस भीनी, चदरीया झीनी रे झीनी... वह यह भी कहते हैं कि कस्तूरी कुंडलि बसै मृग ढूंढ़े बन माहि. ऐसे घटी घटी राम हैं दुनिया देखै नाहि. राम जगत व्यापी हैं. मनुष्य राम को धार्मिक स्थलों, अनुष्ठानों में ढूंढता रहता है जबकि वह स्वयं उसी के भीतर मौजूद हैं.

भोजपुरी व मैथिली गीतों में श्रीराम

भोजपुरी लोकगीतों में भी राम व्याप्त हैं. आहो रामा, चढ़ले चइतवा, राम जनमले हो रामा/घरे घरे बाजेला अनन बधइया हो रामा. पुत्र जन्म होते ही गांव-घर की महिलाएं सोहर गाने लगती हैं. सोहर राम नाम के बिना अधूरा है-जहि दिन राम जन्म ले ले, धरती आनंद भइल हो / ए ललना, बाजे लागल अवध बधाव महल उठे सोहर हो. एक लोकगीत में राम का मुकुट, लक्ष्मण का पटुका (दुपट्टा) और सीता की मांग का सिंदूर भींगने और राम के घर लौटने की चर्चा है -मोरे राम के भींजे मुकुटवा, लछुमन के पटुकवा/मोरी सीता के भींजे सेनुरवा कि राम घरे लवटहिं. इस गीत के माध्यम से न जाने कितनी कौसल्याओं का दर्द प्रकट होता है. लोकगीत की विधा चैता का प्रत्येक अन्तरा "हो रामा' से समाप्त होता है. मिथिला को भगवान राम के रूप में दामाद पाने का गौरव है. शादी-ब्याह में राम और सीता के विवाह से जुड़े गीत गाए जाते हैं. मिथिला में राम के साथ होली मनाने की परंपरा भी है- 'मिथिला में राम खेलथि होरी/ मिथिला में...'राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है..

राम शब्द लोक साहित्य का हिस्सा हैं. महर्षि वाल्मीकि कृत 'रामायण' व तुलसी कृत 'श्रीरामचरितमानस' सर्वोच्च कोटि के ग्रन्थ हैं. अध्यात्म रामायण, आनंद रामायण, कृत्तिवास रामायण, राम अवतार चरित, कुमुदेंदु रामायण, भावार्थ रामायण, आदि राम पर आधारितप्रमुख रचनाएं हैं. साकेत में मैथिलीशरण गुप्त कहते हैं 'राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है, कोई कवि बन जाए सहज सम्भाव्य है.' निराला जैसा हिंदी का अप्रतिम कवि 'राम की शक्ति पूजा' के चरम पर राम के मुख से कहते हैं-आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर. 'संशय की रात' नरेश मेहता का खंड काव्य है जिसमें रावण से होनेवाले आसन्नं युद्ध को लेकर राम की दुविधाग्रस्त मनःस्थिति का चित्रण है. राम भारत ही नहीं विश्व चेतना के आधार हैं. रामकथा, रामायण पाठ, रामलीला देश ही नहीं विदेशों में भी रमा है. इंडोनेशिया, जापान, थाईलैंड, म्यांमार, कम्बोडिया, फिलीपिंस, मलेशिया, मंगोलिया आदि देशों में रामग्रन्थ मिलते हैं. राम भारत की साझा संस्कृति का अभिन्न अंग हैं. अल्लामा इकबाल कहते हैं 'है राम के वजूद पे हिन्दोस्तां को नाज, अहले नजर समझते हैं, उसको इमाम-ए-हिन्द.'

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

नेहरा में नवविहिता की गला दबाकर हत्या

दरभंगा । जिले के नेहरा सहायक थाने के पैठान कबई गांव में विवाहिता की हत्या कर दी गयी. स्थानीय लोगों से मिली सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके घर से लाश बरामद की. मृतका पैठान कबई गांव के ही मो. मुस्तफा की बेटी जमीमा परवीन उर्फ कंचन बतायी जाती है. उसकी शादी महज दो वर्ष पहले गांव के ही मो. गुलाब खान के बेटे इमरान खान से हुई थी. उसे करीब एक वर्ष की संतान भी है. नेहरा ओपी पुलिस ने उसके पति इमरान खान एवं श्वसुर गुलाब को गिरफ्तार कर लिया है.

गया में सड़क हादसे में दो भाईयों की मौत

गया । पटना-गया मुख्य सड़क मार्ग पर कंडी नवादा के पास सड़क हादसे में दो भाईयों की मौत हो गई. दोनों मृतक की पहचान बेलागंज थाना क्षेत्र के अग्नि गांव के रौशन कुमार और गौतम कुमार के रूप में की गई है. दोनों सगे भाई थे. बताया जाता है कि घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई. वहीं, चालक हाइवा लेकर फरार हो गया. सड़क हादसा की सूचना पर चंदौती थाना की पुलिस मौके पर पहुंची. शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया. बताया जाता है कि दोनों भाई अपने घर अग्नि से मानपुर गेरे जा रहे थे. इस दौरान हादसा हुआ.

पाठक से टकराना मंत्री को महंगा पड़ाः चौधरी

पटना । शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पद पर केके पाठक की वापसी के बाद शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर को विभाग से हटाए जाने पर जारी सियासत के बीच नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी का बयान आया. अशोक चौधरी की मानें तो केके पाठक से टकराना प्रोफेसर चंद्रशेखर को महंगा पड़ा. कहा कि शिक्षा मंत्री और एसीएस के बीच काफी दिनों से तनातनी चल रही थी. जिसका बुरा असर शिक्षा विभाग और सरकार की छवि पर पड़ रहा था. उसके बाद सरकार को निर्णय लेना पड़ा. कहा कि लालू यादव और तेजस्वी यादव ने भी इसके लिए सीएमम को सलाह दी.

मिथिलावासियों के मन में है कसक : धिया सीता के नहि भेटल जीवनक सुख

अग्निपरीक्षा से गुजरने के बाद भी गर्भावस्था में वन गमन करना पड़ा

ज्ञानवर्द्धन मिश्र

श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर बिहार सहित पूरे देश में उत्सवी माहौल है. सुदूर गांव-देहात तक दीपावली की तैयारी है. जय श्रीराम के भगवा ध्वज से शहर-कस्बे पट चुके हैं. मिथिला का नजारा भिन्न है. यह माता जानकी का नैहर है, इसलिए मिथिला के लोग इस उत्सव से विशेष रूप से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं. मिथिला में घर-आंगन अरिपन से सजाए गए हैं और हर तरफ मंगलगीत गाए जा रहे हैं. लेकिन, इससे इतर कुछ ऐसे भी हैं, जिनके मन के कोने एक कसक जमी बैठी है, जो हर्ष के साथ विषाद भी है. इस उत्सवी माहौल में भी विषाद की कसक पिघल नहीं रही. खास कर मिथिला की कुछ महिलाओं को आज भी इस बात का दुःख है कि उनकी धिया सीता को कभी सुख नहीं मिला. वह हमेशा त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति ही बनीं रहीं. राजा दशरथ की बड़की पुतहु होने का कभी सुख हासिल नहीं हुआ.

विवाह के कुछ ही दिन बाद जंगल में दर-दर भटकना पड़ा. आततायी रावण द्वारा हरण किया गया और लंका में पति श्रीराम से दूर तपस्विनी की तरह रहकर तरह-तरह की यातनाएं झेलनी पड़ीं. यहीं नहीं रावण वध के बाद जब अयोध्या लौटीं और ऐसा लगा कि अब

सुखमय जीवन व्यतीत होगा, तब लांछन का शिकार होना पड़ा और अग्निपरीक्षा देनी पड़ी. यहीं नहीं, अग्निपरीक्षा से गुजरने के बाद भी गर्भावस्था में वन गमन करना पड़ा. वह तो ऋषि वाल्मीकि मिल गये और अपने आश्रम में बेटी की तरह रखा और लव-कुश का भरण-पोषण कर उत्तम शिक्षा-दीक्षा दी. नहीं, तो विधाता जाने क्या होता... इन सबके बाद जब फिर प्रभु राम अपनाना चाहे, तो लोकलज्जा के लिए धरती मां की गोद में जाना पड़ा.

मिथिला के नर-नारी के सामने रामचरितमानस के सारे प्रसंग आज याद आ रहे हैं, जैसे ये घटनाएं कल की हों. बावजूद इसके विषाद की अंतर्वेदना पर हर्ष का माहौल भारी है. हर बिटिया की नैहर से ससुराल को भारी भरकम सौगात सनेसा भेजी जाती है. माता सीता जी के मायके मिथिला से मां जानकी का वस्त्र, आभूषण, श्रृंगार, मखाना, भार के अलावा बिहार के प्रमुख मंदिरों से एकत्रित मिट्टी व जल अयोध्या भेजा गया है. यह कार्य कर दिखाया है केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने. जिसमें मुख्य रूप से उत्तरायण गंगा जल एवं मृतिका वशिष्ठेश्वर धाम, श्रृंगी ऋषि तपस्थल, कहलगांव, गंगा जल एवं मृतिका बाबा बृधेश्वरनाथ, गंगा जल एवं मृतिका बाबा मानस कामना महादेव, चंपानगर, गंगा जल एवं मृतिका बाबा अजगैबीनाथ महादेव, सुल्तानगंज, अंग जनपद, भागलपुर,शामिल हैं. इसी तरह ऋषि श्रृंगी कुंड जल एवं मृतिका, जलप्पा मंदिर, लखीसराय, मंदारपर्वत क्षेत्र, काशीविश्वनाथ पापहरणी जल मृतिका एवं बाबा मधुसूदन जलबौंसी, बांका, विष्णुपद मंदिर गया जी तीर्थ क्षेत्र, फल्गु नदीजल एवं मृतिका, गया, चंडिका स्थान, गंगा जल एवं मृतिका, कष्टहरनी घाट, मुंगेर, बिहार की मिट्टी व जल शामिल हैं.

ससुराल में विवाहिता की मौत, प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरपुर । दहेज के मामले में विवाहिता की हत्या कर दी गई. यह घटना जिले के गोसाई टोला गांव की है. जहां तीन महीने पहले प्रेम विवाह हुआ था. शादी में बाद बाइक नहीं देने पर ससुरालवालों ने विवाहिता की हत्या कर दी. इसके बाद शव को जला दिया. मृतका की पहचान रजनी कुमारी के रूप में हुई है. मृतका की मां उर्मिला देवी ने पारू थाने में दामाद श्रवन कुमार समेत 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है. मृतका की मां ने पुलिस को बताया की उसकी बेटी रजनी से गोसाई टोला गांव नीवासी श्रवण कुमार ने प्रेम-प्रसंग कर शादी की थी. यह शादी अक्टूबर 2023 में गोसाई टोला के रहने वाले श्रवण कुमार से हुई थी. शादी के बाद ससुराल में उनकी बेटी को प्रताड़ित किया जाता था.

रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सांसद चिराग पासवान बोले

त्रेता युग का नया अध्याय शुरू होगा

संवाददाता ।जमुई

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और जमुई सांसद चिराग पासवान इन दिनों बिहार की राजनीति में काफी सक्रिय हैं. वे नीतीश सरकार पर लगातार हमलावर हैं. दरअसल वह अपने चाचा पशुपति पारस के संसदीय क्षेत्र हाजीपुर के पहेतीया में श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे.

यहां मीडिया कर्मियों ने उनसे शिक्षा मंत्री बदले जाने को लेकर सवाल किया गया. उसके जवाब में चिराग नीतीश कुमार पर हमलावर दिखे. इस दौरान उन्होंने कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा है. उसमें शामिल होने अवश्य जाऊंगा और बड़ा ही भाग्यशाली हूं. विपक्ष के द्वारा राम मंदिर को मुद्दा बनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि इस कलयुग में त्रेता युग का नया अध्याय शुरू होगा. वहीं रामचरित मानस को लेकर विवादित बयान देने वाले प्रो. चंद्रशेखर को शिक्षा मंत्री पद से हटाकर आलोक मेहता को शिक्षा मंत्री बनाया गया है. इसे लेकर हाजीपुर में चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष किया. उन्होंने कहा कि जिस तरीके से विवादित बयान देकर समाज में भेदभाव की भावना प्रकट कर रहे थे वह ठीक नहीं था. उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री की एक जिम्मेवारी होती है कि आने वाले समय में शिक्षा की नींव को इतना मजबूत करें कि जात, धर्म और मजहब से ऊपर उठकर, एकता का भाव लेकर अपने प्रदेश के लोगों को साथ लेकर चलने का वह कार्य करें. चिराग पासवान ने कहा लेकिन यह मंत्री महोदय ने जिस तरीके से एक भारी आबादी की भावना को भड़काने का काम किया है. समाज में भेदभाव की भावना को उत्पन्न करने का काम किया है. ऐसे में वैसे मंत्री पर पहले ही बड़ी कठोर कार्रवाई हो जानी चाहिए थी. लेकिन अब उन्हें शिक्षा मंत्री पद से हटाया गया है, जो इतनी देर में कार्रवाई होगी तो यह संदेश नहीं जा सकता है. वे निरंतरता में विवादित बयान देते आए हैं.

दरअसल राज्य सरकार के जिन तीन मंत्रियों के विभागों का उलटफेर या संशोधन हुआ, वह लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद के हैं. इनमें दो मंत्रियों को पहले के मुकाबले ज्यादा महत्व मिला है. आलोक मेहता राजद के मंत्रियों में सबसे ज्यादा शिक्षित और सभ्य माने जाते हैं. उन्हें शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है. निश्चित तौर पर बिहार में शिक्षा विभाग मिलना आज की तारीख में प्रोन्नति है. ललित कुमार यादव के पास पीएचईडी की जिम्मेदारी पहले से थी, उन्हें बड़े विभाग राजस्व एवं भूमि सुधार की जिम्मेदारी दी गई है. यह भी प्रोन्नति ही कही जाएगी. दो महत्वपूर्ण विभाग इनके पास हैं अब. वहीं, प्रो. चंद्रशेखर को मंत्रीपद पर तो कायम रखा गया है, लेकिन उन्हें गन्ना उद्योग विभाग सौंप दिया गया है. माना जा रहा है कि चंद्रशेखर अपने विभागीय अपर मुख्य सचिव केके पाठक से झंझट कर फंस गए. सीएम इन्हें समझा भी चुके थे. नवंबर में शिक्षक नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में जिस तरह से नीतीश कुमार ने पाठक को महत्व दिया था, फिर भी चंद्रशेखर सहज नहीं हो सके थे. दोनों में टकराव या असहयोग की स्थिति कायम थी.

किया कटाक्ष

- विपक्ष के द्वारा राम मंदिर को मुद्दा बनाया जा रहा है
- चंद्रशेखर को हटाकर शिक्षा मंत्री बनाए गए आलोक

सीएम नीतीश कुमार का शुक्रगुजार हूंः आलोक मेहता

शिक्षा मंत्री बनने के बाद आलोक मेहता ने कहा कि उन्हें आजतक जो भी जिम्मेवारी मिली है, कोशिश किया है कि उसका निर्वहन सही ढंग से हो. उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की जिम्मेवारी मिली है इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने हम पर भरोसा किया और इतनी बड़ी जिम्मेवारी देने का काम किया. उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि उनके मंत्री रहते हुए विभाग में शिक्षा की बेहतरी के लिए काम होंगे और पढ़ाई कर रहे बच्चों की सुविधाओं में इजाफा होगा. बिहार में पिछले दिनों लाखों शिक्षकों की बहाली हुई, जो एक क्रांतिकारी निर्णय था. बिहार ही नहीं बल्कि देश की जनता मान रही है कि बिहार में इतने बड़े पैमाने पर नौकरियां दी जा रही हैं. इसके लिए पूर्व शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर समेत विभाग के अधिकारी बधाई के पात्र हैं.

सीएम ने किया अस्पताल का उद्घाटन

संवाददाता ।समस्तीपुर

सीएम नीतीश कुमार ने समस्तीपुर की जनता को श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज की बड़ी सौगात दी है. बताया जाता है कि श्रीराम जनकी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से युक्त है. मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय, वित्त और वाणिज्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के अलावा डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव मौजूद थे.

दूसरी ओर बताया जा रहा है कि सोमवार को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का न्यौता सीएम नीतीश कुमार को नहीं मिला है. जिसके चलते वो अयोध्या के कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं. वहीं सीएम ने राम जानकी के नाम पर बने अस्पताल का प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पहले उद्घाटन कर एक अलग संदेश देने की कोशिश की है. देश में एक मात्र मेडिकल कॉलेज है, जिसका नाम श्रीराम जानकी के नाम से रखा गया है. लोगों के लिए यह अस्पताल किसी वरदान से कम नहीं होगा. कॉलेज में मरीजों के इलाज व जांच की सुविधा को लेकर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा तैयारी शुरु कर दी गयी है.

विष्णुपद मंदिर सार्वजनिक न्यास है : हाईकोर्ट

गया । हाईकोर्ट ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में गया स्थित विष्णुपद मंदिर को सार्वजनिक प्रकृति का धार्मिक न्यास करार दिया है. कहा किया कि हजारों साल पुराने विष्णुपद मंदिर व उसके आसपास का तीर्थ स्थल, जिसे गया क्षेत्र कहा जाता है. वहां अति प्राचीन काल से हिंदू धर्मावलंबी अपने पितरों के मोक्ष के लिए आते रहे हैं. इससे इस मंदिर और तीर्थ का आध्यात्मिक लाभ जनसामान्य को ही मिलता है न कि सिर्फ वहां के रहने वाले पंडे और पुजारियों को. कोर्ट ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में मंदिर एक सार्वजनिक न्यास है न कि किसी का निजी न्यास.

नीतू नवगीत को मिला लीजेंड ऑफ बिहार का अवार्ड

संवाददाता।पटना

बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका और जहानाबाद जिले के शकुराबाद की रहने वाली डॉ नीतू नवगीत को लीजेंड ऑफ बिहार अवार्ड से सम्मानित किया गया है. पटना के होटल चाणक्य में आयोजित एक शानदार कार्यक्रम में बिहार के उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ, भवन निर्माण मंत्री अशोक कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और खाद्य आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह ने नीतू कुमारी नवगीत को पुरस्कृत किया. नीतू कुमारी नवगीत ने लोक गायन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है.

कारोबार

जीजेईपीसी बजट में हो हीरों पर शुल्क में कटौती

मुंबई । आम बजट से पहले रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार से सोने और कटे व पॉलिश हीरे (सीपीडी) पर आयात शुल्क कम करने का आग्रह किया है ताकि क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिल सके. भारत का रत्न और आभूषण उद्योग सोने, हीरे, चांदी और रंगीन रत्नों सहित कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भर है. जीजेईपीसी कीमती धातुओं पर आयात शुल्क को मौजूदा 15 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत करने की मांग कर रही है.

देश का बीते साल वस्तु एवं सेवा निर्यात 0.4% बढ़ा

नयी दिल्ली । वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद बीते साल (2023 में) देश का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात मामूली 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 765.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है. वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है. भारत के निर्यात को इलेक्ट्रॉनिक, दवा, सूती धागा, कपड़े और सिरेमिक उत्पाद, मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पाद, फल और सब्जियां और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र से मदद मिली है.

राज्यों की कर्ज गारंटी हुई 9.4 लाख करोड़

मुंबई । देश के 17 प्रमुख राज्यों द्वारा अपनी इकाइयों को दी गई कुल ऋण गारंटी वित्त वर्ष 2022-23 तक तीन गुना से अधिक होकर 9.4 लाख करोड़ रुपये हो गई है. यह वित्त वर्ष 2016-17 में तीन लाख करोड़ रुपये थी. हालांकि, गारंटियां आकस्मिक देनदारियां हैं. ये राज्यों के राजकोषीय तंत्र के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकती हैं. ऐसे में राज्यों को एक मजबूत गारंटी निगरानी की जरूरत होती है, ताकि उनकी वित्तीय प्रणाली कुल मिलाकर जुझारू बनी रहे. राज्य अक्सर अपने विभिन्न उद्यमों, सहकारी संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों की ओर से अपने ऋणदाताओं के पक्ष में गारंटी देते हैं और जारी करते हैं जो आमतौर पर बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान होते हैं.

रिसोर्ट बनाकर किराए पर देने वाली कंपनी प्रवेग का शेयर एक महीने में 63% बढ़ चुका है

आस्था के केंद्र में निवेश का अवसर

भाषा । नयी दिल्ली

अयोध्या एक तरफ राम भक्तों के लिए आस्था का केंद्र है तो दूसरी ओर कारोबारियों के लिए भी निवेश का बड़ा केंद्र है. इसके पीछे बड़ी वजह जमीन की अचानक आसमान छूती कीमतें हैं. इसके संकेत भी मिलने लगे हैं. कई रियल एस्टेट प्लेयर्स के अनुसार अयोध्या में जमीन की कीमतें 5 साल पहले की कीमतों से 5 से 10 गुना तक बढ़ गईं हैं. यह तो बस शुरुआत है. राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में 3 से 4 लाख टूरिस्ट हर दिन पहुंचने की उम्मीद है. जैसे-जैसे यहां टूरिस्ट बढ़ेंगे वैसे-वैसे टाउनशिप और होटल्स में भी बढ़ोतरी होगी. इससे रियल एस्टेट कीमतों में और ज्यादा तेजी आने की उम्मीद है. साथ ही रियल एस्टेट के साथ इससे जुड़े शेयरों में भी तेजी है.

टेंट सिटी होटल और रिसोर्ट बनाकर किराए पर देने वाली कंपनी प्रवेग का शेयर बीते एक महीने में 63% बढ़ चुका है. वहीं अयोध्या में मल्टी लेवल पार्किंग बना रही हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट बेस्ड कंपनी अपोलो सिंदूरी होटल्स का शेयर 47% से ज्यादा चढ़ चुका है. इसके अलावा आईआरसीटीसी के शेयरों में भी करीब 20% की तेजी आई है. शेयर के जानकारों का कहना है कि ऐसे में यहां अयोध्या के नए इन्वेस्टमेंट थीम के तौर पर उभरने के साथ निवेश के कई ऑप्शन हैं, जहां निवेश पर लाभ की उम्मीद की जा सकती है. देखा जाय तो अयोध्या में इंफ्रास्ट्रक्टचर और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में काम कर रही कंपनियों में निवेश बढ़ा है. इन कंपनियों के शेयर के भाव तेजी से बढ़ रहे हैं. प्रवेग से लेकर आईआरसीटीसी के शेयरों ने बीते एक महीने में अच्छा खासा रिटर्न दिया है. वहीं अपोलो सिंदूरी होटल्स एक हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट बेस्ड कंपनी है, जो अयोध्या में मल्टी लेवल पार्किंग फैसिलिटी बना रही है. एक महीने में इसका शेयर 47% से ज्यादा चढ़ा है. अभी इसका भाव 2285 रुपये है. इसी तरह प्रवेग लिमिटेड कंपनी देश के टूरिस्ट प्लेसेस पर टेंट सिटी होटल और रिसोर्ट बनाकर किराए पर देती है. अयोध्या में भी प्रवेग लिमिटेड टेंट सिटी बना रही है. पिछले एक महीने में इसका शेयर 63% के करीब बढ़ चुका है. जिसके प्रति निवेशकों का झुकाव बढ़ रहा है.

वहीं जेनेसिस इंटरनेशनल मैपिंग टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर है. यह कंपनी अयोध्या के ऑफिशियल मैप की मैपिंग का काम कर रही है. पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 17% से ज्यादा चढ़ा है. इसी तरह आईआरसीटीस अयोध्या में 2024 में 3 करोड़ टूरिस्ट पहुंचने की संभावनाओं के चलते ट्रेन टिकट बुक करने वाली कंपनी के शेयर में भी तेजी रही है. पिछले एक महीने में ये 21% बढ़े हैं. इंडियन होटल्स ने अयोध्या में विवांता और जिंजर ब्रांड के तहत दो ग्रीनफील्ड होटलों के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. इसका शेयर बीते एक महीने में 12% से ज्यादा चढ़ा है. जहां तक रियल एस्टेट की बात है तो बताया जाता है कि बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सेरेमनी से पहले 14.5 करोड़ रुपये का प्लॉट खरीदा है. ऐसी ही कई और सेलिब्रिटीज हैं जिन्होंने अयोध्या में प्रॉपर्टी में निवेश किया है. इससे साफ है कि अयोध्या एक नई इन्वेस्टमेंट थीम बनकर उभरी है. एनारॉक की रिपोर्ट के अनुसार शहर के बाहरी क्षेत्र जैसे फैजाबाद रोड पर 4 साल पहले जमीन के रेट 400 रुपये वर्ग फीट थे. वहीं अक्टूबर 2023 तक उनका भाव 3000 रुपए वर्ग फीट तक पहुंचा है.

बढ़ेगा निवेश

- अयोध्या में जमीन की कीमतें 10 गुना तक बढ़ गईं
- अपोलो होटल्स का शेयर 47% से ज्यादा चढ़ चुका है
- आईआरसीटीसी के शेयरों में 20% की तेजी आई है

पश्चिम एशिया में अधिकतर श्रमिक यूपी से

भाषा।मुंबई

खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में निर्माण उद्योग में काम करने वाले भारत के ज्यादातर श्रमिक या मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और तमिलनाडु से हैं. एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है. प्रवासी श्रमिकों को उद्यमों से जोड़ने वाले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित मंच 'हंटर' के आंकड़ों के अनुसार, भारत से जीसीसी देशों में उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और तमिलनाडु के सबसे अधिक मजदूर हैं.

रिपोर्ट में कहा गया कि चिनाई, बढ़ई, प्लंबिंग, बिजली का काम और वेल्डिंग जैसे निर्माण कौशल में दक्षता रखने वाले और निर्माण परियोजनाओं में पूर्व अनुभव रखने वाले श्रमिकों की जीसीसी देशों में काफी मांग है. रिपोर्ट के अनुसार, जीसीसी क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) से प्रमाणन और शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है.

थोड़ी बहुत भी अंग्रेजी बोलने वालों और विभिन्न कामकाजी परिस्थितियों तथा संस्कृतियों में खुद को ढालने वाले श्रमिकों को भी निर्माण क्षेत्र द्वारा महत्व दिया जाता है. यह रिपोर्ट 'हंटर' मंच पर मौजूद आंकड़ों पर आधारित एक विश्लेषण है. इस बीच, हंटर के आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में निर्माण उद्योग में काम करने वाले भारत के ये श्रमिक 20-40 वर्ष आयु वर्ग के हैं और ज्यादातर पुरुष हैं. हंटर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैमुअल जॉय ने कहा कि भारत के अलावा नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, युगांडा, केन्या, घाना और सिएरा लियोन जैसे देशों के श्रमिक पश्चिम एशिया के निर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं. कहा कि हाल के वर्षों में स्थिर वेतन परिदृश्य के बावजूद मांग में मौजूदा उछाल मजदूरी में संभावित वृद्धि का संकेत देता है.

डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान निकाय में आम सहमति कठिन

भाषा।नयी दिल्ली

डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों के बीच वैश्विक व्यापार निकाय की विवाद निपटान प्रणाली में सुधार पर अगले महीने आम सहमति बनने की उम्मीद नहीं है क्योंकि विकसित तथा विकासशील देशों के बीच इस मुद्दे पर व्यापक मतभेद हैं. जीटीआरआई की एक रिपोर्ट में रविवार को यह बात कही गई है. विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के व्यापार मंत्री विवाद निपटान तंत्र में सुधार, कृषि संबंधी मामलों तथा सीमा शुल्क पर रोक, ई-कॉमर्स व्यापार पर शुल्क जैसे विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी) के लिए फरवरी में अबू धाबी में एकत्रित होंगे. डब्ल्यूटीओ के 164 देश सदस्य हैं. आजीटीआरआई के अनुसार विवाद निपटान प्रणाली में सुधार पर आम सहमति तक पहुंचना मुश्किल है.

केंट आरओ सिस्टम्स अब अमेरिकी बाजार में उतरेगी

नयी दिल्ली । वॉटर प्यूरीफायर बनाने वाली घरेलू कंपनी केंट आरओ सिस्टम्स का इरादा अगले वित्त वर्ष में अमेरिकी बाजार में उतरने का है. कंपनी ने अगले तीन साल में 2,000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए वह अपने उपकरण पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है. कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक महेश गुप्ता ने यह जानकारी दी. कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने पिछले तीन साल में विस्तार पर 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है.

कारों में सीएनजी प्रौद्योगिकियां उत्सर्जन-संबंधी नियामकीय अनुपालन को पूरा करने में मदद करती हैं

शून्य उत्सर्जन कारें वायु प्रदूषण घटाने में मददगार : चंद्रा

भाषा ।नयी दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा का मानना है कि केवल शून्य उत्सर्जन वाली कारें ही वायु प्रदूषण में कमी लाने, ईंधन आयात घटाने और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती हैं. उद्योग के एक वर्ग द्वारा हाइब्रिड कारों पर लगाए गए करों में कटौती की मांग के बीच चंद्रा ने कहा कि ऐसे वाहन शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने, वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार और जीवाश्म ईंधन आयात को कम करने के प्रमुख राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ मेल नहीं खाते हैं.

उन्होंने कहा कि कारों में हाइब्रिड और सीएनजी प्रौद्योगिकियां ईंधन दक्षता में सुधार करने और उत्सर्जन-संबंधी नियामकीय अनुपालन को पूरा करने में मदद करती हैं, लेकिन इसकी तुलना शुद्ध बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों से नहीं की जा सकती. चंद्रा ने कहा कि सरकार पहले से ही कम कराधान के जरिये हाइब्रिड वाहनों को समर्थन दे रही है और इन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों के समान लाने की कोई जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि हाइब्रिड कारों की तुलना इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से नहीं की जा सकती क्योंकि वे अनिवार्य रूप से प्रदूषण फैलाने वाले 'जीवाश्म ईंधन' पर चलती हैं. चंद्रा ने कहा कि ईवी की तुलना में हाइब्रिड को 'अनावश्यक दर्जा' देने पर जोर दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार हालांकि ईवी को समर्थन देने के मामले में बहुत सहयोगी और दृढ़ रही है. देश में हाइब्रिड वाहनों पर कुल कर 43 प्रतिशत है, जिसमें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी शामिल है. वहीं बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगभग पांच प्रतिशत कर लगता है. टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी घरेलू वाहन कंपनियां बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जबकि टोयोटा, सुजुकी और होंडा जैसे जापानी वाहन विनिर्माता घरेलू बाजार में हाइब्रिड प्रौद्योगिकी पर दांव लगा रहे हैं. चंद्रा ने कहा कि हाइब्रिड वास्तव में एक जीवाश्म ईंधन वाहन है जिसे ईवी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है क्योंकि यह एक मोटर और एक छोटे बैटरी पैक का उपयोग करती है. मूलतः यह ऊर्जा स्रोत के रूप में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती है.

बोले एमडी

- सरकार पहले से ही हाइब्रिड वाहनों को समर्थन दे रही है
- हाइब्रिड कारों की तुलना ईवी से नहीं की जा सकती

पिस्कानगड़ी में हैवेल्स गैलेक्सी का भव्य शुभारंभ

संवाददाता।रांची

इलेक्ट्रिकल्स प्रोडक्ट के अग्रणी ब्रांड हैवेल्स के एक्सक्लूसिव शोरूम हैवेल्स गैलक्सी का भव्य शुभारंभ पिस्का नगड़ी में रविवार को किया गया. टिकड़ाटोली, रिलायंस पेट्रोल पंप के नजदीक स्थित इस हैवेल्स गलैक्सी का विधिवत उद्घाटन झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने फीता काट कर किया. इस मौके पर संस्थान के प्रबंधक राज कुमार गुप्ता, विकास कुमार, हैवेल्स के ब्रांच हेड सुशांतो कुमार नंदा, वरिष्ठ समाजसेवी कन्हैया सिंह, नंद किशोर मेहता, चंद्रशेखर गुप्ता, प्रेम मित्तल, केदार महतो, विजय महतो सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे. प्रबंधक ने बताया कि हैवेल्स के उत्पाद अपने आकर्षक डिजाइन, बेहतर क्वालिटी, अफोर्डेबल प्राइस के लिए जाना जाता है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से समय अच्छा है. आत्मबल में वृद्धि होगी. भाई बहन के सहयोग का समय है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

वृषभ कोई नया कार्य करने का योग है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी.

मिथुन मानसिक सुख मिलेगा. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा. अपनों से विवाद को बढ़ावा न दें. पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. अन्न जल का दान करें.

सिंह यात्रा से लाभ होगा. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. भाग्य का साथ मिलेगा. किसी से कोई बहस से बचें साथ ही प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी.

कन्या पिता से लाभ होगा. कार्य में सफल रहेगा, जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. गणेश जी का पूजन करें.

तुला कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आपके कार्य के प्रभाव से आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं. जल दान करें.

वृश्चिक किसी से विवाद हो सकता है. व्यापार से अच्छा लाभ का योग है. कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा.

धनु समय उत्तम है. अपनों के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

मकर मौसमी रोग से कुछ परेशानी हो सकती है. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें. अन्न दान करें.

कुंभ संतान के कार्य पर ध्यान दें. परीक्षा का सुंदर परिणाम होगा. पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. मंदिर में दर्शन पूजन करें.

मीन किसी से बेकार की बहस हो सकती है. माता को कष्ट होगा. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी.

'एसआईपी प्रोडिजी 2024' में बच्चों का हुनर देख दंग रह गये लोग

संवाददाता। रांची

- 75 लर्निंग सेंटरों के 2,050 प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा
- पांच मिनट की अवधि में किये 150 से 300 अर्थमैटिक सॉल्व

एसआईपी एकेडमी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने रविवार को अखिल झारखंड राज्य ''एसआईपी प्रोडिजी 2024'' का खेलगांव के टाना भगत स्टेडियम में सफल आयोजन किया. इसमें रांची, जमशेदपुर, रामगढ़, हजारीबाग, झुमरी तिलैया, बोकारो, चास, धनबाद, डालटनगंज, चक्रधरपुर, खूंटी, देवघर, मधुपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 एसआईपी लर्निंग सेंटरों से पहुंचे 2,050 प्रतिभागियों ने अबेकस के मानसिक अंकगणितीय प्रतियोगिता में भाग लिया. प्रतिभागियों के कैलकुलेशन को देखकर सभी दंग रह गये. राज्य के विभिन्न जिलों से आये बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया. इसमें चैंपियन, फर्स्ट रनरअप, सेकेंड रनरअप, थर्ड रनरअप को सेलेक्ट किया गया.

एसआईपी अबेकस का यह है 19 वां साल

एसआईपी एकेडमी इंडिया के प्रबंध निदेशक दिनेश विक्टर ने इस आयोजन पर खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा कि देखकर खुशी हो रही है कि एसआईपी अबेकस के कई पूर्व छात्र शिक्षा और करियर में बहुत अच्छा कर रहे हैं. इस मौके पर स्टेट हेड इकबाल सिंह होरा ने बताया कि एसआईपी अबेकस का यह 19वां साल है, जिसमें 75 सेंटर से 2050 बच्चों ने भाग लिया. इस मंच से आज बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई. इस आयोजन से सभी के पैरेंट्स भी काफी खुश हैं. इसमें सभी शिक्षकों और पैरेंट्स के साथ-साथ बच्चों की मेहनत झलक रही है. उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया.

क्लास वन से सेवन तक के बच्चों के हुनर को पहचानें

आज मोबाइल व टेलीविजन की वजह से बच्चे पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रहे हैं. एसआईपी के बच्चों से अगर मिलेंगे तो उनको मैथ्स सबसे इजी विषय लगेगा. यह हम अपने ट्रेनिंग के माध्यम से बच्चों को सिखाते हैं. उन्होंने सभी माता-पिता से अपील करते हुए कहा कि क्लास वन से 7 तक के बच्चे के हुनर को पहचानें. वह सही मार्गदर्शन में अपने हुनर का इस्तेमाल कर इसमें बहुत कुछ कर सकते हैं. इस प्रतियोगिता में झारखंड अबेकस के कुल 11500 बच्चों में से 2050 चुन्निदा बच्चों ने भाग लिया. जिनमें से कुल 16 चैंपियन और 434 बच्चे विजेता रहे. जिन्हें प्रतियोगिता के बाद सम्मानित किया गया. इस प्रतियोगियों में पांच मिनट में बच्चों ने सौ से दो सौ तक गणित के सवाल हल किये. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक एसआईपी अकादमी इंडिया एंड इंटरनेशनल सीबी शेखर, क्षेत्रीय प्रबंधक शुभजीत मलिक, प्रमुख फ्रेंचाइजी और कौशल विकास संजीव मेनन, प्रबंधक उत्पाद अरुण रामचंद्रन मौजूद रहे.

जानिए सोशेबल इंटेलेक्चुअल प्रोग्रेसिव एकेडमी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बारे में

एसआईपी (सोशेबल इंटेलेक्चुअल प्रोग्रेसिव) अकादमी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बच्चों के लिए एक कौशल विकास संगठन है, जिसका मुख्यालय चेन्नई में है. एसआईपी अकादमी भारत द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम वर्षों के शोध और परीक्षण के बाद विकसित किए गए हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित है. ये कार्यक्रम बच्चों में विभिन्न कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं. 6-12 वर्ष के बच्चों के लिए खुला कार्यक्रम है. जिसमें ब्रेन जिम अभ्यास के साथ अबेकस सिखाया जाता है. इसे मानसिक अंकगणित के रूप में जाना जाता है, जो बच्चे की मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाता है. SIP प्रोग्राम दुनियाभर के 14 देशों में 800 से अधिक केंद्रों पर उपलब्ध है. वर्तमान में इस एकेडमी में 1,10,000 छात्र हैं. एसआईपी एकेडमी इंडिया दुनिया की इकलौती अबेकस कंपनी है, जो बच्चे के मानसिक गणनात्मक कौशल में 5 गुना सुधार की गारंटी देती है. यह आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित संगठन है. एसआईपी अकादमी इंडिया जनवरी 2002 से भारत में कार्यक्रम आयोजित कर रही है.

बनायी गयी सबसे बड़ी रंगोली, निकाली भव्य शोभायात्रा

बिरला मंदिर में भव्य प्रतिमा स्थापित

संवाददाता। जमशेदपुर

गोलमुरी केबुल टाउन के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण में विश्व की अब तक की सबसे बड़ी रंगोली बनकर तैयार हो गई है. इसे आदित्यपुर के कलाकार विवेक मिश्रा ने अकेले अपनी मेहनत से बनाया है. रंगोली का क्षेत्रफल 18,500 वर्गफीट से ज्यादा है. जिसकी लंबाई 165 फीट है और चौड़ाई 125 फीट है. इसे बनाने में करीब तीन टन रंगोली की खपत हुइ है. रंगोली बनाने के लिए स्थान का समतलीकरण, उस पर हरे रंग की कार्पेट एवं वर्षा से बचाने के लिए प्लास्टिक तथा विभिन्न रंगों की तीन टन रंगोली एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था आदि श्री लक्ष्मी नारायण जीर्णोद्धार समिति के संयोजक एवं पूर्वी जमशेदपुर के विधायक सरयू राय द्वारा की गई है. सोमवार को 11 बजे दिन मे इसका विधिवत उद्घाटन होगा.

कार्यक्रम में ये थे उपस्थित : कार्यक्रम में आशुतोष राय, अमित चौधरी, युके शर्मा, हरेराम सिंह, असीम पाठक, अनिकेत सावरकर, सुधीर सिंह शुशील खड़का, मनोज सिंह उज्जैन, कुलविंदर सिंह पन्नु, चंद्रशेखर राव आदि उपस्थित थे.

गाजे बाजे के साथ मंदिर में लाई गई भगवान की प्रतिमा

इसके अतिरिक्त देव विग्रह विहीन इस निर्माणाधीन मंदिर में श्री लक्ष्मी नारायण की नौ फीट ऊंची अभिमंत्रित प्रतिमा स्थापित होगी और साथ ही पूजा अर्चना आरम्भ होगी. प्रतिमा रविवार को मंदिर के भीतर उचित स्थान पर स्थापित कर दी गई है. इसके लिए गोलमुरी टीनप्लेट चौक से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शोभा यात्रा निकाली गई. जिसमें भगवा ध्वज, पताका लहराते हुए गाजे बाजे के साथ लक्ष्मीनारायण बिड़ला मंदिर में प्रतिमा लाया गयी. शोभा यात्रा में समाजसेवी अशोक भालोटिया, अशोक गोयल, रामाश्रय प्रसाद आदि शामिल थे.

विभिन्न कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

इसके साथ ही मंदिर के गर्भगृह के निर्माण का कार्य भी कल 22 जनवरी से शुरू होगा. गर्भ गृह में शीघ्र ही विधि विधान के अनुरूप श्री लक्ष्मी नारायण के विग्रह की स्थापना अगले राम नवमी तक करने का लक्ष्य है. श्री श्री स्वामी लक्ष्मीनारायण बिड़ला मंदिर में 22 जनवरी को 11 बजे विश्व की सबसे बड़ी 18,500 वर्गफीट की रंगोली का उद्घाटन होगा. 12 बजे श्री लक्ष्मी नारायण की स्थापित मृतिका प्रतिमा का अनावरण होगा. 12.30 बजे श्री लक्ष्मी नारायण गर्भ गृह निर्माण का कार्य आरम्भ होने के बाद भजन संध्या होगी.

उमरा कर रांची एयरपोर्ट पहुंचा 90 लोगों का जत्था

रांची। मदीना टूर एंड ट्रेवल्स ग्रुप गिरिडीह पिछले 13 वर्षो से हज उमराह करा रही है. रविवार को 90 जायरीन उमराह कर जद्दा से रांची बाई फ्लाइट पहुंचे. मौके पर ट्रेवल्स ग्रुप के मौलाना इलियास मजाहिरी ने कहा कि आज 90 लोगों का जत्था उमरा कर रांची लौटा. मौलाना ने कहा कि मुझे काम करने पर यकीन है, अल्लाह पाक जिससे चाहता है काम लेता है. उन्होंने कहा कि सभी जायरीन बहुत खुश है, सभी जायरिनों ने मदीना टूर एंड ट्रेवल्स की व्यवस्था को सराहा. मौलाना इलियास ने कहा कि मेरा यह काम करने का मकसद झारखंड के मुसलमानो के खिदमते खल्क करना है, मक्का में 500 मीटर की दूरी पर और मदीना में 600 मीटर की दूरी पर ठहराया गया। और सभी जायरीन को मक्का और मदीना की सभी जगह की जियारत कराई गई. मक्का और मदीना में भारतीय भोजन की व्यवस्था है, यह जत्था मौलाना जौहर मजाहिरी के नेतृत्व में वापस हुई. वहीं मौलाना मो जौहर मजाहिरी ने कहा कि इसी माह 24 जनवरी को रांची से फ्लाइट के द्वारा 45 जायरीन का जत्था मौलाना इलियास मजाहिरी के नेतृत्व में जायेगा.

रजक समाज बाघमारा विधानसभा का हुआ गठन

बिनोद कुमार रजक बनाये गये अध्यक्ष और सुरेश रजक सचिव

संवाददाता। कतरास

रविवार को कतरास बाजार स्थित लिलौर स्थान मंदिर के पुराने पार्क में रजक समाज बाघमारा विधानसभा की एक बैठक बिनोद कुमार रजक की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सभी रजक परिवार को एक मंच पर लाने के लिए आम सहमति बनी और इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया.

इसके बाद सर्वसम्मति से रजक समाज बाघमारा विधानसभा कमेटी का गठन किया गया. जिसमें अध्यक्ष बिनोद कुमार रजक, उपाध्यक्ष रिंटू रजक मलकेरा उत्तर मुखिया प्रतिनिधि उपाध्यक्ष विनोद कुमार रजक मुखिया दक्षिण पंचायत मलकेरा सचिव सुरेश रजक केसरगढ़ा पंचायत समिति सदस्य सह सचिव तोताराम रजकसह सचिव लखन कुमार रजक केसर गढा, कोषाध्यक्ष गुरुदेव प्रसाद रजक सह कोषाध्यक्ष संजय रजक सोनारडीह को सर्वसम्मति से बनाया गया. इसके अलावा 11 कार्यकारिणी समिति के सदस्य चुने गए. जिसमें मुख्य रूप से लीलावती देवी मलकेरा, राधा देवी माटीगढा मंगरु रजक जमुआटांड, विनोद रजक मालकेरा लक्ष्मण रजक, डब्लू रजक कतरास, सागर रजक केसर गड़ा, बालेश्वर रजक मालकेरा, महादेव रजक मालकेरा को सर्वसम्मति से चुना गया. बैठक में मुख्य रूप से विवेक कुमार रजक संजय कुमार रजक सुरेश रजक बालेश्वर रजक प्रशांत रजक राधा देवी वीरेंद्र रजक रमेश रजक अमित रजक तोताराम रजक आदि मौजूद थे. धन्यवाद ज्ञापन विनोद कुमार रजक ने किया, एवं बैठक का संचालन सुरेश कुमार रजक ने किया.

खास बातें

- सभी रजक परिवारों को एक मंच पर लाने के लिए सहमति
- लिलौर स्थान मंदिर के पुराने पार्क में आयोजित हुई बैठक

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : एड्रियन मानारिनो को हराकर नोवाक जोकोविच क्वार्टर फाइनल में

जोकोविच ने रोजर फेडरर के ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी की

भाषा । मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया)

सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने रविवार को यहां एड्रियन मानारिनो पर 6-0, 6-0, 6-3 की जीत से ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया और रोजर फेडरर के सर्वकालिक ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी की. 10 बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोकोविच ने एक घंटे 44 मिनट में मिली जीत के दौरान 31 विनर जमाये और मेजर में 58वीं बार अंतिम आठ में प्रवेश कर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की. जोकोविच 14वीं दफा ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे और उनकी निगाहें 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब पर लगी हैं. अब उनका सामना 12वें नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज से होगा. फ्रिट्ज पिछले साल यहां उप विजेता रहे स्टेफानोस सिटसिपास पर 7-6 (3), 5-7, 6-3, 6-3 की जीत से पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे.

58 वीं बार ग्रैंडस्लैम के अंतिम आठ में पहुंचे नोवाक जोकोविच

14 वीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जोकोविच

- एकतरफा मुकाबले में 6-0, 6-0, 6-3 से जीते जोकोविच
- क्वार्टर फाइनल में टेलर फ्रिट्ज से भिड़ेंगे जोकोविच

गॉफ व सबालेंका क्वार्टर फाइनल में

कोको गॉफ

आर्यना सबालेंका

महिलाओं के वर्ग में गत चैंपियन आर्यना सबालेंका और अमेरिकी ओपन विजेता कोको गॉफ ने शानदार जीत से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया. दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी सबालेंका ने पिछले साल यहां अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था. उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 6-2 से हराया. उनका सामना 16 वर्षीय मीरा एंड्रीवा और नौवें नंबर की खिलाड़ी बारबोरा क्रेजसिकोवा के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा. सितंबर में अमेरिकी ओपन में पहला मेजर जीतने वाली गॉफ ने मागडालेना फ्रेच को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक से होगी जिन्होंने मारिया टोमाफीवा को 6-2, 6-1 से हराकर पहली बार मेजर के अंतिम आठ में जगह बनायी.

ब्रीफ खबरें

'बैजबॉल के सामने हमारे पास है विराटबॉल'

नयी दिल्ली । भारत के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए भारत के पास 'विराटबॉल' मौजूद है. इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है. गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा कि विराट कोहली जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है.

यूथ खेल के तकनीकी अधिकारी बने भुपेंद्र

रांची । तमिलनाडु में होने वाले यूथ राष्ट्रीय खेल के लिए तकनीकी अधिकारी के रुप में भुपेंद्र कुमार तिवारी को आमंत्रित किया गया है, इस उपलब्धि पर झारखंड तैराकी संघ की अध्यक्षा बरखा सिन्हा, चेयरमैन राम बालक सिंह, वरीय उपाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार तिवारी,अर्चित आंनद शैलेश सहाय,सचिव उपेंद्र कुमार तिवारी, कोषाध्यक्ष अमर सिंह, सुरजीत सिंह मक्कड़, राकेश पाठक, राजेश यादव, रंधीर कुमार, श्रवण जालान, आतीस सिंह के साथ संघ के सभी पदाधिकारियों ने बधाई दी.

कबड्डी लीग के लिए 96 खिलाड़ी चयनित

रांची । झारखंड कबड्डी प्रीमियर लीग का ट्रायल बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोराहाबादी के कबड्डी ग्राउंड में संपन्न हुआ. इस ट्रायल में झारखंड के सभी जिलों और ओडिशा, यूपी, बिहार, वेस्ट बंगाल से 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया. जिसमें 96 खिलाड़ियों का चयन किया गया. इस प्रतियोगिता का उद्घाटन कुणाल आजवानी, मुनचुन राय, संजय झा, डॉ राजेश गुप्ता, मोनू शुक्ला समेत एसोसिएशन के लोग व खेल प्रेमी मौजूद थे.

इंडिया ओपन के फाइनल में हारी सात्विक-चिराग की जोड़ी

कैंग-सियो बने चैंपियन

- पहला सेट जीतने का बावजूद भारतीय जोड़ी हारी
- 21-15, 11-21, 18-21 से जीती कैंग और सियो की जोड़ी

भाषा । नयी दिल्ली

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ की दक्षिण कोरिया की विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में पहला गेम जीतने के बावजूद हार के साथ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा. सात्विक और चिराग की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को फाइनल में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी के खिलाफ एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे यह जोड़ी दूसरी बार इंडिया ओपन का खिताब जीतने में सफल रही.विश्व चैंपियन कैंग और सियो के खिलाफ अच्छी शुरुआत करने के बाद भारतीय जोड़ी ने लय गंवा दी और लगातार सहज गलतियां की जिसका खामियाजा मेजबान देश की जोड़ी को खिताब गंवाकर चुकाना पड़ा.भारत और कोरिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली.

सात्विक और चिराग ने पहले तीन अंक शटल को नेट के पार कराने में नाकाम रहने के कारण गंवाए. सात्विक में शुरुआत में काफी गलतियां की जिससे कैंग और सियो को कुछ आसान अंक मिले. खेल की गति काफी तेज थी इसलिए गलती की गुंजाइश भी काफी कम थी. सात्विक और चिराग ब्रेक तक 11-9 से आगे रहे. ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने स्कोर 13-9 किया और फिर बढ़त बरकरार रखते हुए इसे 18-13 किया. चिराग के स्मैश से भारतीय जोड़ी ने छह गेम प्वाइंट हासिल किए.

दूसरे गेम ने कोरिया दबदबा

दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी ने बेहतर शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई. चिराग ने अपने तूफानी स्मैश से दो अंक जुटाकर स्कोर 4-6 किया. सात्विक और चिराग ने इस बीच कुछ शॉट बाहर और नेट पर मारे जिससे कैंग और सियो ब्रेक तक 11-5 की मजबूत बढ़त बनाने में सफल रहे. सात्विक और चिराग गलतियों पर अंकुश नहीं लगा पा रहे थे और कोरिया की जोड़ी ने लगातार नौ अंक के साथ स्कोर 16-5 किया और फिर आसानी से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया.

रोमांचक रहा तीसरा गेम

तीसरे गेम काफी रोमांचक रहा. सात्विक व चिराग ने लगातार सहज गलतियां की जिससे कैंग और सियो ने 6-3 की बढ़त बनाई. सात्विक और चिराग ने कई शॉट नेट पर और बाहर मारे जबकि विरोधी जोड़ी को नेट से पीछे भी नहीं धकेल पाए. कोरियाई जोड़ी ब्रेक तक 11-6 से आगे रही. भारतीय जोड़ी ने ब्रेक के बाद वापसी करते हुए स्कोर 10-12 किया लेकिन कोरिया की जोड़ी लगातार अंक जुटाकर बढ़त बरकरार रखने में सफल रही.

पुरुष वर्ग में शी युकी व महिला वर्ग में ताइ जू ने जीता खिताब

चीन के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी और चीनी ताइपे की दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी ताइ जू यिंग ने रविवार को यहां फाइनल में सीधे गेम में जीत के साथ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंट टूर्नामेंट का क्रमश: पुरुष और महिला एकल का खिताब जीता. वर्ष 2018 के चैंपियन युकी ने कड़े फाइनल में हांगकांग के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी ली च्युक यीयू को 54 मिनट में 23-21, 21-17 से हराकर दूसरी बार इंडिया ओपन जीता. ताइ जू को हालांकि चीन की ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चेन यू फेई को सीधे गेम में हराने के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा. तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और चौथी वरीय ताइ जू ने दूसरी वरीय यू फेई को 41 मिनट में 21-16, 21-12 से हराकर खिताब अपने नाम किया. टूर्नामेंट में ताइ जू यिंग के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी गेम नहीं गंवाया.

पांचवें टी-20 में 42 रनों से हारा न्यूजीलैंड

क्लीन स्वीप से बचा पाकिस्तान

- न्यूजीलैंड की टीम ने 4-1 से श्रृंखला जीती
- इफ्तिखार ने 11 रन देकर तीन विकेट चटकाए

भाषा । क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड)

पाकिस्तान रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को 42 रन से हराकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप होने से बच गया. पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 134 रन बनाये. यह श्रृंखला में मेहमान टीम का न्यूनतम स्कोर था, इससे पहले टीम ने पिछले चार टी-20 में 180, 173, सात विकेट पर 179 और पांच विकेट पर 158 रन बनाये थे. लेकिन हेगले की खराब पिच पर यह स्कोर भी काफी साबित हुआ और न्यूजीलैंड की टीम महज 92 रन के स्कोर पर सिमट गयी. इसमें पाकिस्तान के लिए इफ्तिखार अहमद नायक साबित हुए जिन्होंने 11 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे न्यूजीलैंड के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ. यह इफ्तिखार अहमद का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा, इससे पहले उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन सात रन देकर एक विकेट लेना था.

इफ्तिखार ने टिम सिफर्ट (19), मैट हेनरी (01) और ईश सोढी (01) को आउट किया जबकि विल यंग (12) का कैच लेकर आउट किया और मार्क चैपमैन (01) को रन आउट करने में भूमिका अदा की. इससे पाकिस्तानी टीम श्रृखला में 5-0 से हारने से बच गयी और न्यूजीलैंड ने 4-1 से श्रृंखला जीती. पाकिस्तान की पारी में मोहम्मद रिजवान ने 38 और फखर जमां ने 33 रन बनाये. वहीं न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप्स ने सर्वाधिक 26 रन बनाये.

बैडमिंटन : मो मिमशाद व नेशात बने चैंपियन

रांची । मॉर्निंग ग्रुप रांची के तत्वावधान में खेले गए शब्बीर आजाद मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट में रविवार को जूनियर वर्ग के फाइनल में नेशात अनवर पप्पू का मुकाबला नसीम अख्तर से हुआ. नसीम अख्तर ने शानदार फार्म जारी रखते हुए नेशात अनवर को पहले सेट में मात दे दी, दूसरे सेट के खेल में नेशात अनवर ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दो सेटों में जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम किया. जबकि सीनियर वर्ग का फाइनल मैच मौलाना आजाद बैडमिंटन टूर्नामेंट के चैंपियन डॉ शेरान अली और मोम मिमशाद के बीच हुआ. एकतरफ मुकाबले में डॉ शेरान ने मिमशाद को हराकर खिताब जीता. टूर्नामेंट में बच्चों के साथ बुजुर्गों का मुकाबला हुआ जिसमें किड्स कैटोग्री में फरहान ने हंजला को हराकर फाइनल जीता, जबकि वेटरन कैटेगरी में बड़े भाई और मॉर्निंग ग्रुप के विजय कुमार साहू का मुकाबला डॉ ताबा से हुआ जहां डॉ ताबा ने जीत हासिल की.

राइंड 16 में पहुंचा पीएसजी

भाषा । पेरिस

किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करने में मदद की और दो गोल दागे जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने शनिवार को यहां ओरलियांस को 4-1 से हराकर फ्रेंच कप के राउंड 16 में प्रवेश किया. एम्बाप्पे ने 16वें और 62वें मिनट में दो गोल दागे जिससे इस सत्र के 26 मैच में उनके गोल की संख्या 28 हो गयी. फिर एम्बाप्पे ने 71वें मिनट में क्रास से गोंकालो रामोस को और 88वें मिनट स्थानापन्न मिडफील्डर सेनी मायुलु को गोल करने में मदद की.

अनुभवी स्ट्राइकर विसाम बेन येडर की हैट्रिक की बदौलत मोनाको ने रोडेज पर 3-1 की जीत से पीएसजी के साथ अगले दौर में प्रवेश किया. लेकिन 2022 के विजेता नानटेस को लावाल से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा. राउंड 32 के अन्य मुकाबले में नाइस ने बोर्डेक्स पर 3-2 से जीत हासिल की. ब्रेस्ट ने भी ट्रेलिसाच पर 2-1 की जीत से अगले दौर में प्रवेश किया.

फ्रेंच कप

- 4-1 से पीएसजी ने ओरलियांस को हराया
- विसाम की हैट्रिक से मोनाको अगले दौर में

एसजीएफआई रांची में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का सामपन, झारखंड का प्रदर्शन शानदार

प. बंगाल को हराकर झारखंड बालिका टीम बनी चैंपियन

खेल संवाददाता । रांची

- फाइनल में झारखंड की बालिका टीम 6-0 से जीती
- मणिपुर की टीम बालिका वर्ग में तीसरे स्थान पर रही

रांची में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल (एसजीएफआई) के अंडर-14 फुटबॉल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ. प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रांची के मोरहाबादी स्थित फुटबॉल स्टेडियम में खेला गया. जिसमें बालिका वर्ग में झारखंड और बालक वर्ग में बिहार की टीम चैंपियन बनी. एसजीएफआई अंडर-14 फुटबॉल में झारखंड की बालिका टीम का दबदबा रहा. झारखंड की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा फाइनल मुकाबले में पश्चिम बंगाल को 6-0 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया. वहीं तीसरे स्थान पर मणिपुर की टीम रही.

बालक वर्ग के फाइनल में बिहार से हारा झारखंड

बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में बिहार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड की टीम को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया. विजेता टीमों के पुरस्कार वितरण समारोह में झारखंड पेयजल आपूर्ति मंत्री मिथिलेश ठाकुर, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की निदेशक किरण कुमारी पासी, राज्य शिक्षा परियोजना के प्रशासी पदाधिकाकी जयंत मिश्रा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग समेत खेल विभाग के कई पदाधिकारी उपस्थित थे.

- बालक वर्ग के फाइनल में 2-0 से हारा झारखंड

राज्य के मयंक व साहिल ने जीता रजत

अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रति.

- दोनों खिलाड़ियों ने अपने आयु वर्ग के काता स्पर्धा में रजत पदक जीता

संवाददाता । रांची

कोलकाता के न्यू टाउन फुटबॉल स्टेडियम में जेतेकन शीतोरियु कराटे एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित बोंगों भूमि कप इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में झारखंड के खिलाड़ियों देश को रजत पदक दिलाया.

भारतीय कराटे टीम की ओर से खेलते हुए झारखंड के मयंक कुमार दास और साहिल कुमार महतो ने रजत पदक जीता. दोनों खिलाड़ियों ने अपने आयु वर्ग के काता स्पर्धा में रजत पदक जीता. मयंक कुमार दास फाइनल राउंड में बांग्लादेश से हारे, वही साहिल को मलेशिया के खिलाड़ी से फाइनल राउंड में हार का सामना करना पड़ा. वहीं रोशन कुमार ने 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के काता स्पर्धा में कांस्य पदक जीता. सभी सफल खिलाड़ियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व कराटे संघ के रेफरी हंशी प्रेमजीत सेन ने पदक प्रदान किया.

घर आएंगे श्री राम : प्राण प्रतिष्ठा समारोह आज, सज कर पूरी तरह से तैयार है रामनगरी

10 लाख दीपों से जगमग होगी अयोध्या

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा

भाषा । अयोध्या

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूरा होने के बाद सोमवार शाम को 10 लाख दीपों से जगमगाएगी अयोध्या. अधिकारियों ने बताया कि मकानों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर ''राम ज्योति'' प्रज्ज्वलित की जाएगी. उन्होंने बताया कि अयोध्या सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन होगी. अधिकारियों ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत ''राम ज्योति'' प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनाई जाएगी. क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी (आरटीओ) आरपी यादव ने बताया कि सोमवार की शाम 100 प्रमुख मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाए जाएंगे और इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है. उन्होंने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप दीप जलाए जाएंगे तो इसमें स्थानीय कुम्हारों की मदद ली जा रही है और उनसे दीपों को खरीदा जा रहा है. योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2017 में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से ही दीपोत्सव की शुरुआत हुई थी. अधिकारियों ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद योगी सरकार की तरफ से पूरी अयोध्या को दीपों से सजाया जाएगा और राज्य पर्यटन विभाग की ओर से इसकी भव्य तैयारी की जा रही है.

प्रतिष्ठा समारोह से पहले एक कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार

51 स्थानों पर 22 हजार से अधिक वाहनों के पार्किंग का इंतजाम

उत्तर प्रदेश सरकार ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले अतिथियों के वाहनों की पार्किंग के लिए 51 स्थानों पर व्यापक इंतजाम किये हैं. एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि इन पार्किंग में 22,825 वाहनों को खड़ा किया जा सकेगा. पार्किंग के लिए किसी को भटकना न पड़े, इसके लिए पार्किंग स्थलों को गूगल मैप पर अपलोड कर दिया गया है. वहीं, पार्किंग स्थलों को वीवीआईपी, वीआईपी और अन्य मेहमानों के लिए भी आरक्षित किया गया है. अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी), यातायात बीडी पॉल्सन ने बताया कि अयोध्या धाम में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने वाले मेहमानों की गाड़ियों को पार्क करने के लिए 51 स्थानों को चिह्नित किया गया है. इनमें एक समय में एक साथ करीब 22,825 वाहनों को खड़ा किया जा सकेगा. उन्होंने बताया कि रामपथ पर पांच स्थानों, भक्ति पथ मार्ग पर एक स्थान, धर्म पथ मार्ग पर चार स्थानों, परिक्रमा मार्ग पर पांच स्थानों, बंधा मार्ग पर दो स्थानों, टेढ़ी बाजार रामपथ से महोबरा मार्ग पर एक और टेढ़ी बाजार रामपथ से उनवल मार्ग पर सात स्थानों को पार्किंग के लिए चिह्नित किया गया. इसके अलावा अयोध्या से गोंडा मार्ग पर दो, एनएच 27 पर 10 स्थानों, तीर्थ क्षेत्र पुरम में सात स्थानों और कारसेवक पुरम टेंट सिटी के आस-पास तीन स्थानों, रामकथा मंडपम टेंट सिटी पर चार स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है. इन पार्किंग को सरकारी, निजी और पर्यटन विभाग की भूमि पर बनाया गया है. इसके अलावा अयोध्या धाम में बनी मल्टीलेवल पार्किंग में भी गाड़ियों को खड़ा किया जाएगा.

7500 पौधों से सजा श्री राम जन्मभूमि परिसर

- 51 स्थानों पर किए गए हैं पार्किंग के इंतजाम
- गूगल मैप पर पार्किंग स्थलों को किया गया है अपलोड

अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले महाराष्ट्र से लाए गए साढ़े सात हजार पौधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर में रोपे गए हैं, जिससे पूरा क्षेत्र अत्यंत मनोहारी लगने लगा है. एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत लगभग आठ हजार से अधिक आगंतुक श्रीराम जन्मभूमि परिसर में प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे, तो आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ यहां की हरियाली भी उनका मन मोह लेगी. पौधे रोपने का यह कार्य श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व उप्र वन विभाग की तरफ से किया जा रहा है. इन पौधों में एग्लोनेमा रेड-लिपिस्टक, पिंक, ऐलोकेशिया ब्लैक वेलवेट- कुकुलता, वेस्टिल, फिलोड्रेनड्रॉम रिंग ऑफ फायर-बिरकिन, जेनाडू, रेड कांगो, पिंक फायर, पिंक प्रिसेंज, डिफेनबेकिया व्हाइट, होमालोमेना ब्रांज, केलेडियम मिक्स, मेलपिघिया श्रीराम, ड्रकाना महात्मा, सेफलेरा, वेरीगेटेड, लोरोपेटलम, रेडार मचेरा, डिफेनबेकिया बोमानी, मोंसटेरा डेलीसिओसा, आर्केड मिक्स, पीस लिली आदि प्रमुख हैं. जन्मभूमि परिसर में स्थापित नक्षत्र वाटिका की खूबसूरती भी आकर्षित कर रही है. नक्षत्र वाटिका में 27 नक्षत्रों से जुड़े 27 पेड़ लगाए गए हैं इनमें पीपल, पाकड़, नीम, गुटेल, महुआ, शीशम, खैर,आदि शामिल हैं.

सरयू नदी घाट पर आरती करते आरती करते पुजारी

प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या में लगी श्रद्धालुओं की भीड़

100 प्रमुख मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर जलाए जाएंगे दीप

सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन होगी अयोध्या

सुरक्षा घेरे में अयोध्या

'रामलला की नई मूर्ति के सामने रखी जाएगी पुरानी मूर्ति'

श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा है कि अस्थायी मंदिर में रखी राम लला की पुरानी मूर्ति को नई मूर्ति के सामने रखा जाएगा, जिसे सोमवार को यहां मंदिर में प्रतिष्ठित किया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर के निर्माण में अब तक 1,100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं तथा काम पूरा करने के लिए 300 करोड़ रुपये की और आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि अभी निर्माण पूरा नहीं हुआ है. भगवान राम की तीन मूर्तियों का निर्माण किया गया था, जिनमें से मैसूर स्थित मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई मूर्ति को "प्राण प्रतिष्ठा" के लिए चुना गया है. यह पूछे जाने पर कि अन्य दो मूर्तियों का क्या होगा, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ने कहा कि हम उन्हें पूरे आदर और सम्मान के साथ मंदिर में रखेंगे.

इसरो ने राम मंदिर का उपग्रह तस्वीर जारी किया

बेंगलुरु । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की उपग्रह से ली गई तस्वीर जारी की है. इसरो ने अंतरिक्ष में मौजूद भारतीय सुदूर संवेदी उपग्रह से ली गई तस्वीर रविवार को साझा की, जिसमें अयोध्या में बन रहा भव्य मंदिर दिखाई दे रहा है जिसमें रामलला का प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होना है. पिछले साल 16 दिसंबर को ली गई तस्वीर में दशरथ महल, अयोध्या रेलवे स्टेशन और पवित्र सरयू नदी भी दिखाई दे रही है.

सिक्किम चुनाव विभाग ने शुरू किया जागरुकता कार्यक्रम

- ईवीएम व वीवीपीएटी को लेकर किया गया शिक्षित
- मशीनों से रूबरू कराने के लिए बनाए 26 प्रदर्श केंद्र

भाषा । गंगटोक

सिक्किम के चुनाव विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) को लेकर राज्यव्यापी जागरुकता कार्यक्रम शुरू किया है. एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई. विज्ञप्ति में कहा गया है कि चुनाव विभाग ने नागरिकों को मतदान प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव कराने और मशीनों से रूबरू कराने के लिए छह जिलों में 26 प्रदर्शन केंद्र बनाए हैं और छह मोबाइल वैन तैनात की हैं. इसमें कहा गया कि जागरुकता कार्यक्रम हर आम चुनाव और राज्य विधानसभा चुनाव से पहले चलाया जाता है जिसका उद्देश्य मतदाताओं को वोट डालने के लिए चरण-दर-चरण प्रक्रिया से अवगत कराकर ईवीएम और वीवीपीएटी की कार्यप्रणाली के बारे में शिक्षित करना है.

हिमाचल प्रदेश में आज सार्वजनिक अवकाश

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश की रविवार को घोषणा की. मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लोगों से अपने घरों में दीप प्रज्वलित करने की भी अपील की. उन्होंने संभवतः भाजपा की ओर इशारा करते हुए कहा, भगवान राम किसी एक राजनीतिक दल से संबद्ध नहीं हैं बल्कि वह हर किसी के आदर्श हैं और देश की संस्कृति हैं. मैं अपने घर में दीये जलाऊंगा और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करूंगा.

हिमंत विश्व शर्मा का राहुल गांधी से आग्रह

असमी संत शंकरदेव की जन्मस्थली न जाएं

भाषा । गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सोमवार को बरदोवा में श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली पर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि भगवान राम और राज्य में एक आदर्श के रूप में पूजे जाने वाले मध्यकालीन वैष्णव संत के बीच कोई स्पर्धा नहीं हो सकती. शर्मा ने कहा कि 22 जनवरी को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान अल्पसंख्यक बहुल इलाकों के संवेदनशील मार्गों पर कमांडो तैनात किये जायेंगे. मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम राहुल गांधी से राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान सोमवार को बरदोवा न जाने का अनुरोध करेंगे क्योंकि इससे असम की गलत छवि पेश होगी. उन्होंने कहा कि राहुल अनावश्यक स्पर्धा पैदा किये बगैर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद वहां जा सकते हैं.

जन्मस्थल पर जायेंगे राहुल गांधी : कांग्रेस

बिश्वनाथ (असम) । कांग्रेस ने रविवार को कहा कि राहुल गांधी की यात्रा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गांधी अपनी पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार असम के नागांव जिले में बोर्दोवा थान का दौरा करेंगे. उन्होंने आग्रह किया कि इस पर कोई राजनीति नहीं की जानी चाहिए.

निष्पक्ष चुनाव नहीं होने से अस्थिरता होगी : इमरान

इस्लामाबाद । जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए उनकी पार्टी को समान अवसर देने की मांग करते हुए कहा कि चुनाव में निष्पक्षता की कमी से 'अस्थिरता और अनिश्चितता' का माहौल बढ़ेगा. खान ने अदियाला जेल में संवाददाताओं को अनौपचारिक रूप से संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की. क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने खान ने दावा किया कि उनकी पार्टी को चुनाव प्रचार करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि प्रतिबंधों की वजह से पार्टी को जनसभाएं करने में मुश्किलें हो रही हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

जानिए, कैसे बनें साइंटिस्ट और क्या है इसकी प्रक्रिया

एजुकेशन रिपोर्टर/ रजनीश प्रसाद । किसी भी देश के विकास और रिसर्च में साइंटिस्ट्स मुख्य भूमिका निभाते हैं. भारत के साथ-साथ विदेश में भी साइंटिस्ट बनने के लिए कई कोर्सेज मौजूद हैं. साइंटिस्ट की मांग हर देश को होती है. वहीं इनका सैलरी पैकेज भी अच्छा होता है. कोई भी व्यक्ति जो ज्ञान प्राप्ति के लिए सिस्टमैटिक रूप से कार्यरत हो उसे वैज्ञानिक (साइंटिस्ट) कहा जा सकता है. एक सीमित परिभाषा के अनुसार वैज्ञानिक विधि को करते हुए किसी भी क्षेत्र में सीखने वाले व्यक्ति को आम तौर से वैज्ञानिक कहते हैं.

साइंटिस्ट के प्रकार

- एग्रोनॉमिस्ट
- एस्ट्रोनॉमर
- बॉटनिस्ट
- केमिस्ट
- साइटोलॉजिस्ट
- इकोलॉजिस्ट
- एपिडेमियोलॉजिस्ट
- एथोलॉजिस्ट
- जेनेटिसिस्ट
- जियोलॉजिस्ट
- जियोग्राफर
- मरीन बायोलॉजिस्ट
- माइक्रोबायोलॉजिस्ट
- प्लेनेटोलॉजिस्ट
- फिजिसिस्ट
- सीस्मोलॉजिस्ट
- जूलॉजिस्ट

साइंटिस्ट बनने के लिए जरूरी स्किल्स

- **लगन :** सिर्फ वैज्ञानिकों में ही नहीं परंतु जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उसमें लगन होना बहुत ही जरूरी है .अपने लक्ष्य को पाने के लिए, सभी तरह के प्रयास करें. वैज्ञानिक बनने के लिए अपने अंदर एक जुनून होना बहुत ही अनिवार्य है, लक्ष्य को पाने के लिए तब तक मेहनत करें जब तक अपनी मंजिल को नहीं पा लेते.
- **विज्ञान में रुचि :** वैज्ञानिक बनने के लिए बचपन से ही विज्ञान में रुचि होनी चाहिए. विज्ञान में रुचि होने से अपने लक्ष्य को और सपनों को पूरा कर सकता है.
- **प्रैक्टिकल नॉलेज :** किताबी ज्ञान के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज होना बहुत ही जरूरी है. वैज्ञानिक बनने के लिए अलग-अलग और नई-नई चीजों का संशोधन करना होता है, उसकी खोज करनी होती है. अगर आपने प्रैक्टिकल नॉलेज होगा तो आप नए-नए प्रयोग कर सकते हैं.
- **कारण खोजें :** किसी भी चीज ,वस्तु, मशीन के पीछे का कारण खोजें.
- **भाषा :** अपनी मातृभाषा के अलावा अन्य भाषा में भी ज्ञान होना जरूरी है. अगर आपके पास अन्य भाषाओं का ज्ञान होगा तो आप दूसरे देश के साइंटिस्ट के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं साथ ही आपको उसके बारे में जानने में कठिनाइयां नहीं होगी. आप उसके बारे में अच्छे से और आसानी से समझ सकते हैं.
- **रिसर्च को पढ़ें :** महान वैज्ञानिकों के रिसर्च के बारे में पढ़ने से आपको लक्ष्य को प्राप्त करने में काफी ज्यादा मदद होगी, साथ ही आपको नई जानकारी भी मिलेगी.

जॉब अलर्ट

1. राजस्थान उच्च न्यायालय ने जूनियर निजी सहायक, जूनियर पर्सनल असिस्टेंट के पदों पर भर्ती निकाली है.

- संस्था का नाम – राजस्थान हाई कोर्ट
- पद नाम – जूनियर पर्सनल असिस्टेंट
- पद संख्या – 30
- अधिसूचना – जारी
- योग्यता – स्नातक
- नौकरी का स्थान – राजस्थान
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 9 फरवरी- 9 मार्च 2024
- ऑफिसियल वेबसाइट – https://hcraj.nic.in
- आयु सीमा – 18 से 40 वर्ष

2. मांड्या जिला सहकारी केंद्रीय बैंक लिमिटेड (एमडीसीसीबी) ने जूनियर असिस्टेंट अटेंडेंट समेत विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेश जारी किया है.

- संस्था का नाम – मांड्या जिला सहकारी केंद्रीय बैंक
- पद नाम – जूनियर असिस्टेंट अटेंडेंट
- पद संख्या – 94
- योग्यता – डिग्री
- नौकरी का स्थान – कर्नाटक
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 18 जनवरी- 16 फरवरी 2024
- ऑफिसियल साईट – https://www.mandyadccbank.com

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)

श्री राम ... कोई धर्म नहीं! श्री राम ... एक आस्था! श्री राम ... एक शक्ति! श्री राम ... विश्वास!
समस्त देशवासियों को श्री रामलला की
प्राण प्रतिष्ठा पर हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं
Imperial Home World
राम मंदिर के उद्घाटन पर,
Imperial Home World
कि ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं!
यह पवित्र स्थल हमारी सांस्कृतिक धरोहर
की नई शुरुआत को समर्पित करता है।
इस अद्वितीय क्षण में, हम सभी भक्तों को
धार्मिक आनंद और शांति की कामना करते हैं।
इस महत्वपूर्ण क्षण के शुभआरंभ के साथ,
हम समृद्धि और धरोहर के पथ पर अग्रसर होते हैं।
श्रीराम की कृपा सदैव हमारे साथ बनी रहे।
जय श्रीराम!
Panasonic LED
Crompton
KENT
orient electric
Kalyanpur Road No. 4,
Singh More, Hatia, Ranchi-834003
Call Us. : 7004698852
8809262851
श्री राम मंदिर
22 जनवरी 2024